ठाणे - मुंबई
से प्रकाशित
सोमवार, 10 अगस्त 2026
वर्ष - 19, अंक-236
मुल्य-2, पृष्ठ-8+4

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
www.tarunmitra.in
श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार
संपादक- स्वतंत्र कुमार
e-mail-tarun.thana@gmail.com
महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार से प्रकाशित

सीपीआर अस्पताल के नवनिर्मित कार्यों का सीएम ने किया उद्घाटन

एजेंसी। मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कोल्हापुर के प्रमुख सरकारी अस्पताल छत्रपति प्रमिलाराजे सर्वोपचार अस्पताल (सीपीआर) में विभिन्न रेनोवेशन और मॉडर्नाइजेशन कार्यों का उद्घाटन किया। इस दौरान कई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी गई। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सीपीआर अस्पताल की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित रखते हुए मरीजों को आधुनिक और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ये काम किए गए हैं। मेडिकल शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ की पहल पर अस्पताल के विभिन्न विकास कार्यों के लिए अब तक 600 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। कार्यक्रम की शुरुआत में हसन मुश्रीफ ने मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान सीपीआर अस्पताल के ऐतिहासिक सफर तथा रेनोवेशन और मॉडर्नाइजेशन कार्यों पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। राजर्षि शाहू महाराज और तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री स्वर्गीय दिग्विजय खानविलकर की प्रतिमाओं का पूजन भी किया गया। रेनोवेशन के तहत अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के आर्च, मॉड्यूलर बर्न विभाग, अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर, आधुनिक डायग्नोस्टिक और ट्रीटमेंट सुविधाओं का विकास किया गया है। मरीजों के परिजनों के लिए शेल्टर शेड सहित विभिन्न चिकित्सा विभागों को भी आधुनिक बनाया गया है। इसके अलावा अस्पताल की विभिन्न इमारतों की मरम्मत, सडक़ और परिसर का विकास, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, फर्नीचर, विभिन्न विभागों का निर्माण और आधुनिकीकरण, ट्रॉमा केयर सेंटर तथा अत्याधुनिक ऑपरेशन सुविधाओं से जुड़े काम किए गए हैं। इन सुविधाओं के शुरू होने से कोल्हापुर और पश्चिमी महाराष्ट्र के लोगों को अधिक बेहतर, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, स्वास्थ्य मंत्री एवं कोल्हापुर के पालकमंत्री प्रकाश आबितकर, मेडिकल शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल, सह-पालकमंत्री माधुरी मिसाल, राज्य योजना बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष विधायक राजेश क्षीरसागर, सांसद धनंजय महाडिक, सांसद शाहू महाराज छत्रपति, विधायक अमल महाडिक, चंद्रदीप नारके, राहुल आवाडे, अशोकराव माने सहित प्रशासन और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने छत्रपति ताराराणी पुलिस हाउसिंग कॉम्प्लेक्स का किया उद्घाटन

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कोल्हापुर में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए महाराष्ट्र राज्य पुलिस आवास कल्याण निगम द्वारा निर्मित छत्रपति ताराराणी पुलिस हाउसिंग कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि पुलिस मुख्यालय परिसर में बनाए गए इस आवासीय प्रोजेक्ट में 18 मंजिला दो इमारतें शामिल हैं। प्रत्येक इमारत में 102 फ्लैट हैं, यानी कुल 204 आवास बनाए गए हैं। इस परियोजना पर करीब 71 करोड़ 28 लाख रुपये खर्च हुए हैं और इसका कुल निर्माण क्षेत्र 24,101 वर्ग मीटर है। पुलिसकर्मियों के लिए बनाए गए इस परिसर में आधुनिक सुविधाओं का भी प्रावधान किया गया है। इमारत की छत पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की गई है। इसके अलावा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अग्निशमन प्रणाली जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, कोल्हापुर के पालकमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबितकर, मेडिकल शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल, कोल्हापुर क्षेत्र के विशेष पुलिस महानिरीक्षक रंजन कुमार शर्मा, जिला कलेक्टर डॉ. विजय राठौड़ और जिला पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

डीआरआई ने नागपुर स्टेशन पर 3.09 करोड़ का सोना जब्त किया, एक यात्री गिरफ्तार

मुंबई। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने नागपुर रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 3.09 करोड़ रुपये मूल्य का 2.165 किलोग्राम सोना जब्त किया है। इस मामले में एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की गहन छानबीन डीआरआई की टीम कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि उन्हें खुफिया जानकारी मिली थी कि भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते तस्करी कर भारत लाया गया सोना रेलवे नेटवर्क के जरिए दूसरी जगह पहुंचाया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर नागपुर में डीआरआई की टीम ने रेलवे स्टेशन पर निगरानी शुरु की। जांच के दौरान ही डीआरआई की टीम को पता चला कि तस्करी का सोना 12102 ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे एक यात्री के पास है। इसके बाद डीआरआई टीम ने नागपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही संदिग्ध यात्री को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान यात्री के पास से 2.165 किलोग्राम वजन की सोने की 16 छड़ें बरामद हुईं। बरामद सोने की अनुमानित कीमत करीब 3.09 करोड़ रुपये है। डीआरआई ने सोना जब्त कर यात्री को गिरफ्तार कर लिया है। अब जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि सोना भारत-बांग्लादेश सीमा से किस नेटवर्क के जरिए भारत लाया गया और इसे आगे कहां पहुंचाया जाना था।

मुंबई में होगा BRICS फ्रेंडशिप सिटीज कॉन्क्लेव 2026

अभिषेक पोद्दार

15 शहरों के प्रतिनिधि होंगे शामिल, शहरी विकास और भविष्य की चुनौतियों पर होगा मंथन

मुंबईः मुंबई में 11 और 12 अगस्त को दूसरा BRICS फ्रेंडशिप सिटीज कॉन्क्लेव 2026 आयोजित किया जाएगा। दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में BRICS देशों के शहरों के प्रतिनिधि, नीति-निर्माता, वरिष्ठ अधिकारी और शहरी विकास विशेषज्ञ एक मंच पर जुटेंगे। मुंबई के फोर सीजन्स होटल में 11 अगस्त को महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित अन्य गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।मुंबई फर्स्ट द्वारा महाराष्ट्र सरकार और भारत सरकार के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में करीब 15 शहरों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, ईरान और इंडोनेशिया के प्रतिनिधिमंडल इसमें शामिल होंगे।दो दिनों में छह सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें शहरी लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी। जलवायु परिवर्तन से निपटने, तटीय सुरक्षा, स्वच्छ हवा, किफायती आवास, कम-कार्बन परिवहन, शहरों को ठंडा रखने तथा शहरी प्रशासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के उपयोग पर भी विशेषज्ञ विचार साझा करेंगे। मुंबई फर्स्ट के अध्यक्ष नरेंद्र नायर ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य केवल संवाद तक सीमित रहना नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे, परिवहन, निवेश और नवाचार के क्षेत्र में ठोस साझेदारियां विकसित करना है।मुंबई फर्स्ट के उपाध्यक्ष अशांक देसाई ने कहा कि यह मंच BRICS शहरों के बीच अनुभवों और ज्ञान के आदान-प्रदान तथा दीर्घकालीन सहयोग को बढ़ावा देगा।आयोजकों के अनुसार, BRICS फ्रेंडशिप सिटीज कॉन्क्लेव को भविष्य में वार्षिक अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित करने की योजना है, जिससे विभिन्न देशों के शहर साझा शहरी चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान तलाश सकें और संस्थागत सहयोग को मजबूत किया जा सके।

महाराष्ट्र में 11 अगस्त से 2 रुपये प्रति लीटर दूध होगा महंगा

मुंबई। महाराष्ट्र में गाय और भैंस के दूध की कीमतों में 11 अगस्त से 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी होगी। यह फैसला डेयरी किसानों के हितों की रक्षा और उपभोक्ताओं पर पडऩे वाले असर को ध्यान में रखते हुए चर्चा के बाद लिया गया है। 'मिल्क प्रोड्यूसर्स एंड प्रोसेसर्स वेलफेयर एसोसिएशन' ने दूध की बिक्री कीमत बढ़ाने की घोषणा की है। एसोसिएशन के मुताबिक, दूध खरीद, पैकेजिंग और परिवहन समेत विभिन्न लागतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। एसोसिएशन ने बताया कि डीजल की कीमत में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है, जबकि पैकेजिंग लागत लगभग 30 प्रतिशत बढ़ गई है। इसके अलावा दूध की खरीद कीमत में भी इजाफा हुआ है। इन बढ़ती लागतों को देखते हुए दूध की बिक्री कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि का फैसला किया गया है। एसोसिएशन के अनुसार, डेयरी उत्पादों की कीमतों में भी 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। महाराष्ट्र में 11 अगस्त से दूध की कीमतों में होने वाली वृद्धि का सीधा असर उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर पड़ सकता है, वहीं डेयरी क्षेत्र का कहना है कि बढ़ती उत्पादन और संचालन लागत के बीच किसानों और डेयरी कारोबार की आर्थिक व्यवहार्यता बनाए रखना जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

तूफान में फंसी एयर इंडिया फ्लाइट के कैप्टन का डोप टेस्ट पॉजिटिव!

नई दिल्ली। फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में 4 अगस्त को हुए भीषण टर्बुलेंस के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली लैंडिंग के बाद किए गए साइकोएक्टिव सब्सटेंस (डोप) टेस्ट में कैप्टन की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। हालांकि, एयर इंडिया ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। एयरलाइन का कहना है कि पायलटों का टेस्ट नागरिक उड्डयन नियमों (डीजीसीए) के तहत एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा था और अभी इसकी फाइनल रिपोर्ट उनके साथ साझा नहीं की गई है। एयरबस ए 320 विमान में कुल 145 लोग सवार थे। ओडिशा के ऊपर उड़ान के दौरान अचानक तेज टर्बुलेंस की वजह से विमान महज कुछ ही सेकंड में करीब 300 फीट नीचे आ गया। इस झटके में यात्रियों और क्रू मेंबर्स को गंभीर चोटें आईं। दिल्ली पहुंचते ही 13 यात्रियों और 4 क्रू मेंबर्स को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) मामले की विस्तृत जांच कर रहा है। जांच में मुख्य रूप से इन पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है । क्या टर्बुलेंस के दौरान पायलटों ने निर्धारित सुरक्षा मानकों का सही पालन किया? घटना के बाद विमान को नजदीकी एयरपोर्ट (जैसे वाराणसी या लखनऊ) पर डायवर्ट करने के बजाय दिल्ली तक ले जाना कितना उचित था? झटके के कारण विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम या ढांचे को हुए संभावित नुकसान का आकलन। पायलट रोस्टर से बाहर, रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई जांच पूरी होने तक संबंधित पायलटों को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है।

महाकाल दर्शन कर गुजरात लौट रहे 6 युवकों की सड़क हादसे में मौत

धार। धार-उज्जैन फोरलेन पर ग्राम पंचकवासा के पास रविवार दोपहर करीब 1 बजे भीषण सड़क हादसे में गुजरात के वडोदरा से आए छह युवकों की मौत हो गई। सभी युवक उज्जैन में महाकाल मंदिर के दर्शन करने के बाद मारुति ईको वैन (जीजे 17 सीके 6134) से गुजरात लौट रहे थे। हादसे में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर लोहे के सामान से भरा ट्रॉला (जीजे 39 डीबी 9248) कथित तौर पर रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में उज्जैन की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही ईको वैन से उसकी आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार छह युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह, तहसीलदार सुरेश नागर और एसडीएम प्रियंका मिमरोद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों ने कार की खिड़की का कांच तोड़कर काफी मशक्कत के बाद मृतकों के शव और घायल युवक को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल युवक को एंबुलेंस से बदनावर सिविल अस्पताल भेजा गया। मृतकों के शव पंचनामा कार्रवाई के बाद अस्पताल के शवगृह में रखवाए गए हैं, जहां पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने मृतकों की पहचान कर गुजरात में उनके परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। फरार ट्रॉला चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण राज्य की विकास परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं : राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को रायगढ़ में कहा कि राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण राज्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं। साथ ही मुंबई-गोवा हाईवे में हो रही देरी और प्रस्तावित 'थर्ड मुंबई' परियोजना में पारदर्शिता न होने का भी आरोप सरकार पर लगाया है। मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे आज रायगढ़ के दौरे पर थे। मुंबई-गोवा हाइवे के निर्माण में हो रही देरी और सडक़ की खराब स्थिति का निरीक्षण करने के बाद राज ठाकरे ने कहा कि परियोजना में लगातार विलंब के पीछे स्थानीय राजनीतिक हस्तक्षेप एक प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि हाल में बनाए गए सडक़ के कुछ हिस्से भी घटिया निर्माण के कारण खराब होने लगे हैं। केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ हुई अपनी पिछली बातचीत का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा, "गडकरी जी ने एक बार मुझसे कहा था कि कॉन्ट्रैक्टर परेशान होकर भाग गए। लेकिन मेरा सवाल यह है कि उन कॉन्ट्रैक्टर को भागने के लिए किसने मजबूर किया?" ठाकरे ने आरोप लगाया कि राज्य में विकास के नाम पर जमीन के इस्तेमाल और अधिग्रहण को लेकर स्थानीय लोगों को पर्याप्त जानकारी नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का मौजूदा मॉडल शहर बसाने, सडक़ें खराब करने और जमीन बेचने तक सीमित होता जा रहा है। प्रस्तावित 'थर्ड मुंबई' विकास परियोजना को लेकर भी राज ठाकरे ने सरकार से पारदर्शिता की मांग की। इस परियोजना में डेटा हब के साथ शैक्षणिक, चिकित्सा और खेल सुविधाओं से जुड़े शहर विकसित किए जाने की चर्चा है। उन्होंने सवाल किया कि महाराष्ट्र के लोगों को आखिर इस परियोजना के बारे में कितनी जानकारी दी गई है।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि कारसेवा का शंखनाद, चित्रगुप्त पीठ में हवन-पूजन शुरू

एजेंसी। मथुरा

13 अखाड़ों के साधु-संतों की बैठक के बाद तय होगी आगे की रणनीति, पुलिस-प्रशासन ने बढ़ाई सुरक्षा

राधाकुंड क्षेत्र के जुल्हेंदी स्थित चित्रगुप्त पीठ में रविवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए प्रस्तावित कारसेवा को लेकर हवन-पूजन शुरू हो गया। हवन के बाद साधु-संतों की बैठक होगी और कारसेवा का शंखनाद किया जाएगा। कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस-प्रशासन अलर्ट है और चित्रगुप्त पीठ के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण के उद्देश्य से भरतपुर के बंसीपहाड़पुर से मंगाए गए गुलाबी पत्थरों की पहली खेप शुक्रवार देर रात मथुरा पहुंची थी। इन पत्थरों से अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण किया गया है। चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने इन पत्थरों को मंगवाया है। उन्होंने 9 अगस्त को आश्रम से विधिवत कारसेवा की घोषणा करने की बात कही थी। कार्यक्रम में 13 अखाड़ों के साधु-संतों के शामिल होने की बात कही गई है। स्वामी सच्चिदानंद के अनुसार, श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए करीब 5,000 मीट्रिक टन गुलाबी पत्थरों का ऑर्डर दिया गया है। उन्होंने 4 जुलाई को अयोध्या आंदोलन की तर्ज पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए कारसेवा का एलान किया था। इसके बाद 12 जुलाई को हरिद्वार स्थित वात्सल्य गंगा आश्रम में साध्वी ऋतंभरा से मुलाकात कर समर्थन मांगा था।रविवार के कार्यक्रम में शिला पूजन और कारसेवा के शंखनाद पर विशेष जोर है। इसके बाद साधु-संत बैठक कर आगे की रणनीति पर मंथन करेंगे। स्वामी सच्चिदानंद ने बताया कि पत्थरों की दूसरी खेप फिलहाल रोक दी गई है। वहीं, रविवार सुबह शुरू हुए हवन-पूजन के बीच शिला पूजन के लिए मंगाए गए पत्थरों के आश्रम में दिखाई नहीं देने की भी जानकारी सामने आई है। कारसेवा के ऐलान के बाद पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। स्वामी सच्चिदानंद के मुताबिक, साधु-संतों को पुलिस की ओर से नोटिस भी भेजे गए हैं। इनमें साध्वी ऋतंभरा, कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर समेत 12 संतों के नाम शामिल हैं।

दर्दनाक हेलीकॉप्टर हादसाः चार की मौत, सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो शहर में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मरने वालों में हेलीकॉप्टर का पायलट और तीन कोलंबियाई महिलाएं शामिल थीं, जो तिजुका नेशनल पार्क के ऊपर दर्शनीय उड़ान पर थीं। यह क्षेत्र घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा है और पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। मृतक महिलाएं एक ही परिवार की थीं, जो एक लड़की का 15वां जन्मदिन मनाने रियो डी जेनेरियो आए थे। इस हादसे में लड़की की दादी, मौसी और चचेरी बहन की मौत हो गई। परिवार दो समूहों में बंटकर यह उड़ान ले रहा था, क्योंकि हेलीकॉप्टर में एक बार में केवल तीन लोग ही बैठ सकते थे। यह दुर्घटना तिजुका नेशनल पार्क के भीतर चिनेजा नामक पर्यटन स्थल के पास हुई। इस घटना के बाद रियो डी जेनेरियो के मेयर एडुआर्डो कैवेलिएरी ने हेलीकॉप्टर उड़ानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में पर्यटकों के लिए हेलीकॉप्टर उड़ानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए इनकी निगरानी और सुरक्षा जांच को और अधिक कड़ा किया जाना चाहिए। मेयर ने नई सुरक्षा व्यवस्था लागू होने तक हेलीकॉप्टर पर्यटन उड़ानों को एक-दो हफ्ते के लिए अस्थायी रूप से रोकने का भी सुझाव दिया।

बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 15 चरमपंथी ढेर

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाकर 15 चरमपंथियों को मार गिराने का दावा किया है। सुरक्षा सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान के उर्दू टेलीविजन चैनल दुनिया न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ये अभियान बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग, बोलान, वाशुक, अवारान, सिबी, खुज़दार, हरनाई और नुश्की इलाकों में चलाए गए। सुरक्षा बलों ने इन अभियानों के दौरान बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद करने का दावा किया है। सुरक्षा सूत्रों का कहना है कि इन कार्रवाइयों से चरमपंथी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और बलूचिस्तान में उनकी गतिविधियों तथा आवाजाही पर असर पड़ा है। सुरक्षा बलों ने कहा है कि आतंकवाद के पूरी तरह खत्म होने तक 'ऑपरेशन रद-उल-फसाद-3' के तहत अभियान जारी रहेंगे। अधिकारियों के अनुसार, प्रांत में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और चरमपंथी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहने की संभावना है।

महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट पर ट्रेनिंग विमान रनवे से फिसलकर क्षतिग्रस्त, दोनों पायलट सुरक्षित

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट पर रविवार को एक ट्रेनिंग विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसलकर क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में विमान में सवार इंस्ट्रक्टर और ट्रेनी पायलट दोनों सुरक्षित हैं। इस घटना की गहन छानबीन जारी है। पुणे के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि कार्वर एविएशन का सेसना-172 विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया, जिससे वह विमान मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। विमान में सवार दोनों लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस और संबंधित एजेंसियां हादसे की जांच कर रही हैं और यह पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी। बारामती पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया निजी फ्लाइट ट्रेनिंग संस्थान कार्वर एविएशन का सेसना-172 ट्रेनिंग विमान रविवार दोपहर बारामती एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था। इसी दौरान विमान रनवे से फिसल गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विमान का एक हिस्सा पास के लाइट पोल से टकराया और इसके बाद विमान रनवे की सीमा से बाहर चला गया। हादसे के समय विमान में दो लोग सवार थे। दोनों पायलट सुरक्षित हैं और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और एयरपोर्ट प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच कार्य शुरु कर दिया है।

कृतज्ञ राष्ट्र ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' और 'काकोरी ट्रेन एक्शन' की वर्षगांठ पर अमर सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह समेत अन्य नेताओं ने रविवार को 'भारत छोड़ो आंदोलन' और 'काकोरी ट्रेन एक्शन' की वर्षगांठ पर राष्ट्रनायकों तथा अमर सेनानियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "ऐतिहासिक 'भारत छोड़ो आंदोलन' में भाग लेने वाले सभी लोगों को याद करते हुए, उनका साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा। महात्मा गांधी जी के नेतृत्व से प्रेरित होकर, 'भारत छोड़ो' के आह्वान ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा का संचार किया और औपनिवेशिक शासन से मुक्त होने के हमारे लोगों के अटूट संकल्प को दर्शाया। बिरला ने कहा कि महात्मा गांधी का "करो या मरो" का आह्वान उस दौर में करोड़ों भारतीयों के लिए साहस और संकल्प की आवाज बना। इस आंदोलन में असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों ने जेल यातनाएँ सहीं, संघर्ष किया और अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका संघर्ष केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए नहीं था, बल्कि एक ऐसे भारत के निर्माण के लिए था, जिसकी नींव सत्य, अहिंसा, लोकतंत्र, समानता और राष्ट्रभक्ति जैसे मूल्यों पर हो। स्वतंत्रता के अमृतकाल में उन महान सेनानियों का स्मरण हमें यह प्रेरणा देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए हम अपने लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक आदर्शों को निरंतर मजबूत करते रहें। शाह ने कहा कि इस आंदोलन ने देशवासियों को एकजुट कर अंग्रेजी शासन से मुक्ति के लिए 'करो या मरो' का संकल्प और अदम्य साहस प्रदान किया। अगस्त क्रांति का यह दिन हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए स्वदेशी को अपनाने, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण और 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की प्रेरणा देता है। वहीं 'काकोरी ट्रेन एक्शन' स्वतंत्रता संग्राम का वह अविस्मरणीय अध्याय है, जिसने अंग्रेजी हुकूमत के अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध सशस्त्र क्रांति को नई ऊर्जा दी।

जवाबदेही से नहीं भाग सकती सरकारः राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि अब उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा है। वर्षों की तैयारी, परिवार की जमीन बेचने और माता-पिता पर कर्ज के बावजूद रोजगार नहीं मिलना उस छात्र की नहीं बल्कि ऐसी व्यवस्था की हार है जो युवाओं की मेहनत का उचित मूल्य देने में विफल है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रविवार को कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि उसने सालों तक तैयारी की, परिवार की जमीन बेच दी और उसके माता-पिता पर कर्ज है लेकिन इसके बावजूद उसके हाथ में कुछ नहीं है। यह हार उस छात्र की नहीं है बल्कि उस व्यवस्था की है जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों पर कार्रवाई की घटना को 13 दिन हो चुके हैं लेकिन गृह मंत्री की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है।

नासिक में 4.3 तीव्रता के झटके, मकानों की दीवारों में दरारें

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार रात 4.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे कई इलाकों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह झटका रात 10 बजे आया, जिसके बाद रविवार सुबह 5 बजकर 33 मिनट पर 3.3 तीव्रता का एक और झटका महसूस हुआ। भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के पास भनवड इलाके में पांच किलोमीटर की गहराई पर था। इन झटकों के कारण नासिक शहर सहित सुरगाणा और दिंडोरी तहसीलों के कुछ गांवों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अधिकारियों ने किसी भी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं की है। नासिक जिला प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र के बांधों का भी निरीक्षण किया गया है, जिसमें कोई नुकसान नहीं सामने आया है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री ने दी सौगात

- 10 अत्याधुनिक रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों को दिखाई हरी झंडी
- दूर-दराज क्षेत्रों में स्वैच्छिक रक्तदान को मिलेगा प्रोत्साहन

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर, 9 अगस्त। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को 10 नवीन अत्याधुनिक रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह, सांसद मदन राठौड़ सहित मंत्रिपरिषद् के सदस्य, सांसद, विधायक और संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में कुल 286 ब्लड बैंक संचालित हैं, जिनमें 66 राजकीय ब्लड बैंक हैं। प्रदेश में प्रतिवर्ष करीब 9 लाख यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है और स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के माध्यम से लगभग 5 लाख यूनिट रक्त एकत्र किया जाता है। नवीन रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों के माध्यम से अब दूर-दराज के क्षेत्रों में भी सुविधाजनक रूप से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित हो सकेंगे तथा रक्त संग्रहण को बढ़ाया जा सकेगा।

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं रक्त संग्रहण वाहन : प्रदेश में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कुल 4 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से इन वाहनों को राज्य के 10 राजकीय ब्लड बैंकों को आवंटित किया गया है। इन वाहनों में 3 डोनर काउच, 2 ब्लड कलेक्शन मॉनिटर, ट्यूब सीलर, 200 यूनिट क्षमता वाला रेफ्रिजरेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर, डिजिटल थर्मामीटर तथा रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए एलईडी टीवी एवं पब्लिक एड्रेसिंग सिस्टम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

डबवाली पुलिस का बुल्डोजर एक्शन, नशा तस्कर को भारी पड़ा नशे का कारोबार

अमित मेहता चीफ ब्यूरो सिरसा हरियाणा

डबवाली, पुलिस अधीक्षक जसलीन कौर के दिशा निर्देशानुसार नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ डबवाली पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान को अब केवल नशे की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि नशा तस्करी से जुड़े अपराधियों द्वारा बनाई गई सम्पत्तियों पर भी सख्त कार्रवाई की जा रही है । इसी कड़ी में आज गांव दादू में नशा तस्कर अमरजीत सिंह के अवैध कब्जा करके बनाए गए मकान पर बुल्डोजर कार्रवाई कर उसे ढहाया गया पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्रवाई से नशा तस्कर के करीब 12 लाख रूपये अनुमानित कीमत के मकान को ध्वस्त किया गया । कार्रवाई के दौरान थाना कालांवाली प्रभारी निरीक्षक देवीलाल के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात रहा, ताकि कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं कानून व्यवस्था के अनुरूप संपन्न करवाई जा सके। आरोपी अमरजीत सिंह के आपराधिक रिकार्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ नशा तस्करी से संबंधित कई मामले पहले से दर्ज हैं । उसके खिलाफ थाना कालांवाली में 05 अभियोग तथा थाना रोड़ी में 01 अभियोग, मध्यम मात्रा के मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित दर्ज हैं। मुताबिक रिकॉर्ड आरोपी अमरजीत सिंह साल 2011 से नशा तस्करी में सलिप्त है, आज गांव दादु के ग्रामीणों ने नशा तस्कर की 15 साल से की गई कमाई को ध्वस्त होते देखा डबवाली पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि नशे का कारोबार करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के तहत हर स्तर पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से डबवाली पुलिस ने नशा तस्करों को कड़ा संदेश दिया है कि नशे का कारोबार करके बनाई गई सम्पत्तियों को किसी भी सूरत में बर्दाशत नही किया जाएगा । डबवाली पुलिस का उद्देश्य नशे के नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार करने के साथ-साथ ऐसे तत्वों के हौसले को तोड़ना भी है, जो नशे के कारोबार के माध्यम से समाज और युवा पीढ़ी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। डबवाली पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि क्षेत्र में नशे की बिक्री, तस्करी अथवा नशा तस्करों से संबंधित किसी भी गतिविधि की जानकारी मानस पोर्टल हेल्पलाइन 1933, डबवाली पुलिस के मो. न. 9138999748, या अपने नजदीकी थाना अथवा चौकी में दें । नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस और आमजन की साझी भागीदारी ही नशा मुक्त समाज की मजबूत नींव है।

बठिंडा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को गुमराह कर सामान उड़ाने वाला गिरोह पकड़ा, 28 लोग गिरफ्तार

अमित मेहता चीफ ब्यूरो सिरसा हरियाणा

बठिंडा। थाना कोतवाली पुलिस ने रेलवे स्टेशन क्षेत्र में यात्रियों को निशाना बनाने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में महिलाओं सहित 28 लोगों को काबू किया गया है।थाना कोतवाली के मुख्य अफसर इंस्पेक्टर यादविंदर सिंह ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई श्रीमती ज्योति यादव आई पी एस सीनियर कप्तान पुलिस बठिंडा, श्री नरिंदर सिंह पी पी एस कप्तान सिटी पुलिस बठिंडा और श्री अमृतपाल सिंह भाटी पी पी एस उप-कप्तान पुलिस सिटी-01 बठिंडा के दिशा-निर्देशों पर की गई।बताया गया कि इंस्पेक्टर यादविंदर सिंह अपनी टीम के साथ रेलवे स्टेशन बठिंडा के पास गश्त व चैकिंग और शकी व्यक्तियों की तलाश में मौजूद थे। इसी दौरान सूचना मिली कि कुछ अज्ञात औरतें व लड़के रेलवे स्टेशन पर भोले-भाले यात्रियों को गुमराह कर उनका सामान चोरी कर ले जाते हैं। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर 28 लोगों को काबू किया। आरोपियों के खिलाफ थाना कोतवाली में मुकदमा नंबर 162 दिनांक 08-08-2026 धारा 304(2), 111, 190, 191(3) BNS के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि ये लोग भीड़ का फायदा उठाकर या बातों में उलझाकर यात्रियों का सामान चोरी करते थे।

गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं - गुरजीत कौर उर्फ रजनी, रजनी उर्फ रूबी, नीतू, सुखप्रीत कौर उर्फ सुखी, मनप्रीत कौर उर्फ राजू, मनीषा, पूनम रानी उर्फ खुशी, गुरबख्श सिंह, जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सू, विजय कुमार सहित कुल 28 लोग। इनमें ज्यादातर परसराम नगर, सुरखपीर रोड, बस्ती 01, बाबा फरीद नगर और रेलवे स्टेशन के आसपास के रहने वाले हैं। पुलिस सभी आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है।

भारत-तिब्बत सहयोग मंच की कोटा जिला बैठक संपन्न

कोटा में कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प अभियान पूरे माह चलेगा

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

कोटा, 9 अगस्त। भारत-तिब्बत सहयोग मंच, कोटा जिला की बैठक तिलक हायर सेकेंडरी स्कूल, महावीर नगर विस्तार योजना में मुख्य अतिथि एवं प्रांतीय अध्यक्ष अरविंद कौशल तथा जिला अध्यक्ष कुंजबिहारी गौतम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मंचस्थ प्रांतीय महामंत्री अरविंद सिसोदिया, प्रांतीय बौद्धिक प्रमुख जटाशंकर शर्मा, प्रांतीय महिला प्रमुख राजेश शर्मा एवं प्रांतीय कोषाध्यक्ष छुट्टनलाल शर्मा ने संबोधित किया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री लोकेश गौतम ने किया। बैठक में भारत-तिब्बत सहयोग मंच द्वारा श्रावण मास में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों, कैलाश मानसरोवर मुक्ति हेतु श्रावण संकल्प अभियान, कैलाश मानसरोवर मुक्ति यात्राओं के आयोजन सहित नवंबर माह में अरुणाचल प्रदेश की तिब्बत सीमा तक जाने वाली तवांग यात्रा के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। प्रांतीय अध्यक्ष अरविंद कौशल ने कहा, "तिब्बत की चीन से आजादी भले ही आज असंभव लगती हो, किंतु आने वाले कालखंड में ऐसी परिस्थितियों का निर्माण होगा कि तिब्बत आजाद होकर रहेगा। इसी तरह भगवान शंकर का निवास स्थान कैलाश मानसरोवर भी चीन से मुक्त होकर हमें मिलेगा।" प्रांतीय महामंत्री अरविंद सिसोदिया ने कहा, "मंच द्वारा प्रतिवर्ष नवंबर माह में गोहाटी से अरुणाचल प्रदेश-तिब्बत सीमा स्थित बौद्ध मठ तवांग तक " तवांग यात्रा " आयोजित की जाती है। यह यात्रा राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण है, जो अरुणाचल प्रदेश से चीन को संदेश देती है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है।" प्रांतीय बौद्धिक प्रमुख जटाशंकर शर्मा ने मंच की सांस्कृतिक एवं अंतरराष्ट्रीय कार्ययोजना पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि हमें अपनी संस्कृति धरोहरों से नई पीढ़ियों को अवश्य परिचित करवाना चाहिए। जिला अध्यक्ष कुंजबिहारी गौतम ने मंच की जिला कार्यकारिणी का परिचय करवाया तथा श्रावण संकल्प अभियान एवं कैलाश मानसरोवर मुक्ति अभियानों को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश जाने वाली तवांग यात्रा का पंजीयन प्रारंभ हो चुका है। जो भी व्यक्ति राष्ट्रभक्ति को समर्पित इस यात्रा में शामिल होना चाहते हैं, वे शीघ्र अपना पंजीयन करवाएं। बैठक में उपाध्यक्ष डॉ. आर.सी. गौतम, पंकज वात्स्य, महामंत्री नवल महावर एवं लोकेश गौतम, जिला मंत्री राजेंद्र शर्मा, ताराचंद गुप्ता, आशा भार्गव एवं हरिओम गौतम, प्रचार प्रमुख मनोज राजानी एवं अजय शर्मा, सोशल मीडिया प्रमुख गिरिराज गौतम एवं अरविंद जौहरी, कोषाध्यक्ष प्रकाश गुप्ता, प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ संयोजक आर.के. शर्मा, प्रकृति संरक्षण प्रकोष्ठ संयोजक मुकेश पोटर, कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र सिंह सोलंकी, मोहनलाल सेन, रवि शर्मा, नीता मकवाना, कमल दाधीच, नवनीत खंडेलवाल, मोहनलाल शर्मा, अंजु शर्मा, महेश गौतम, टीकम पंचोली एवं पुरुषोत्तम दाधीच सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरियाणा के बिजली क्षेत्र में निजीकरण, एग्री-डिस्कॉम और स्मार्ट मीटर जैसी जनविरोधी नीतियों पर तुरंत रोक लगाए सरकारः रणदीप सिंह मट्टदादू

अमित मेहता चीफ ब्यूरो सिरसा हरियाणा

डबवाली/ सिरसाः सरपंच प्रतिनिधि रणदीप सिंह मट्टदादू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए जानकारी दी कि बिजली विभाग के निजीकरण, एग्री-डिस्कॉम (Agri-DISCOM) प्रणाली, समानांतर लाइसेंस (Parallel Licensing) और प्री-पेड स्मार्ट मीटर लागू करने की नीति पूरी तरह जनविरोधी है यह नीति किसान-विरोधी और कर्मचारी-विरोधी है। सरपंच गगनरणदीप सिंह ने इस संबंध में हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र भेजकर इन फैसलों पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है। प्रेस को जारी बयान में रणदीप सिंह मट्टदादू ने बताया कि बिजली एक मूलभूत जन-सुविधा है। इसे निजी हाथों में सौंपने या समानांतर लाइसेंसिंग प्रणाली लागू करने से निजी कंपनियों का ध्यान सिर्फ मुनाफाखोरी पर रहेगा, जिससे बिजली की दरें अप्रत्याशित रूप से बढ़ेंगी और इसका सीधा असर गरीब, मजदूर व मध्यम वर्ग की जेब पर पड़ेगा।

मुख्य चिंताएं एवं मांगें: किसानों पर संकट (एग्री-डिस्कॉम): कृषि क्षेत्र के लिए अलग एग्री-डिस्कॉम बनाने से भविष्य में किसानों को मिलने वाली बिजली सब्सिडी पर खतरा मंडरा रहा है, जिससे खेती की लागत और बढ़ेगी। स्मार्ट मीटरों के नाम पर आम उपभोक्ताओं का शोषण हो रहा है। बैलेंस खत्म होते ही ऑटोमैटिक बिजली कटने और तकनीकी खामियों के कारण ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में भारी असंतोष है। बिजली कर्मचारी यूनियनों और किसान संगठनों द्वारा 11 से 13 अगस्त तक बुलाई गई 3 दिवसीय प्रदेशव्यापी हड़ताल और आंदोलन का पूर्ण समर्थन करते हुए रणदीप सिंह मट्टदादू ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते ये फैसले वापस नहीं लिए, तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है। "सरकार का काम जनता को राहत देना है, न कि निजी घरानों को फायदा पहुंचाना। बिजली विभाग का निजीकरण और स्मार्ट मीटर योजनाएं जनता और किसानों के हितों पर सीधा हमला हैं। हम मुख्यमंत्री जी से अपील करते हैं कि प्रदेश में शांति और निर्बाध बिजली व्यवस्था बनाए रखने के लिए इन फैसलों को तुरंत निरस्त किया जाए।"

सीआईए स्टाफ डबवाली का अवैध शराब तस्करों व खुर्दा संचालकों पर कड़ा शिकंजा

गांव चोरमार खेड़ा से 50 लीटर लाहन सहित आरोपी को किया काबू

अमित मेहता चीफ ब्यूरो सिरसा हरियाणा

डबवाली पुलिस अधीक्षक डबवाली जसलीन कौर आईपीएस के कुशल नेतृत्व व निर्देशन में डबवाली पुलिस द्वारा अवैध शराब तस्करों व खुर्दा संचालकों के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत लगातार अवैध गतिविधियों में पाए जाने वाले व्यक्तियों पर शिकंजा कसा जा रहा है । जिसके तहत कड़ी कार्यवाही करते हुए सीआईए स्टाफ डबवाली ने एक व्यक्ति को 50 लीटर लाहन शराब सहित काबू करने में सफलता हासिल की है इस मामले के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए स्टाफ डबवाली प्रभारी उप नि. शैलेन्द्र कुमार की टीम ने गांव चोरमार खेड़ा में गुप्त सूचना के आधार पर एक मकान पर दबिश देकर अवैध शराब के लिए लाहन तैयार कर रहे व्यक्ति को काबू किया । जिसके कब्जे से 50 लीटर लाहन बरामद हुआ । जो लाहन को कब्जा पुलिस में लेकर उक्त आरोपी प्रदीप के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत थाना औढ़ा में अभियोग दर्ज कर कार्रवाई की गई है । आरोपी को आज माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।

15 दिन से मौत के मुंह में फंसा था खतरनाक वाइपर, भगत सिंह रेस्क्यू टीम ने बचाई जान

ब्यूरो चीफः अमित मेहता, सिरसा

अनूपगढ़ मे इंसानियत और जीव-प्रेम की एक मिसाल श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ से सामने आई है। यहां 15 दिनों से फंसे एक बेहद खतरनाक और जहरीले सांप का भगत सिंह रेस्क्यू टीम ने साहसिक रेस्क्यू कर उसकी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, अनूपगढ़ क्षेत्र में एक सॉ-स्केल्ड वाइपर प्रजाति का सांप पिछले 15 दिनों से फंसा हुआ था। यह सांप भारत के चार सबसे विषैले सांपों में से एक माना जाता है। इसका जहर इतना खतरनाक होता है कि समय पर इलाज न मिले तो इंसान की जान भी जा सकती है। ऐसे में इसका रेस्क्यू करना किसी खतरे से खाली नहीं था।सूचना मिलते ही भगत सिंह रेस्क्यू टीम श्रीगंगानगर मौके पर पहुंची। टीम की ट्रस्टी किरण वर्मा ने तमाम खतरों को दरकिनार करते हुए बेहद सावधानी और हिम्मत के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू के दौरान सांप काफी आक्रामक था और उसे पकड़ना बेहद चुनौतीपूर्ण हो रहा था। लेकिन किरण वर्मा ने अपनी जान की परवाह किए बिना अदम्य साहस का परिचय दिया और आखिरकार 15 दिन से फंसे इस जहरीले सांप को सुरक्षित रेस्क्यू करने में सफलता हासिल की। बाद में सांप को सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया।भगत सिंह रेस्क्यू टीम के इस जज्बे, टीम वर्क और वन्यजीवों के प्रति सेवा भावना की चारों तरफ सराहना हो रही है। टीम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि खतरा चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, अगर हिम्मत और सावधानी हो तो किसी भी बेजुबान की जिंदगी बचाई जा सकती है।

नशा तस्करों पर डबवाली पुलिस का कड़ा प्रहार जारी

अमित मेहता चीफ ब्यूरो सिरसा हरियाणा

डबवाली, 08 अगस्त । पुलिस अधीक्षक डबवाली जसलीन कौर, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में जिले में नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 07-08 अगस्त 2026 को एएनसी डबवाली, सीआईए कालांवाली, चौकी चौटाला व चौकी सिंहपुरा की पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए विभिन्न मामलों में फरार चल रहे मुख्य तस्करों सहित 06 आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है । साथ ही 16.400 ग्राम हेरोइन व 01 किलो 770 ग्राम डोडा चूरा पोस्त भी बरामद किया गया है । पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि एएनसी स्टाफ डबवाली प्रभारी नि. विशव गौरव के नेतृत्व में उनकी टीम ने गश्त पड़ताल के दौरान रामबाग फाटक मंडी डबवाली के नजदीक एक व्यक्ति को कट्टा प्लास्टिक सहित काबू किया । कोई नशीला पदार्थ होने के संदेह के आधार पर कट्टा प्लास्टिक की नियमानुसार तलाशी ली गई तो तलाशी के दौरान उसमें से 01 किलो 770 ग्राम डोडा चूरा पोस्त बरामद हुआ । बरामद चूरा पोस्त को कब्जा पुलिस में लेकर उक्त शख्स आरोपी गुरमेल सिंह के विरुद्ध थाना शहर डबवाली में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है । इसी दौरान एएनसी टीम ने डोडा पोस्त तस्करी के मामले में फरार चल रहे मुख्य तस्कर आरोपी को भी काबू किया है । जिस संबंध में दिनांक 06 अगस्त 2026 को उनकी टीम ने गांव फूल्लो से आरोपी तरसेम सिंह को 05 किलो 055 ग्राम डोडा चूरा पोस्त सहित काबू किया था । जिस संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना सदर डबवाली में अभियोग दर्ज कर इस मामले से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश शुरू की गई ।

जो उनकी टीम ने तत्परता के साथ कार्रवाई करते हुए उक्त डोडा पोस्त सप्लाई करने वाले मुख्य तस्कर आरोपी नवदीप सिंह को काबू कर लिया है । इसी क्रम में सीआईए स्टाफ कालांवाली प्रभारी पीएसआई सतपाल सिंह की टीम ने गश्त पड़ताल के दौरान डबवाली रोड़ गांव कालांवाली से एक व्यक्ति को संदेह के आधार पर काबू किया । जो उक्त शख्स की कोई नशीला पदार्थ होने के शक पर नियमानुसार तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 10 ग्राम 350 ग्राम हेरोइन बरामद हुई । जिस संबंध में उक्त शख्स आरोपी सर्वजीत सिंह के खिलाफ थाना कालांवाली में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई । जो मामले की गहन जांच के दौरान आरोपी सर्वजीत सिंह से की गई प्रारंभिक पूछताछ में उक्त हेरोइन सप्लाई करने वाले मुख्य तस्कर आरोपी जसकरण सिंह का नाम उजागर हुआ । जो सीआईए कालांवाली टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी शुरू की और आरोपी को काबू कर लिया । इसी तरह चौकी सिंहपुरा प्रभारी एएसआई सत्यदेव सिंह के नेतृत्व में उनकी टीम ने गश्त पड़ताल के दौरान गांव सिंहपुरा से एक व्यक्ति को शक के आधार पर काबू किया । जो काबू किए गए शख्स की नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 06.05 ग्राम हेरोइन बरामद हुई । जो बरामद हेरोइन को कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी गुरजीवन सिंह के खिलाफ थाना कालांवाली में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है । इसी दौरान चौकी चौटाला प्रभारी उप नि. कृष्ण कुमार की टीम ने प्रतिबंधित गोलियों की तस्करी मामले में फरार चल रहे मुख्य तस्कर आरोपी सतवीर सिंह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है । आरोपी थाना सदर डबवाली में दर्ज प्रतिबंधित नशीली गोलियों की तस्करी के मामले में फरार चल रहा था । जिस संबंध में दिनांक 27.07.2026 को चौकी चौटाला पुलिस टीम ने आरोपी दीपक को गांव चौटाला से 20 गोलियां प्रतिबंधित ट्रामाडोल व 40 बिना नाम पता की गोलियां व 30 कैप्सूल सहित काबू किया था ।

सिरसा मे रोडवेज वर्कशॉप से कंडम बस की बैटरी चोरी का मामला सुलझा, आरोपी गिरफ्तार

अमित मेहता चीफ ब्यूरो सिरसा हरियाणा

सिरसा। हरियाणा रोडवेज की वर्कशॉप से कंडम बस से बैटरी चोरी करने के मामले को सिविल लाइन थाना पुलिस ने सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा बैटरी भी बरामद कर ली है। आरोपी की पहचान राजकुमार पुत्र रंगा सिंह, निवासी रेलवे कॉलोनी, वार्ड नंबर 6, सिरसा के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार हरियाणा रोडवेज विभाग के कर्मचारी की शिकायत के आधार पर सिविल लाइन थाना में चोरी का मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि रोडवेज वर्कशॉप परिसर में खड़ी कंडम बस से बैटरी चोरी हो गई। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू करते हुए आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ-साथ संदिग्ध लोगों से पूछताछ की।जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे, जिसके आधार पर आरोपी राजकुमार को काबू कर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा बैटरी बरामद कर ली। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की एक अन्य वारदात का भी खुलासा किया है, जिसके संबंध में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी है तथा चोरी की वारदातों में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

धूत ट्रांसमिशन का 1,400 करोड़ का आईपीओ 10 अगस्त को खुलेगा

829 से 871 प्रति शेयर तय हुआ प्राइस बैंड; 12 अगस्त तक कर सकेंगे निवेशक बोली

तरुणमित्र
नम्रता गोसावी

मुंबई, ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट क्षेत्र की कंपनी धूत ट्रांसमिशन लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार, 10 अगस्त 2026 को खुलेगा और बुधवार, 12 अगस्त 2026 को बंद होगा। कंपनी ने 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए 829 से 871 का प्राइस बैंड तय किया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली 7 अगस्त को खोली गई।

कंपनी के आईपीओ में 1,400 करोड़ तक के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम** तथा मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 1,91,37,602 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री पेशकश (OFS) शामिल है। ओएफएस के तहत बीसी एशिया इन्वेस्टमेंट्स XV लिमिटेड 1,60,18,769 शेयर तक और मंगलम कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड 31,18,833 शेयर तक बेचेंगे।

निवेशक न्यूनतम 17 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे और इसके बाद 17 शेयरों के गुणकों में आवेदन किया जा सकेगा। ऊपरी मूल्य बैंड पर एक लॉट के लिए निवेश राशि 14,807 होगी। कंपनी के अनुसार, पात्र कर्मचारियों को कर्मचारी आरक्षण हिस्से में प्रति शेयर 80 की छूट दी जाएगी।वित्त वर्ष 2026 के पतला ईपीएस के आधार पर कंपनी का मूल्य-आय अनुपात (पी/ई) प्राइस बैंड के निचले स्तर पर 33.98 गुना और ऊपरी स्तर पर 35.70 गुना है, जबकि तुलनीय कंपनियों के समूह का औसत पी/ई 55.31 गुना बताया गया है। पिछले तीन वित्त वर्षों के लिए कंपनी का निवल मूल्य पर भारित औसत रिटर्न 27.06 प्रतिशत रहा है।

आईपीओ में सेबी के नियमों के अनुसार योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए शुद्ध ऑफर का अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध होगा। वहीं, कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा गैर-संस्थागत निवेशकों और कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईबी) के लिए उपलब्ध रहेगा। क्यूआईबी हिस्से में म्यूचुअल फंडों के लिए भी निर्धारित आवंटन प्रावधान रखा गया है।एंकर निवेशकों को क्यूआईबी हिस्से का अधिकतम 60 प्रतिशत तक हिस्सा आवंटित किया जा सकता है। एंकर हिस्से में घरेलू म्यूचुअल फंडों तथा जीवन बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों के लिए निर्धारित आरक्षण भी लागू होगा।आईपीओ में एंकर निवेशकों को छोड़कर सभी निवेशकों के लिए एएसबीए प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन करना अनिवार्य होगा। यूपीआई निवेशकों को अपनी यूपीआई आईडी के माध्यम से आवेदन करना होगा, जिसके तहत बोली राशि संबंधित खाते में ब्लॉक की जाएगी।

कंपनी के इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है और इस इश्यू के लिए एनएसई को डेजिग्नेटेड स्टॉक एक्सचेंज बनाया गया है।

आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर्स में ऐक्सिस कैपिटल, जेफरीज इंडिया, कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी, नोमुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज (इंडिया), एसबीआई कैपिटल मार्केट्स और 360 वन वैम शामिल हैं।धूत ट्रांसमिशन का यह आईपीओ निवेशकों के लिए ऑटोमोटिव एवं इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट क्षेत्र की कंपनी में निवेश का अवसर उपलब्ध कराता है। हालांकि, निवेशकों को अंतिम निर्णय लेने से पहले कंपनी के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस, वित्तीय स्थिति, जोखिम कारकों और आईपीओ से संबंधित अन्य आधिकारिक विवरणों का अध्ययन करना चाहिए।

1 लाख से अधिक गैर मराठी चालकों ने पूरा किया प्रशिक्षण

- 17 अगस्त को ठाणे में 'मराठी शिक्षण अभियान' का समापन
- नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कानून के अनुसार होगी कार्रवाई - परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

तरुणमित्र, ब्यूरो

ठाणे : महाराष्ट्र में काम करने वाले गैर-मराठी व्यावसायिक वाहन चालकों को मराठी भाषा से जोड़ने के लिए 1 मई से शुरू किए गए 'हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे मराठी शिक्षण अभियान' का समापन 17 अगस्त को ठाणे के राम गणेश गडकरी रंगायतन में होगा। अभियान के तहत अब तक 1 लाख से अधिक गैर-मराठी ऑटो और टैक्सी चालकों ने व्यावहारिक मराठी का प्रशिक्षण पूरा किया है। समापन समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत उपस्थित रहेंगे। प्रशिक्षण पूरा करने वाले हजारों चालकों को इस अवसर पर प्रमाणपत्र वितरित किए जाएंगे। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि महाराष्ट्र में व्यवसाय और रोजगार करना है तो मराठी का प्राथमिक ज्ञान होना जरूरी है। उन्होंने कहा, "यह किसी पर थोपी जाने वाली भाषा नहीं, बल्कि अपनत्व की भाषा है। यात्रियों से मराठी में दो शब्द प्रेम से बोलने वाला चालक महाराष्ट्र की संस्कृति का सम्मान करने वाला दूत है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान में मिला प्रमाणपत्र केवल प्रशिक्षण में सहभागिता का प्रमाण है। आरटीओ अधिकारी चालकों से मराठी में संवाद करेंगे और चालक मराठी में जवाब दे पाता है या नहीं, इसके आधार पर नियमों का पालन जांचा जाएगा। केवल प्रमाणपत्र दिखाने से कार्रवाई से छूट नहीं मिलेगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कानून के दायरे में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सरनाईक ने मराठी यात्रियों से भी अपील की कि सामने वाला चालक हिंदी भाषी है, ऐसा मानकर हिंदी में बातचीत न करें। मराठी भाषी नागरिक मराठी में ही संवाद करेंगे तो सार्वजनिक जीवन में मराठी का इस्तेमाल और मजबूत होगा। राज्य सरकार के मराठी भाषा विभाग, मुंबई मराठी साहित्य संघ, राज्य मराठी विकास संस्था और कोकण मराठी साहित्य परिषद के संयुक्त सहयोग से चलाए गए इस अभियान को राज्यभर से सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। शेष गैर-मराठी चालकों से 15 अगस्त से पहले व्यावहारिक मराठी का प्रशिक्षण पूरा करने की अपील की गई है।

भारतीय व्यापार महोत्सव - 2026 के लिए महाराष्ट्र के मंत्री भोयर को दिया गया विशेष आमंत्रण

तरुणमित्र, ब्यूरो

मुंबई। कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर एवं प्रतिनिधिमंडल ने कैट एवं आईटीपीओ द्वारा संयुक्त तौर पर दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक आयोजित किए गए भारतीय व्यापार महोत्सव- 2026(BVM) में महाराष्ट्र सरकार के गृह (ग्रामीण), शालेय शिक्षण, सहकार, गृह निर्माण और खनिकर्म (खनन) विभागों के राज्यमंत्री एवं वर्धा और भंडारा जिलों के पालक (संरक्षक) मंत्री डॉ. पंकज भोयर को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। महोत्सव का उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा किया जाएगा।

पंकज भोयर जी ने कार्यक्रम के सफल एवं भव्य आयोजन के लिए शुभकामनाएं एवं मंगल कामनाएं प्रेषित की। शंकर ठक्कर ने बताया कि स्वदेशी व्यापार, उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यापार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें न सिर्फ देश भर से बल्कि दुनिया भर के 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडल की विशेष भागीदारी रहेगी।

असिस्टेंट प्रोफेसर को दहेज के लिए किया प्रताड़ित

- बेटी के जन्म पर ताने और तलाक का दबाव; पति समेत ससुराल वालों पर मामला दर्ज

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। खांदेश्वर पुलिस स्टेशन में असिस्टेंट प्रोफेसर महिला ने अपने पति, सास और अन्य ससुराल वालों के खिलाफ शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न की गंभीर शिकायत दर्ज कराई है. पीड़िता का आरोप है कि उसकी शादी के बाद से ही ससुराल वाले छोटी-छोटी घरेलू बातों पर विवाद करते थे और गाली-गलौज करते थे. हालांकि उनकी बेटी पैदा होने के बाद प्रताड़ना और बढ़ गई, उसे ससुराल के घर में घुसने नहीं दिया गया और ज़बरदस्ती तलाक लेने के लिए दबाव डाला गया. पीड़िता की शिकायत पर खांदेश्वर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पालघर नगर पथ विक्रेता समिति में निर्विरोध चुने गये जुबेर शेख, निमा खुर्दे

अल्पसंख्यक व अनुसूचित जाति (महिला रिजर्व) में मिली सदस्यता।

तरुणमित्र-ओमप्रकाश द्विवेदी

पालघर। यहां नगर परिषद क्षेत्र में नगर पथ विक्रेता समिति सदस्य निर्वाचन २०२६ के लिए अल्पसंख्यक और अनुसूचित जाति (महिला रिजर्व) कोटे में सदस्य के रुप में जुबेर मोहम्मद युसूफ शेख और निमा रमेश खुर्दे का निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। इस चुनाव से उम्मीद जगी है कि पालघर शहर में स्ट्रीट वेंडर्स के अलग-अलग मुद्दों को कमेटी के जरिए जरुर असरदार प्लेटफार्म मिलेगा। पालघर नगर परिषद के निर्वाचन अधिकारी व सीईओ डॉ प्रशांत जाधव द्वारा जारी किये गये अधिकारिक चुनाव प्रमाणपत्र के मुताबिक २७ जुलाई,२०२६ को अल्पसंख्यक कोटे से जुबेर मोहम्मद युसूफ शेख और निमा रमेश खुर्दे को अनुसूचित जाति (महिला रिजर्व) कोटे से नगर पथ विक्रेता समिति का सदस्य बिना किसी विरोध के चुना गया है। उनके चुनाव को शहर के लोगों और स्ट्रीट वेंडर्स ने स्वागत योग्य कदम बताया है। बता दें कि शहर में हॉकर्स,ठेले वालों और दुसरे पथ विक्रेताओं की व्यापार से जुड़ी समस्याओं को हल करने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और सुविधाओं के साथ अलग-अलग सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सिटी स्ट्रीट वेंडर्स कमेटी की अहम भूमिका होती है। ऐसे में जुबेर शेख और निमा खुर्दे का निर्विरोध चुने जाने से उम्मीद है कि उनके समस्याओं को प्रशासन के समक्ष प्रभावी तरीके से रखकर न्याय दिलायेंगे। निर्वाचित सदस्यों ने भी लोगों को पक्का भरोसा दिलाया है। निर्विरोध निर्वाचित सदस्यों को तमाम सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और संस्थाओं ने शुभकामना और बधाई भेंट दी है।

विश्व आदिवासी दिवस पर भिवंडी में उमड़ा जनसैलाब, भव्य रैली से गूंजा शहर; तारपा नृत्य ने बांधा समां

तरुणमित्र / अनिल वर्मा

भिवंडी : भिवंडी में विश्व आदिवासी दिवस और क्रांति दिवस के अवसर पर भिवंडी में आज भव्य रैली सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जनकल्याण आदिवासी सामाजिक संस्था के अध्यक्ष महादेव घाटाल के नेतृत्व में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। पारंपरिक वेशभूषा, तारपा नृत्य और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज से भिवंडी शहर आदिवासी संस्कृति के रंग में रंगा नजर आया। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों, सरकारी सेवा में कार्यरत अधिकारियों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले आदिवासी समाज के लोगों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्रांतिवीर भगवान बिरसा मुंडा, राघोजी भांगरे, तंट्या भील, नाग्या कातकरी, रानी दुर्गावती, रानी पद्मावती, रानी झलकारी, स्वराज्यरक्षक छत्रपति शिवाजी महाराज, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं का पूजन एवं अभिवादन कर की गई। इसके बाद विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भव्य रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, आदिवासी महिलाएं और पुरुष शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा में शामिल आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपरा का प्रदर्शन किया। वहीं तारपा नृत्य और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति ने रैली में उत्साह का माहौल बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। ऑल इंडिया CGL परीक्षा उत्तीर्ण कर आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक के पद पर चयनित कुमार अनुज अनिल कामडी, बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण जागृति मनेश घाटाळ, ग्राम राजस्व अधिकारी शीतल एकनाथ सांबरे, कृषि सहायक अधिकारी मेघा पांडुरंग मढवी और MBBS डॉक्टर डॉ. प्रियांका दत्तात्रेय पवार को सम्मानित किया गया। इसके अलावा महाराष्ट्र पुलिस उपनिरीक्षक अशोक गणू वाघचौरे, गोपाल सखाराम शिंदे, बालाराम महादू तांबडे, गजानन हरी राऊत और पांडुरंग वामन मढवी को 'आदिवासी समाजभूषण' सम्मानपत्र देकर गौरवान्वित किया गया। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाले सुभाष झळके और सुनील झळके का भी सम्मान किया गया। वहीं शासकीय आश्रमशाला भिनार को 'सर्वश्रेष्ठ आश्रमशाला' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिवसेना भिवंडी ग्रामीण विधानसभा प्रमुख तथा जनकल्याण आदिवासी सामाजिक संस्था के अध्यक्ष और आदिम आधार आदिवासी ग्रामीण गैर-कृषि सहकारी पतसंस्था के अध्यक्ष महादेव घाटाळ, उपाध्यक्ष सुनील झलके, कोषाध्यक्ष जयराम पाटील सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, ग्राम पंचायतों, पतसंस्थाओं के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आदिवासी समाज के नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी समाज की एकजुटता, समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने का संदेश दिया गया।

मनोर : विश्व आदिवासी दिवस महापुरुषों को किया गया अभिवादन

तरुणमित्र-ओमप्रकाश द्विवेदी

पालघर। 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर, मनोर(पालघर) स्थित क्रांतिवीर, क्रांतिसूर्य भगवान बिरसा मुंडा चौक पर महापुरुषों को उनके कृतित्व के लिए याद करते पूरे श्रद्धा से अभिवादन नमन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बिरसायत महाराष्ट्र के संस्थापक/ अध्यक्ष संतोष आनंदी शिवराम जनाठे,मनोर पुलिस स्टेशन के एपीआई सलोखे, मनोर के सरपंच चेतन पाटील ,उपसरपंच मंगेश गोंड,अनंता पुंजारा तथा गांव और आस-पास इलाकों के बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय की महिला और पुरुष कार्यकर्ता,आदिवासी एकता मित्र मंडल के गणमान्य लोग पारंपरिक वेशभूषा में मौजूद रहे। आयोजन के दौरान आदिवासी समाज के अधिकारों और आजिविका के रक्षा के लिए आवाज बुलंद करने वाले महापुरुषों को याद किया गया। इस मौके पर गणमान्य ने कहा कि प्रकृति से प्रेम करने वाले जल, जंगल और जमीन से जुड़े हमारे आदिवासी भाईयों के पारंपरिक ज्ञान का सभी को सम्मान करना चाहिए। इस मौके पर उपस्थित सभी ने एक साथ 'जय-जोहार, जय-आदिवासी' का उदघोष करते आदिवासी समाज का अभिवादन किया। वहीं आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक कला को जिवंत रखते हुए गौरी नृत्य करके लोगों को भावविभोर कर दिया।

कई महीनों से लापता बच्चा सूरत से बरामद, मां से मिलाया

परिवार को मिली बड़ी राहत, पुलिस अधिकारियों के प्रति जताया आभार

तरुणमित्र सारा पुरी

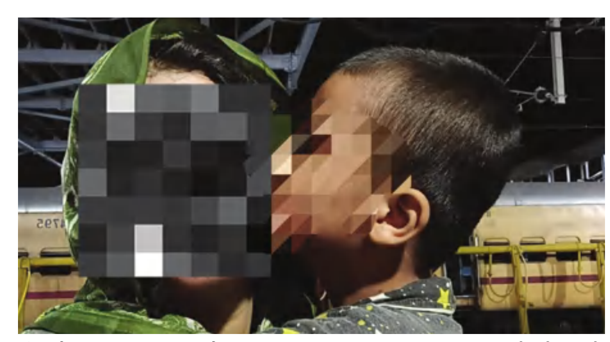

मुंब्रा। कई महीनों से लापता बच्चे की तलाश में जुटी उसकी मां को आखिरकार राहत मिली। मुंब्रा पुलिस ने लापता बच्चे को सूरत से सकुशल बरामद कर उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। बच्चे के मिलने के बाद परिवार में खुशी का माहौल है। जानकारी के अनुसार, तस्लीम मर्चेंट का बच्चा पिछले कई महीनों से लापता था। बच्चे की तलाश में परिवार लगातार प्रयास कर रहा था। इस बीच मुंब्रा पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बच्चे की तलाश शुरू की। पुलिस की जांच और तकनीकी प्रयासों के आधार पर बच्चे के सूरत में होने की जानकारी सामने आई, जिसके बाद पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर उसे सकुशल बरामद कर लिया। बच्चे की तलाश और उसे सुरक्षित वापस लाने में शमराव माने तथा उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने लगातार प्रयास करते हुए बच्चे का पता लगाया और उसे सुरक्षित मुंब्रा लाकर उसकी मां से मिलाया। बच्चे के सकुशल मिलने के बाद परिवार ने ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और संयुक्त पुलिस आयुक्त पंजाबराव उगले के प्रति आभार व्यक्त किया। कई महीनों से बच्चे की तलाश कर रही मां के लिए उसे दोबारा अपने सामने पाना बेहद भावुक और राहत भरा क्षण रहा।

मुंब्रा पुलिस की इस कार्रवाई से एक बार फिर पुलिस के समर्पण और तत्परता का उदाहरण सामने आया है। लंबे समय से लापता बच्चे को सुरक्षित बरामद कर उसकी मां से मिलाना पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

"मनपा की फर्जी मोहर, कोर्ट में फर्जी परमिशन और 27 गुंठा जमीन पर कब्जे का खेल!"

मनपा रिकॉर्ड में नहीं मिली निर्माण अनुमति, फर्जी दस्तावेजों के सहारे कोर्ट से स्टेटस-क्वो हासिल करने का आरोप

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी : भिवंडी मनपा के नाम और सरकारी अभिलेखों की कथित फर्जी प्रतियां तैयार कर कोर्ट में पेश करने का गंभीर मामला सामने आया है। मौजे कणेरी स्थित सर्वे नंबर 39/6/अ की 27 गुंठा पैतृक जमीन पर कब्जा करने के प्रयास में कथित तौर पर फर्जी निर्माण अनुमति और कमेन्समेंट सर्टिफिकेट का इस्तेमाल कर अदालत से स्टेटस-क्वो का अंतरिम आदेश हासिल करने का आरोप लगाया गया है।मनपा की जांच में सामने आया कि कोर्ट में पेश किए गए दोनों दस्तावेज मनपा के रिकॉर्ड में मौजूद ही नहीं हैं। जमीन मालिक रवींद्र दत्तात्रय पाटील ने मनपा आयुक्त अनमोल सागर को भेजे गए कोर्ट नोटिस के माध्यम से मामले की शिकायत की है। शिकायत के मुताबिक मनपा प्रभाग क्रमांक 3 अंतर्गत कणेरी क्षेत्र के सर्वे नंबर 39/6/अ में उनकी 27 गुंठा पैतृक जमीन है। इस जमीन को लेकर भिवंडी कनिष्ठ दिवाणी न्यायालय में Regular Civil Suit No. 314/2026 लंबित है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मोहम्मद असलम नबीउल्ला अन्सारी, वकार अहमद शफदे अली अन्सारी और यास्मीन बानो इफ्तेखार मोमीन ने मनपा की कथित फर्जी निर्माण अनुमति कोर्ट में पेश कर स्टेटस-क्वो का अंतरिम आदेश हासिल किया।

मनपा ने नहीं दी थी कोई निर्माण अनुमति : शिकायत के अनुसार 29 जनवरी 2026 को नगररचना विभाग ने लिखित जवाब में स्पष्ट किया था कि मौजे कणेरी स्थित सर्वे नंबर 39/6/अ के लिए मनपा द्वारा आज तक कोई निर्माण अनुमति जारी नहीं की गई है। इसके बावजूद वहां निर्माण किए जाने का आरोप है। शिकायतकर्ता के अनुसार मनपा द्वारा तोड़क कार्रवाई किए जाने के बाद भी दोबारा निर्माण किया गया। सबसे गंभीर सवाल उन दस्तावेजों को लेकर उठाया गया है, जिन्हें कोर्ट में मनपा की अनुमति बताकर पेश किया गया। शिकायत के अनुसार टी.पी./87 दिनांक 10/07/1995 मौजे नारपोली सर्वे नंबर 3/2 के लिए सिमला शाह के नाम पर है, जबकि टी.पी./109 दिनांक 26/07/1994 मौजे निजामपुर सर्वे नंबर 53/2 के लिए नसीम जियाउद्दीन के नाम पर दर्ज है। आरोप है कि इन दस्तावेजों का कणेरी स्थित जमीन से कोई संबंध नहीं है। 'यह सिर्फ जमीन विवाद नहीं, मनपा की साख का मामला' रावींद्र पाटील ने आरोप लगाया कि यह केवल जमीन का विवाद नहीं है, बल्कि मनपा के नाम और मुहर का कथित दुरुपयोग कर सरकारी दस्तावेजों की फर्जी प्रतियां तैयार करने का गंभीर मामला है। इससे मनपा की साख के साथ-साथ न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने मनपा आयुक्त से कथित फर्जी दस्तावेज तैयार करने में शामिल मनपाकर्मियों तथा तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने और कथित अवैध निर्माण को जमीनदोज करने की मांग की है। FIR और फॉरेंसिक जांच की मांग कोर्ट से मनपा को भेजे गए नोटिस में आरोपियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने, संबंधित फाइलें जब्त कर फॉरेंसिक जांच कराने तथा रिकॉर्ड रूम से जुड़े अधिकारियों के बयान दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायत में धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने, फर्जी दस्तावेजों को असली बताकर इस्तेमाल करने और आपराधिक साजिश के आरोपों में बीएनएस की धारा 318, 336, 338, 340 और 61 के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। मनपा के रिकॉर्ड की सुरक्षा पर उठे सवाल भिवंडी में जमीनों की बढ़ती कीमतों के बीच कथित फर्जी दस्तावेजों का खेल चिंता का विषय बनता जा रहा है। यदि सरकारी संस्था के नाम और मुहर वाली कथित फर्जी अनुमति कोर्ट में पेश की जा सकती है, तो मनपा के रिकॉर्ड की सुरक्षा और सत्यापन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। शिकायतकर्ता ने मनपा के रिकॉर्ड को डिजिटल और सुरक्षित करने की भी मांग की है। हालांकि मामले में आरोपियों से संपर्क नहीं हो सका है। वहीं मनपा मुख्यालय के उपायुक्त विक्रम दराडे ने बताया कि मामले की पुनः जांच की जाएगी और जांच में जो लोग दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अख़बार के पन्नों पर गूंजा जनता का दर्द

जागे अफ़सर और भरने लगे तुर्भे के जानलेवा गड्ढे

तरुणमित्र/ब्यूरों : नवी मुंबई। सड़क पर गड्ढे हैं या गड्ढों के बीच जैसे-तैसे सड़क बची है? यह कोई पहेली नहीं, बल्कि तुर्भे इलाके के लोगों का रोज़मर्रा का खौफनाक सच बन चुका था. गाड़ियों के हिचकोले, उखड़ती कमर और हर मोड़ पर हादसे का डर—जनता इस नरक से जूझते हुए गुस्से से उबल रही थी. लेकिन जब इस बदहाली और प्रशासनिक अनदेखी की परतें खोलती हुई खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई, तो आखिरकार सोए हुए प्रशासन की नींद टूट ही गई. रविवार से तुर्भे की सड़कों पर मरम्मत का काम पूरी मुस्तैदी के साथ शुरू कर दिया गया है। अगर तुर्भे के नक्शे पर नज़र डालें तो सेक्टर 23, 24, 26, जनता मार्केट, एपीएमसी से सटे रास्ते और वाशी-तुर्भे लिंक रोड की हालत बद से बदतर हो चुकी थी. तुर्भे गाँव के विस्तार वाली हर एक गली में बस गड्ढों का ही राज था. हद तो तब हो गई जब सेक्टर 21 स्थित तुर्भे गाँव के प्रवेश द्वार से आगे संत रामतनु माता संवाद केंद्र के पास सड़क पूरी तरह गायब हो गई. इतना ही नहीं, वाशी और तुर्भे के चौराहों पर सीसीटीवी कैमरों की केबल बिछाने के लिए जो खाइयां खोदी गई थीं, उन पर काम खत्म होने के बाद सिर्फ नाममात्र का डामर पोत दिया गया था. पहली ही बारिश ने इस काम की पोल खोल दी और डामर बहते ही वहाँ बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे उभर आए. कोपरी सिग्नल, पावणे, एपीएमसी सिग्नल और अरेंजा सिग्नल जैसे व्यस्त इलाकों में भी गाड़ियों के पहिए थमने लगे थे. हैरत की बात यह है कि हर साल गड्ढे भरने के नाम पर विभाग कार्यालयों में करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाए जाते हैं, फिर भी काम की गुणवत्ता शून्य रहती है. इसी लापरवाही को लेकर अब स्थानीय लोगों, ड्राइवरों और यात्रियों का सब्र टूट चुका है और वे ठेकेदारों पर कड़ा एक्शन लेने की माँग कर रहे हैं. फिलहाल, खबर की आवाज़ का असर यह हुआ है कि सड़कों को दुरुस्त करने का काम शुरू हो गया है, जिससे नागरिकों ने राहत की सांस ली है।

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मो ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके ह्रास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल क्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता।

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर क्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।

पश्चिमी देशों में जनजातीय नरसंहार का स्मरण दिवस

-डॉ. प्रवीण दाताराम

"द सोशल कॉन्ट्रैक्ट" (Du contrat social) जीन जैक्स रूसो की वर्ष 1762 में प्रकाशित एक प्रसिद्ध पुस्तक है। इस पुस्तक की प्रथम पंक्ति है—"मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ था, और अब वह हर जगह जंजीरों में जकड़ा हुआ है।" यही वह बिंदु है, जो पश्चिमी और इस्लामिक चिंतन से हम भारतीयों को अलग करता है। सनातनी भारतीय समाज सदा-सदा से ऐसी लोकतांत्रिक, अनुशासित व्यवस्था है, जो उत्तरोत्तर सुधार, स्वतंत्रता के साथ-साथ साधना की ओर बढ़ती है। यह साधना कई रूपों में हमारे साथ चलती है। यह जड़ता से चेतना की ओर बढ़ती हुई यात्रा होती है। पश्चिमी चिंतन चेतना से जड़ता की ओर बहुतेरे ही जाता रहता है। इसका ज्वलंत उदाहरण राजनीतिक कारणों से उपजाया गया नौ अगस्त का 'विश्व जनजातीय दिवस' है। यह विश्व भर को अपने बॉयस, अपने दृष्टिकोण, अपने छद्म और अपने दुराग्रह से बाँधने का कुत्सित प्रयास है। यह विश्व भर के जनजातीय समाज की आँखों में मिर्च झोंकने का दुष्प्रयास है।

विश्व जनजातीय दिवस उत्सव एक सुंदर मकड़ी का अतिसुंदर मकड़जाल है। यह आयोजन अपने ही पुरखों के भीषण नरसंहार को भुला दिए जाने का षड्यंत्र है और इस शोक दिवस को गौरव दिवस के रूप में मनाने की दुरभिसंधि (साजिश) भी! इस अंतरराष्ट्रीय जनजातीय दिवस की गिद्ध दृष्टि में लगभग दो सौ आदिवासी समूहों की चेतना है। उनकी चेतना में समाए उनके पुरखों के जेनोसाइड पर है। पश्चिमी समाज विश्व भर के जनजातीय मानस से उनके नरसंहार को, होलोकॉस्ट को, मैसेकर को, मास स्लॉटरिंग को, ब्लड बाथ को, एनिहिलेशन को, मास मर्डरिंग को उनकी स्मृति से लोप या एमनेसिया करा देने का एक फैशनेबल किंतु कुत्सित प्रयास कर रहा है। यह जनजातीय विमर्श को अजब-गजब तरीके से स्थापित करने की कलाबाजी है। पश्चिम फेक डिस्कोर्सेस को स्थापित करने के छद्मयुद्ध का सदैव से ही कुशल खिलाड़ी रहा है। जनजातीय बंधु, जो बोलीविया, ब्राज़ील, कोलंबिया, इक्वाडोर, इंडोनेशिया, पपुआ न्यू गिनी, पेरू, वेनेज़ुएला आदि देशों और साथ ही भारत के दूरस्थ, अंतर्स्थित वनों में रहते हैं एवं प्रकृति को ही ईश्वर मानकर उसका रक्षण करते हैं, यह दिवस उनकी स्मृति लोप कराने का दुष्प्रयास है। पूरे विश्व के बाद अब पश्चिमी शक्तियाँ भारत में भी इस वितंडे को स्थापित करने का प्रयास कर रही हैं।

नौ अगस्त, वस्तुतः पश्चिमी साम्राज्यवादियों द्वारा किए गए बड़े, बर्बर नरसंहार का दिन है। इस शोक दिवस को उसी पीड़ित, दमित व संहारित किए गए वनबंधुओं द्वारा गौरव दिवस के रूप में मनवा लेने का षड्यंत्र है यह! वस्तुतः नौ अगस्त का यह दिन अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों पर बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दुःख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपीय आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा माँगनी चाहिए, जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक उनके मूलनिवास से खदेड़ा था या समाप्तप्राय कर दिया था। पश्चिमी बौद्धिक जगत का प्रताप देखिए कि हुआ ठीक इसका उल्टा; उन्होंने इस दिन का स्वरूप, मंतव्य व आशय समूचा ही उलटा कर दिया! आश्चर्य यह है कि हम भारतीय भी इस थोथे विमर्श में फँस गए हैं। इस इंडीजेनस डे का हमसे तो कोई सरोकार ही नहीं है। यदि जनजातीय दिवस मनाना ही है, तो हमारे पास भगवान बिरसा मुंडा से लेकर टंट्या मामा भील तक हजारों ऐसे जनजातीय योद्धाओं का समृद्ध इतिहास है, जिन्होंने हमारे समूचे भारतीय समाज के लिए कई-कई गौरवमयी स्वतंत्रता अभियान चलाए हैं व अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

भारत के ग्रामों व नगरों में वनवासी समाज की प्रतिष्ठा के रक्षण व विकास की प्राचीन परंपरा रही है। भारत के नगरीय व ग्रामीण समाज और वनवासी समाज में परस्पर निर्भरता, परस्पर उत्तरदायित्व की अद्भुत किंतु अलिखित संतुलन प्रवृत्ति रही है। प्रकृति-पूजन हमें वेदों से प्राप्त हुआ, जिसके प्रति नगरीय समाज की अपेक्षा जनजातीय समाज अधिक आग्रही रहा है। भारतीय जनजातीय समाज रक्षण का पात्र नहीं, अपितु शेष समाज व राष्ट्र का रक्षक रहा है। मूलनिवासी दिवस की चर्चा करें तो ध्यान आता है कि हमारी नर्मदा घाटी ही मानव प्रजाति की जन्मदाता रही है। नर्मदा किनारे जन्मी इस सभ्यता में नगरीय व वन-कंदराओं में निवास करने वाले बंधुओं, दोनों का ही अपना-अपना महत्व व भूमिका थी। दोनों ही समाज अपने उत्पादनों व वृत्तियों के आधार पर परस्पर निर्भरता के सिद्धांत से जीवन यापन करते हुए वैदिक धर्म को ही भिन्न रूपों में माना करते थे। शिव उपासना वैदिक धर्म का एक अविभाज्य अंग रही है। शिव-पूजन को वनबंधुओं ने भी आगे बढ़ाया व नगरीय समाज ने भी।कोलंबस दिवस के रूप में भी मनाए जाने वाले इस दिन को वस्तुतः अंग्रेजों के अपराध-बोध को स्वीकार करने के दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। अमेरिका से वहाँ के मूल निवासियों को अतीव बर्बरता पूर्वक समाप्त कर देने की कहानी के पश्चिमी पश्चाताप दिवस के रूप में ही यह स्वीकार्य है। आज भारत सामाजिक समरसता के नए आयाम गढ़ रहा है। यह कुछ भारत-विरोधी तत्वों को रास नहीं आ रहा है। इस सकारात्मक परिवर्तन के वातावरण में जहर बोने का कार्य कुछ भारत-विरोधी व विभाजनकारी लोग करते हैं। मूलनिवासी दिवस के एजेंडे के पीछे बहुत से ऐसे विदेशी मानसिकता के लोग खड़े हो गए हैं व भारत के भोले-भाले जनजातीय समाज के मन में विभाजन के बीज बो रहे हैं। कम्युनिस्ट, इस्लाम व ईसाइयत के षड्यंत्र का नव संस्करण है मूलनिवासीवाद!भारतीय दलितों व आदिवासियों को पश्चिमी अवधारणा से जोड़ने व भारतीय समाज में विभाजन के नए केंद्रों की खोज इस मूलनिवासीवाद के नाम पर प्रारंभ कर दी गई है। इस पश्चिमी षड्यंत्र के दुष्प्रभाव में कुछ कथित दलित व जनजातीय नेताओं ने यह कहना प्रारंभ किया कि भारत के मूल निवासियों (दलितों) को बाहरी आर्यों ने अपना गुलाम बनाकर यहाँ हिंदू वर्ण व्यवस्था को लागू किया। बाबासाहेब अपने लेखन में कथित आर्य व जनजातीय संघर्ष की बात को दृढ़ता से नकारते हैं। बाबासाहेब ने लिखा है- "आर्य आक्रमण की झूठी कथा पश्चिमी लेखकों द्वारा बनाई गई है, जिसके कोई प्रमाण नहीं हैं।" अंबेडकर जी आगे लिखते हैं- "इस पश्चिमी सिद्धांत का विश्लेषण करने से मैं जिस निर्णय पर पहुँचा हूँ, वह यह है—वेदों में आर्य जातिवाद का उल्लेख नहीं है व वेदों में आर्यों द्वारा दलित व जनजातीय आक्रमण कर विजय प्राप्त करने का कोई प्रमाण नहीं है।" अनावश्यक ही यह राग अलापा जाता रहा है कि आर्य बाहर से आए थे। इस भ्रामक अवधारणा ने भारतीय संस्कृति का बड़ा अहित किया है। भारतीय जनमानस में परस्पर द्वेष, आर्य-अनार्य विचार एवं दक्षिण-उत्तर की भावना उत्पन्न करने वाला यह विचार, तात्कालिक राजनीतिक लाभ हेतु विदेशियों एवं विधर्मियों द्वारा योजनाबद्ध रूप से प्रचारित किया जा रहा है। आइए, हम मूलनिवासी दिवस को मनाएँ, किंतु इसे उत्सवपूर्वक नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के पुरखों के नरसंहार के स्मरण दिवस के रूप में मनाएँ। एक बड़े षड्यंत्र के विरोध के रूप में गंभीरता व प्रेरणापूर्वक इसे मनाएँ।

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।
-चाणक्य

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
-धीरूभाई अंबानी

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः श्रावण मास महीने के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि (दोपहर 02:44 बजे तक), इसके पश्चात चतुर्दशी तिथि आरंभ होगी। यह दिन सावन महीने का सोमवार है, जो धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है।

आज जन्म लिए बालक का फल...

मिथुन राशि का स्वामी 'बुध' होने के कारण बच्चा कुशाग्र बुद्धि, तीक्ष्ण दिमाग और बेहतरीन बातचीत की कला से समृद्ध होगा। आईटी, सॉफ्टवेयर, मीडिया, लेखन, शोध, वित्त और व्यापार में बच्चे का प्रदर्शन शानदार रहने की संभावना होगी। ऐसा बच्चा शांत, ज्ञानी, संस्कारी और समाज में मान-सम्मान प्राप्त करने वाला होता है।

मेषः दूसरों के विचारों को समझें और परिजनों के साथ मनोरंजन में समय बिताएं।

वृषः दूसरों के बजाय खुद पर भरोसा रखें और सहकर्मियों का साथ मिलेगा।

मिथुनः जल्दबाजी से बचें और परिवार के साथ खरीदारी में समय बीतेगा।

कर्कः जीवनसाथी के सहयोग से सफलता मिलेगी और व्यापार में बड़ा फायदा होगा।

सिंहः संतान की सफलता से खुशी मिलेगी और निवेश में जल्दबाजी न करें।

कन्याः नए अवसर और किसी विशेष व्यक्ति से मुलाकात होगी, असमंजस में परिजनों की सलाह लें।

तुलाः बिजनेस पार्टनरशिप में सोच-विचार करें और परिजनों के साथ यात्रा की योजना बनेगी।

वृश्चिकः धर्म-कर्म में मन लगेगा और घर के बुजुर्गों की सेवा का ध्यान रखें।

धनुः नौकरी में तरक्की के योग हैं, रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और संयम से काम लें।

मकरः सामाजिक गतिविधियों में सम्मान मिलेगा और बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

कुंभः पुराने मित्र से मुलाकात होगी और घरेलू माहौल खुशनुमा रहेगा।

मीनः रुका हुआ धन वापस मिलेगा, व्यापार में बड़ा मुनाफा होगा और किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी।

आजादी की पहली क्रान्ति के योद्धाओं की दास्तान!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

- अगस्त क्रान्ति की वर्षगांठ

देश की आजादी का पहला बिगुल सन 1857 की मेरठ क्रान्ति में नही, बल्कि सन 1824 में हरिद्वार के कुंजा बहादुरपुर गांव से बजा था। इसलिए मेरठ से उठी आजादी की सन 1857 की चिगांरी को पहली आजादी की चिंगारी बताना भी पूरी तरह से एक बड़ी भूल है क्योकि देश में सन 1857 से पहले ही आजादी का बिगुल बज चुका था। उत्तराखण्ड राज्य के हरिद्वार जिले के ग्राम कुन्जा बहादुरपुर में सन 1824 में ही क्रांति की पहली मशाल जल गई थी। इस गांव में किसानों ने अंग्रेजों के खिलाफ विरोध का बिगुल बजाया था । कुन्जा बहादुरपुर के तत्कालीन राजा विजय सिहं ने इस क्रांति का नेतृत्व किया था । वर्षा न होने पर गांव में किसानों की फसल सूख गई थी। किसान फसल पैदा न होने के कारण सरकार को लगान देने की स्थिती में नही थे। मजबूर होकर उन्होने ने राजा विजय सिंह से लगान माफ करने की गुहार लगाई । राजा को किसानो की मांग उचित लगी तो उन्होने अंग्रेजो से उस साल का लगान न लेने की प्रार्थना की परन्तु अंग्रेज नही माने और राजा की प्रार्थना को अंग्रेजो ने उन्हे दुत्कारते हुए ठुकरा दी। जिसकारण राजा विजय सिहं अंग्रेजो से नाराज़ हो गए और उन्होने अंग्रेजो द्वारा जबरन लगान वसूली का विरोध करने का फैसला किया और उन्होने क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर देश की पहली क्रान्ति को जन्म दिया। इसी विरोध के कारण राजा विजय सिंह अंग्रेजो की आंख की किरकिरी बन गए थे। अंग्रेजो ने कुंजा बहादुरपुर को नेस्तनाबूद करने के लिए गांव के कुएं में पीसा हुआ कांच मिला दिया और रात्रि में हमलाकर विद्रोहियों को कुचलने की कौशिश की। राजा विजय सिंह ने भी अंग्रेजो का जमकर मुकाबला किया। उनके सेनापति कल्याण सिंह ने अपनी सैन्य टुकडी के साथ अंग्रेजों पर आक्रमण कर ग्राम कल्हालटी में ज्वालापुर से लाए जा रहे सरकारी खजाने को लूट लिया था। जिससे बोखलाए अंग्रेजो ने गांव के 152 विद्रोहियों को एक ही दिन में रूडकी के पास गांव सुनहरा के वट वृक्ष पर लटकाकर फांसी दे दी थी।जिससे खोफजदा होकर ग्राम सुनहरा, रामपुर व मतलबपुर के लोग अपने धर छोडकर जगंलो में जा छिपे थे। अंग्रेजो के साथ हुए युद्ध में राजा विजय सिंह जहां शहीद हो गए ,वही उनके सेनापति कल्याण सिंह की अंग्रेजो ने हत्या कर उसका शव देहरादून जेल के मुख्यद्वार पर लटका दिया था। इसी कारण कुन्जा बहादुरपुर की गिनती शहीद ग्राम के रूप में होती है और उत्तराखण्ड सरकार ने इसी कारण इस गांव को पर्यटन गांव भी धोषित किया हुआ है। वही सुनहरा का ऐतिहासिक वट वृक्ष भी शहीद स्मारक के रूप में दर्शनीय है और पर्यटन विभाग द्वारा इस स्थल का भी सौन्द्रयकरण किया गया हैं। इस स्मारक पर प्रति वर्ष 10 मई को रूडकी के लोग श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करते है। देश में आजादी की इस पहली लडाई के दौरान 27 सितम्बर सन 1930 को रूडकी के राजकीय हाई स्कूल जो अब इन्टर कालेज है,में एक जनसभा हुई थी जिसमें अरूणा आसफ अली आई थी इस सभा की भनक पुलिस को लग गई थी और पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था, जबकि 28 लोगो को पुलिस ने गिरफ्तारकिया था। इसी तरह 3 सितम्बर 1930 को झबरेडा में अंग्रेजो को देश से भगाने के लिए हुई जनसभा में पुलिस ने लाठी चार्ज कर लोगो को वहां से भगा दिया था। भगवानपुर मे तो इस बाबत हुई जनसभा में पुलिस के लाठी चार्ज से लाला बल्ली मल्ल बूरी तरह धायल हो गए थे।जिसकारण उनकी शहादत हो गई थी। तब से सन 1857 तक अंग्रेजो के खिलाफ हरिद्वार जिले तत्कालीन जिला सहारनपुर के लोगो का आन्दोलन जारी रहा। सन 1857 के अगस्त माह में रूडकी के तत्कालीन ज्वांइट मजिस्ट्रट एचडी राबर्टसन ने अंग्रेजो के खिलाफ विद्रोह कर रहे लोगो के प्रति कूररता दिखाई और ग्राम भनेडा की गुर्जर बस्ती में आग लगवा दी तो लोगो में उनके प्रति इतना गुस्सा व्याप्त हो गया कि उन्हे रूडकी से 6 मील दूर कस्बा मंगलौर जाने के लिए लोगो के जगह जगह विरोध के कारण तीन दिन लग गए थे।

पश्चिमी देशों में जनजातीय नरसंहार का समरण दिवस

डॉ. प्रवीण दाताराम

"द सोशल कांट्रैक्ट्स" जीन सेक्स रूसो की वर्ष 1762 में प्रकाशित एक प्रसिद्ध पुस्तक है। इस पुस्तक की प्रथम पंक्ति है - मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ था, और अब वह हर जगह जंजीरों में जकड़ा हुआ है। यही बिंदु है जो पश्चिमी और इस्लामिक चिंतन से हम भारतीयों को अलग-विलग करता है। सनातनी भारतीय समाज सदा-सदा से ऐसी लोकतांत्रिक, अनुशासित व्यवस्था है जो उत्तरोत्तर सुधार, स्वतंत्रता के साथ-साथ साधना की ओर बढ़ती है। ये साधना कई रूपों में हमारे साथ चलती है। ये जड़ता से चेतना की ओर बढ़ती हुई यात्रा होती है। पश्चिमी चिंतन चेतना से जड़ता की ओर बहुतेरे ही जाता रहता है, इसका ज्वलंत उदाहरण राजनीतिक कारणों से उपजाया गया नौ अगस्त का 'विश्व जनजातीय दिवस' है। ये विश्व भर को अपने बॉयस, अपने दृष्टिकोण, अपने छद्म, अपने दुराग्रह से बाँधने का कुत्सित प्रयास है। ये विश्व भर के जनजातीय समाज की आँखों में मिर्च झोंकने का दुष्प्रयास है।

विश्व जनजातीय दिवस उत्सव, एक सुंदर मकड़ी का अतिसुन्दर मकड़जाल है। ये आयोजन अपने ही पुरखों के भीषण नरसंहार को भुला दिए जाने के षड्यंत्र है और इस शोक दिवस को गौरव दिवस के रूप में मनाने की दुरभिसंधि (साजिश) भी! इस अन्तरराष्ट्रीय जनजातीय दिवस की गिद्ध दृष्टि में, लगभग दो सौ आदिवासी समूहों की चेतना है। उनकी चेतना में समाए उनके पुरखों के जेनोसाइड पर है। पश्चिमी समाज विश्व भर के जनजातीय मानस से उनके नरसंहार को, होलोकास्ट को, मसेकर को, मॉस स्लाटरिंग को, ब्लड बाथ को, एनिहिलेशन को, मॉस मरडरिंग को उनकी स्मृति से लोप या एमनेसिया करा देने का एक फैशनेबल किंतु कुत्सित प्रयास है। ये जनजातीय विमर्श को अजब-गजब तरीके से स्थापित करने की कलाबाजी है।

पश्चिम फेक डिस्कोर्सेस को स्थापित करने के छद्मयुद्ध का सदैव से ही कुशल खिलाड़ी रहा है। जनजातीय बंधु जो कि बोलीविया, ब्राजील, कोलम्बिया, एक्वाडोर, इंडोनेशिया, पपुआ न्यू गिनी, पेरू, वेनेजुएला आदि देशों और साथ ही भारत के दूरस्थ, अंतर्स्थ स्थित वनों में रहते हैं एवं प्रकृति को ही ईश्वर मानकर उसका रक्षण करते हैं, ये दिवस उनकी स्मृति लोप कराने का दुष्प्रयास है।

पूरे विश्व के बाद अब पश्चिमी शक्तियाँ भारत में भी इस वितंडे को स्थापित करने का प्रयास कर रही है। नौ अगस्त, वस्तुतः पश्चिमी साम्राज्यवादियों द्वारा किये गए बड़े, बर्बर नरसंहार का दिन है। इस शोक दिवस को उसी पीड़ित, दमित व संहारित किए गए वनबंधुओं द्वारा गौरव दिवस के रूप में मनवा लेने का षड्यंत्र है यह! वस्तुतः नौ अगस्त का यह दिन अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों पर बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दुःख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपीयन आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा मांगनी चाहिए, जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक उनके मूलनिवास से खदेड़ा था या समाप्तप्राय कर दिया था। पश्चिमी बौद्धिक जगत का प्रताप देखिये कि हुआ ठीक इसका उल्टा; उन्होंने इस दिन का स्वरूप, मंतव्य व आशय समूचा ही उलटा कर दिया! आश्चर्य यह है कि हम भारतीय भी इस थोथे विमर्श में फंस गए हैं। इस इंडीजेनस डे का हमसे तो कोई सरोकार ही नहीं है। यदि जनजातीय दिवस मनाना ही है तो हमारे पास भगवान बिरसा मुंडा से लेकर टंट्या मामा भील तक हजारों ऐसे जनजातीय यौद्धाओं का समृद्ध इतिहास है जिन्होंने हमारे समूचे भारतीय समाज के लिए कई कई गौरवमयी स्वतंत्रता अभियान चलाये हैं व अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

भारत के ग्रामों व नगरों में वनवासी समाज की प्रतिष्ठा के रक्षण व विकास की प्राचीन परंपरा रही है। भारत के नगरीय व ग्रामीण समाज और वनवासी समाज में परस्पर निर्भरता, परस्पर उत्तरदायित्व की अद्भुत किंतु अलिखित संतुलन प्रवृत्ति रही है।

प्रकृति पूजन हमें वेदों से प्राप्त हुआ जिसके प्रति नगरीय समाज की अपेक्षा जनजातीय समाज अधिक आग्रही रहा है। भारतीय जनजातीय समाज रक्षण का पात्र नहीं अपितु शेष समाज व राष्ट्र का रक्षक रहा है। मूल निवासी दिवस की चर्चा करें तो ध्यान आता है कि हमारी नर्मदा घाटी ही मानव प्रजाति की जन्मदाता रही है। नर्मदा किनारे जन्मी इस सभ्यता में नगरीय व वन कंदराओं में निवास करने वाले बंधु दोनों का ही अपना अपना महत्व व भूमिका थी। दोनों ही समाज अपने उत्पादनों व वृत्तियों के आधार पर परस्पर निर्भरता के सिद्धांत से जीवन यापन करते हुए वैदिक धर्म को ही भिन्न रूपों में माना करते थे।

शिव उपासना वैदिक धर्म का एक अविभाज्य अंग रहा है। शिव पूजन को वनबंधुओं ने भी आगे बढ़ाया व नगरीय समाज ने भी।

कोलंबस दिवस के रूप में भी मनाये जाने वाले इस दिन को वस्तुतः अंग्रेजों के अपराध बोध को स्वीकार करने के दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। अमेरिका से वहां के मूल निवासियों को अतीव बर्बरता पूर्वक समाप्त कर देने की कहानी के पश्चिमी पश्चाताप दिवस के रूप में ही यह स्वीकार्य है। आज भारत सामाजिक समरसता के नये आयाम गढ़ रहा है। यह कुछ भारत विरोधी तत्वों को रास नहीं आ रहा है। इस सकारात्मक परिवर्तन के वातावरण में जहर बोने का कार्य करते हैं कुछ भारत विरोधी व विभाजनकारी लोग। मूल निवासी दिवस के एजेंडे के पीछे बहुत से ऐसे विदेशी मानसिकता के लोग खड़े हो गयें हैं व भारत के भोले भाले जनजातीय समाज के मन में विभाजन के बीज बो रहें हैं।

कम्यूनिस्ट, इस्लाम व ईसाइयत के षड्यंत्र का नव संस्करण है मूलनिवासीवाद! भारतीय दलितों व आदिवासियों को पश्चिमी अवधारणा से जोड़ने व भारतीय समाज में विभाजन के नए केंद्रों की खोज इस मूलनिवासीवाद के नाम पर प्रारंभ कर दी गई है। इस पश्चिमी षड्यंत्र के दुष्प्रभाव में कुछ कथित दलित व जनजातीय नेताओं ने यह कहना प्रारंभ किया कि भारत के मूल निवासियों (दलितों) को बाहरी आर्यों ने अपना गुलाम बनाकर यहां हिन्दु वर्ण व्यवस्था को लागू किया। बाबा साहब अपने लेखन में कथित आर्य व जनजातीय संघर्ष की बात को दृढ़ता से नकारते हैं। बाबासाहब ने लिखा है – "आर्य आक्रमण की झूठी कथा पश्चिमी लेखकों द्वारा बनाई गई है जिसके कोई प्रमाण नहीं हैं। अम्बेडकर जी आगे लिखते हैं – "इस पश्चिमी सिद्धांत का विश्लेषण करने से मैं जिस निर्णय पर पहुंचा हूँ, वह यह है - वेदों में आर्य जातिवाद का उल्लेख नहीं है व वेदों में आर्यों द्वारा दलित व जनजातीय आक्रमण कर विजय प्राप्त करनें का कोई प्रमाण नहीं है।" अनावश्यक ही यह राग अलापा जाता रहा है कि आर्य बाहर से आए थे। इस भ्रामक अवधारणा ने भारतीय संस्कृति का बड़ा अहित किया है। भारतीय जनमानस में परस्पर द्वेष, आर्य-अनार्य विचार एवं दक्षिण-उत्तर की भावना उत्पन्न करने वाला यह विचार, तात्कालिक राजनैतिक लाभ हेतु विदेशियों एवं विधर्मियों द्वारा योजनाबद्ध रूप से प्रचारित किया जा रहा है। आइए, हम मूलनिवासी दिवस को मनाएँ, किंतु इसे उत्सवपूर्वक नहीं बल्कि जनजातीय समाज के पुरखों के नरसंहार के स्मरण दिवस के रूप में मनाएँ। एक बड़े षड्यंत्र के विरोध के रूप में गंभीरता व प्रेरणा पूर्वक इसे मनाएँ।

ई 20 के खिलाफ राहुल की जंग, आंदोलन का इतिहास

सनत जैन

कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। 2012 से लेकर 2014 तक जिस तरह से यूपीए की मनमोहन सरकार के खिलाफ रोजाना कोई ना कोई ऐसा मामला खुलता था। जिसके कारण मनमोहन सरकार के बारे में यह राय आम जनता की बनती चली गई, मनमोहन सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। नेता के रूप में गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात मॉडल, अच्छे दिन का वादा, विदेश से ब्लेक मनी लाकर 15 लाख देने, उद्योगपति रतन टाटा और मुकेश अंबानी का यह कहना, नरेंद्र मोदी यदि भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे तो भारत का विकास और भारत की किस्मत ही बदल जाएगी। समय की बलिहारी उद्योगपति लाबी का समर्थन मिलने तथा केग प्रमुख विनोद राय के काल्पनिक आधार पर सरकार के घपले और घोटाले को बढ़ा चढ़ा कर दिखाया गया। मनमोहन सिंह सरकार को जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले में घेरने और बदनाम करने की मुहिम चलाई गई। उसने 2014 के लोकसभा चुनाव का पूरा रुझान ही बदल दिया। ऐसा लगने लगा, मनमोहन सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। इसने कुछ भी नहीं किया।

अब वही स्थिति 2026 में एकाएक देखने को मिल रही है। एक के बाद एक केग के आडिट में घपले-घोटाले बाहर निकलकर आ रहे हैं। यह अलग बात है कि जिस तरह पहले सुप्रीम कोर्ट, घपले-घोटाले को संज्ञान में लेती थी। अब वैसा संज्ञान नहीं लिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट बंद लिफाफे में राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर घपले घोटाले को लिफाफे में बंद करके रख देती है। न्यायालय का संरक्षण सरकार के पक्ष में होने के बाद भी जिस तरह से एक के बाद एक मामले खुलते चले जा रहे हैं। उसने 2026 में 2014 की याद दिला दी है। राहुल गांधी अकेले ऐसे नेता थे, जो मोदी सरकार का बिना डरे मुखर होकर पिछले कई वर्षों से विरोध कर रहे थे। धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर भारत की राजनीति फिजा बदली हुई थी। नेता डरे हुए थे, सीबीआई और ईड़ी के डर से कांग्रेस नेता छोड़ कर जा रहे थे। जहां विपक्षी दलों की सरकारें थी, उनमें भी डर और भय का माहौल था। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार सैकड़ो की संख्या में सांसद और विधायक अपनी मूल पार्टी को छोड़कर भाजपा में आ गए। देखते ही देखते डबल इंजन की सरकारें बनने का जो क्रम 2016 के बाद शुरू हुआ, वह पश्चिम बंगाल के चुनाव तक अश्वमेध यज्ञ की भांति सफलता पूर्वक आगे बढ़ता रहा। पश्चिम बंगाल के चुनाव के बाद जैसे किसी की नजर लग गई है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जो नेता और कार्यकर्ता तीन पीढ़ियों से पार्टी की सेवा कर रहे थे। वह भी हैरान परेशान थे, उनके स्थान पर अन्य दलों से आए हुए भ्रष्टाचारी नेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों को सरकार में जगह मिल रही है। उन्हें मरी हुई मक्खी की तरह निकालकर फेंक दिया गया है। अयोध्या के राम मंदिर मैं दान और चढ़ावा चोरी के मामले में ऐसा लगता है, प्रभु राम भी भाजपा से नाराज हो गए हैं। जिस तरह से रावण ने सीता माता का अपहरण साधु के वेश में किया था। राम मंदिर के नाम पर राम भक्तों को जिस तरह से ठगा गया है। उनकी आस्थाओं के साथ खेला गया, यहीं से खेल बिगड़ना शुरू हो गया। नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले में कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में जिस तरह से जेन जेड वानर सेना का प्रवेश हुआ। उसके बाद अलग-थलग पड़े नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जैसे प्रभु राम का आशीर्वाद मिल गया है। वह सरकार पर इतने भारी पड़ गए कि भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस को अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने अब ई 20 के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया है। भारत के अधिकांश घर का एक न एक बच्चा जेन-जेड और जेन अल्फा है। पूरे देश में एकाएक बच्चे और युवा राहुल गांधी के मुरीद हो रहे हैं। पेट्रोल का उपयोग भी अब गरीब से गरीब परिवार को करना पड़ता है। ई 20 का मामला भी भारत के अधिकांश परिवार से जुड़ा हुआ है। इन दोनों मामलों में जिस तरह से राहुल गांधी ने राजनीति की बिसात बिछाई है। उसी बिसात पर भाजपा और एनडीए को चलना पड़ रहा है। विपक्षी दल एकजुट हैं, तीसरे सप्ताह भी संसद नहीं चल पाई है। गृहमंत्री का बयान और प्रधानमंत्री को सदन में बुलाने की मांग को लेकर जिस तरह से राहुल गांधी अड़े हुए हैं। सरकार बचाव की मुद्रा में है। इस स्थिति को देखते हुए लोग यह कहने लगे हैं, इतिहास अपने आपको दोहराने जा रहा है। जो मनमोहन सिंह के साथ हुआ था, उसी तरह की स्थिति अब 2026 में बन गई है? जनता के बीच नेता और सरकार की छबि महत्वपूर्ण है। भ्रष्टाचार की जो छवि मनमोहन सरकार के खिलाफ 2014 के चुनाव पूर्व बनी थी, वही छवि भाजपा एवं एनडीए शासित केंद्र एवं राज्य सरकारों की 2026 में बन गई है। धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर 80-20 का जो खेल था वह भी पूरी तरह से बिगड़ गया है। भाजपा ने राहुल गांधी को मीडिया के माध्यम से पप्पू बना दिया था। आज वही पप्पू पूरी ताकत के साथ केंद्र सरकार के लिए मुसीबत बना हुआ है। इसी को कहते हैं समय की बलिहारी।

अनमोल वाणी

"जीवन मंत्र"

प्रा जितेन्द्र शंकर पाण्डेय
प्रबंध संपादक, तरुणमित्र थाणे

जीवन छोटा है, खुलकर जियें,
प्रेम दुर्लभ है, सबसे करते रहें।
क्रोध हानिकारक है, दबाकर रखें,
भय बहुत डरावना है, सामना करें,
स्मृतियां सुखद है, संजोकर रखें।

बच्चों की 'रातवानी दवा' के नाम पर चल रहा था अवैध धंधा, कपड़वंज में बड़ा खुलासा

डॉक्टर के क्लिनिक पर छापा, बिना लेबल की 160 बोतलें, 1,000 खाली बोतलें और विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स के 92 कंटेनर जब्त

तरूणमित्र, गांधीनगर।

राज्य में नकली और गैरकानूनी दवाओं के खिलाफ चल रही 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत नडियाद सहायक आयुक्त की टीम ने कपड़वंज तालुका के धोलिकुई गांव में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने एक क्लिनिक पर छापा मारकर बच्चों के लिए 'रातवानी दवा' के नाम पर कथित तौर पर तैयार कर बेचे जा रहे संदिग्ध तरल पदार्थ सहित कुल 66,400 रुपये का मुद्देमाल जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 7 अगस्त 2026 को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर वरिष्ठ औषध निरीक्षक भूमि वी. पटेल तथा औषध निरीक्षक विशाल आर. रूपापरा की टीम ने धोलिकुई स्थित 'डॉक्टर सोनी, बावीशी वाला दवाखाना' में जांच की। कार्रवाई के दौरान क्लिनिक के दस्तावेजों और वहां रखी दवाओं की गहन जांच की गई। जांच के दौरान टीम को बिक्री के लिए रखी गई 100 एमएल क्षमता वाली 160 पारदर्शी प्लास्टिक बोतलें मिलीं। इन बोतलों पर कोई लेबल नहीं था और इनमें लाल रंग का तरल पदार्थ भरा हुआ था। औषधि विभाग ने संदिग्ध दवा के नमूने लेकर उन्हें सरकारी प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेज दिया है। छापे के दौरान 'रातवानी दवा' लिखे लेबल, करीब 1,000 खाली बोतलें, विटामिन B-Complex दवा के 4.5 लीटर क्षमता वाले 92 भरे हुए प्लास्टिक कंटेनर तथा इस्तेमाल किए गए खाली कंटेनर भी जब्त किए गए। प्राथमिक जांच में सामने आया कि क्लिनिक संचालक डॉक्टर सोनी (B.H.M.S.) पिछले करीब पांच वर्षों से यह प्रैक्टिस कर रहे थे। आरोप है कि वे अहमदाबाद की परेश ट्रेडिंग कॉरपोरेशन से मुंबई की Euphoria Pharmaceuticals द्वारा निर्मित 'ENGE PLEX' विटामिन B-Complex दवा 4.5 लीटर के कंटेनर में खरीदते थे। इसके बाद कथित तौर पर इसी दवा को क्लिनिक में 100 एमएल की छोटी बोतलों में भरकर अपने लेबल लगाए जाते थे और मरीजों को 80 रुपये प्रति बोतल के हिसाब से बेचा जाता था।

न लाइसेंस, न बैच रिकॉर्ड, न बिल : औषधि विभाग की जांच में यह भी सामने आया कि इस तरह दवा की पैकिंग/उत्पादन के लिए आवश्यक मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस अथवा प्रोडक्ट परमिशन उपलब्ध नहीं थी। इसके अलावा बैच मैन्युफैक्चरिंग रिकॉर्ड, स्टॉक रजिस्टर तथा बिक्री बिल या कैश मेमो जैसे आवश्यक दस्तावेज भी मौके पर नहीं मिले। बोतलों पर दवा का नाम, निर्माता का पता, कंपोजिशन, बैच नंबर, निर्माण एवं एक्सपायरी तारीख तथा लाइसेंस नंबर जैसी आवश्यक कानूनी जानकारियां भी दर्ज नहीं थीं। विभाग ने संदिग्ध दवा के नमूने सरकारी प्रयोगशाला में भेज दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 तथा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 के तहत संबंधित लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छह माह से छोटे बच्चों को लेकर FDCA की अहम अपील

खाद्य एवं औषधि नियमन प्रशासन (FDCA) ने नागरिकों से अपील की है कि विशेषज्ञ बाल रोग चिकित्सक की सलाह के बिना छह माह से कम उम्र के बच्चों को मां के दूध के अलावा कोई भी भोजन, घुट्टी, दवा या अन्य तरल पदार्थ नहीं दिया जाना चाहिए। बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए केवल प्रमाणित और पंजीकृत चिकित्सा विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार ही दवाओं का इस्तेमाल करने की अपील की गई है।

क्या है मामला?

धोलिकुई स्थित एक क्लिनिक पर औषधि विभाग का छापा। बिना लेबल की 100 एमएल की 160 बोतलें जब्त। करीब 1,000 खाली बोतलें और 'रातवानी दवा' के लेबल मिले। विटामिन B-Complex के 92 बड़े कंटेनर भी जब्त। कुल 66,400 रुपये का मुद्देमाल सीज। बिना आवश्यक लाइसेंस दवा की री-पैकिंग कर बिक्री का आरोप। संदिग्ध दवा के नमूने सरकारी प्रयोगशाला भेजे गए।

मिल्की मिस्ट डेयरी फूड का 1,553 करोड़ का आईपीओ 11 अगस्त को खुलेगा

133 से 140 प्रति शेयर तय हुआ प्राइस बैंड; 13 अगस्त तक निवेशकों के लिए खुला रहेगा इश्यू

तरुणमित्र, नम्रता गोसावी

मुंबई, भारत के तेजी से बढ़ते डेयरी और वैल्यू-एडेड फूड उत्पाद बाजार की प्रमुख कंपनी मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार, 11 अगस्त 2026 को खोलने जा रही है। कंपनी ने 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए 133 से 140 का प्राइस बैंड तय किया है। आईपीओ 13 अगस्त 2026 को बंद होगा, जबकि एंकर निवेशकों के लिए बोली 10 अगस्त को होगी।

कंपनी के आईपीओ का कुल आकार 1,553 करोड़ तक है। इसमें 1,428 करोड़ तक का फ्रेश इश्यू और मौजूदा शेयरधारकों की ओर से 125 करोड़ तक का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस के तहत प्रमोटर सतीशकुमार टी 75 करोड़ तक और अनिता एस 50 करोड़ तक के शेयरों की बिक्री करेंगी।निवेशक न्यूनतम 107 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे और इसके बाद 107 शेयरों के गुणकों में आवेदन किया जा सकेगा। ऊपरी मूल्य बैंड 140 पर न्यूनतम एक लॉट के लिए निवेश राशि 14,980 होगी। पात्र कर्मचारियों को कर्मचारी आरक्षण हिस्से में प्रति शेयर 13 की छूट दी जाएगी। आईपीओ से पहले कंपनी ने 357 करोड़ का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट भी सफलतापूर्वक पूरा किया है। इसमें 5,43,789 इक्विटी शेयर और 2.5 करोड़ अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय वरीयता शेयर (CCPS) 139.76 प्रति सिक्योरिटी की कीमत पर आवंटित किए गए। कंपनी के अनुसार, यह निवेशकों के बीच उसके विकास की संभावनाओं को लेकर मजबूत भरोसे को दर्शाता है। आईपीओ के तहत जुटाई जाने वाली पूंजी से कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलने और भविष्य की विस्तार योजनाओं को समर्थन मिलने की उम्मीद है। मिल्की मिस्ट डेयरी एवं वैल्यू-एडेड फूड उत्पादों के तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने पर जोर दे रही है।सेबी आईसीडीआर नियमों के अनुरूप बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के तहत लाए जा रहे इस इश्यू में शुद्ध ऑफर का अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित है। वहीं कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई)और कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई)के लिए उपलब्ध रहेगा।कंपनी के इक्विटी शेयरों को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) दोनों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है और एनएसई को इस इश्यू के लिए डेजिग्नेटेड स्टॉक एक्सचेंज बनाया गया है।एंकर निवेशकों को छोड़कर सभी निवेशकों के लिए एप्लीकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक्ड अमाउंट (एएसबीए) प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन करना अनिवार्य होगा। पात्र खुदरा निवेशक यूपीआई के माध्यम से भी आवेदन कर सकेंगे। आईपीओ का प्रबंधन जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, ऐक्सिस कैपिटल लिमिटेड और आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड कर रहे हैं, जो इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर्स हैं। मिल्की मिस्ट का यह आईपीओ ऐसे समय में आ रहा है जब भारत में डेयरी और वैल्यू-एडेड फूड उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। कंपनी को उम्मीद है कि सार्वजनिक निर्गम के जरिए जुटाई गई पूंजी उसकी वित्तीय क्षमता को मजबूत करने के साथ कारोबार के विस्तार और भविष्य की विकास योजनाओं को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

'स्वच्छ वलसाड' की मुहिम का श्रीगणेश: नारगोल बीच पर 1200 से अधिक लोगों ने चलाया मेगा सफाई अभियान

- इतिहास में पहली बार बड़े स्तर पर समुद्र तट की सफाई, 15 टन से अधिक प्लास्टिक-कपड़े सहित कचरा हटाया गया
- कलेक्टर नितिन सांगवान ने खुद कचरा उठाकर दिया स्वच्छता का संदेश; नारगोल से तिथल तक गंदगी करने वालों पर 1000 रुपये जुर्माने की चेतावनी

तरूणमित्र, वलसाड जिला।

वलसाड जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाने के संकल्प के साथ जिला प्रशासन ने रविवार से स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन का रूप देने की पहल शुरू की। जिला कलेक्टर नितिन सांगवान ने उमरगाम तहसील के नारगोल बीच पहुंचकर स्वयं कचरा उठाया और मेगा सफाई अभियान का शुभारंभ किया। नारगोल बीच पर आयोजित इस ऐतिहासिक सफाई अभियान में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, स्कूल-कॉलेजों, स्थानीय प्रशासन, ग्राम पंचायत, औद्योगिक संगठनों, पुलिस, वन विभाग और ग्रामीणों सहित 1200 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान के दौरान समुद्र की लहरों के साथ तट पर जमा हुए प्लास्टिक, कपड़े और अन्य कचरे सहित करीब 15 टन से अधिक कचरा एकत्र किया गया। कलेक्टर नितिन सांगवान ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि हर महीने के पहले रविवार को जिले में व्यापक सफाई अभियान चलाया जाए। इसी पहल के तहत नारगोल से अभियान की शुरुआत की गई। कलेक्टर ने स्वयं सफाई में हिस्सा लेकर अधिकारियों, संस्थाओं और आम लोगों को स्वच्छता को केवल अभियान नहीं बल्कि नियमित जिम्मेदारी बनाने का संदेश दिया।

पांच किलोमीटर लंबे नारगोल तट की सफाई का बड़ा लक्ष्य

नारगोल गांव की सरपंच स्वीटी यतीनभाई भंडारी के अनुसार नारगोल में करीब पांच किलोमीटर लंबा समुद्री तट है, जिसमें मालवण बीच, मांगेलवाड़ बीच और ईको टूरिज्म बीच शामिल हैं। रविवार को लगभग दो किलोमीटर समुद्री तट पर सफाई अभियान चलाया गया। समुद्र से बहकर आए प्लास्टिक और कपड़े के कचरे की मात्रा काफी अधिक थी। अभियान के दौरान तट का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा साफ किया गया, जबकि शेष हिस्से की सफाई के लिए भी आगे अभियान चलाने की योजना है। कलेक्टर ने समुद्र तट के अलग-अलग हिस्सों को विभिन्न संस्थाओं को सौंपकर उनकी नियमित सफाई और रखरखाव की जिम्मेदारी तय करने का सुझाव दिया, ताकि एक बार सफाई के बाद दोबारा कचरा जमा न हो और नारगोल बीच की सुंदरता बरकरार रहे।

1200 से ज्यादा लोगों ने संभाली सफाई की कमान

अभियान में नारगोल की सरपंच स्वीटी यतीनभाई भंडारी, टाटा वाडिया हाईस्कूल, जालाराम हाईस्कूल, दक्षिणा विद्यालय तथा माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक और आचार्य, नारगोल ग्राम पंचायत, उमरगाम नगरपालिका, उमरगाम टाउन का सोशियो क्लीनर ग्रुप, दहेरी ग्राम पंचायत, उमरगाम इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, रोटरी क्लब ऑफ उमरगाम, मरीन पुलिस कमांडो टीम, नारगोल मरीन पुलिस स्टेशन, वन विभाग तथा ग्रामीणों ने भाग लिया। जिला पंचायत सदस्य भाविनीबेन मीटना, तालुका पंचायत सदस्य उपेंद्र टंडेल, प्रांत अधिकारी निरव पटेल, तालुका विकास अधिकारी पंकज परमार, भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष जयप्रकाश भंडारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी भी अभियान में शामिल हुए।

गंदगी करने वालों पर 1000 रुपये का जुर्माना

नारगोल और तिथल सहित वलसाड जिले के सभी समुद्र तटों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ अब सख्ती की जाएगी। प्रशासन के अनुसार बीच पर कचरा फेंकते या गंदगी करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति की फोटो लेकर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। कलेक्टर ने पुलिस को ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नारगोल में शुरू हुआ यह अभियान केवल एक दिन की सफाई तक सीमित न रहे, बल्कि समुद्र तटों को स्वच्छ रखने के लिए लोगों की स्थायी भागीदारी सुनिश्चित हो—यही प्रशासन का लक्ष्य है। कलेक्टर के इस प्रयास की नारगोल के ग्रामीणों और ग्राम पंचायत ने सराहना करते हुए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटील ने किया किट वितरण, बच्चों के पोषण और स्वस्थ भविष्य पर दिया जोर

- नवसारी में आंगनवाड़ी बच्चों को मिला 'सुपोषण आहार किट' का सहारा
- गणदेवी रोड स्थित बी.आर. फार्म में विशेष कार्यक्रम, मंत्री नरेशभाई पटेल समेत जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक रहे मौजूद

तरूणमित्र, नवसारी

नवसारी के गणदेवी रोड स्थित बी.आर. फार्म में रविवार को आंगनवाड़ी बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एवं नवसारी के सांसद सी.आर. पाटील ने विशेष रूप से उपस्थित होकर जिले की आंगनवाड़ी के बच्चों को 'सुपोषण आहार किट' का वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के पोषण और उनके स्वस्थ विकास को लेकर चलाए जा रहे प्रयासों को रेखांकित किया गया। आंगनवाड़ी के माध्यम से बच्चों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने की दिशा में ऐसे कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण बताया गया। इस अवसर पर राज्य सरकार के मंत्री नरेशभाई पटेल, नवसारी के मेयर अशोकभाई धोराजिया, नवसारी जिला भाजपा अध्यक्ष भूराभाई शाह, सूरत शहर भाजपा अध्यक्ष परेशभाई पटेल, विधायक राकेशभाई देसाई तथा सूरत शहर के पूर्व महामंत्री किशोरभाई बिंदल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बच्चे और नागरिक शामिल हुए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई।

क्या है 'सुपोषण आहार किट' का उद्देश्य? : 'सुपोषण आहार किट' के वितरण का उद्देश्य बच्चों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने की पहल को मजबूत करना है। कार्यक्रम में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में आंगनवाड़ी बच्चों को किट वितरित की गईं। सुपोषण आहार किट जैसी पहल के माध्यम से आंगनवाड़ी से जुड़े बच्चों को पोषणयुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने और उनके स्वास्थ्य एवं विकास को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाता है। बाल्यावस्था में उचित पोषण बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

पारनेरा डूंगर पर गूंजा स्वच्छता का संदेश, जिला सूचना कार्यालय की टीम ने चलाया सफाई अभियान

तरूण मित्र

वलसाड। जिला कलेक्टर नितिन सांगवान के आह्वान पर प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता अभियान चलाने की पहल के तहत रविवार को जिला सूचना कार्यालय की टीम ने वलसाड के ऐतिहासिक पारनेरा डूंगर पर व्यापक सफाई अभियान चलाया। जिला सूचना कार्यालय के उप सूचना निदेशक उमेशभाई बाविसा के नेतृत्व में टीम ने पारनेरा डूंगर स्थित महाकाली माता मंदिर, चंडिका, अंबिका एवं नवदुर्गा माता मंदिर तथा टेबल प्वाइंट सहित विभिन्न स्थानों पर सफाई की। अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में पानी की खाली बोतलें, पान-मावा व गुटखा के खाली पाउच, पैकेट फूड के रैपर, प्लास्टिक की थैलियां और बच्चों के डायपर समेत अन्य कचरा एकत्र कर हटाया गया। टीम ने पारनेरा डूंगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने की दिशा में सराहनीय प्रयास किया। मानसून के दौरान पारनेरा डूंगर हरियाली की चादर ओढ़कर बेहद खूबसूरत नजर आता है। यही वजह है कि इस मौसम में यहां पर्यटकों और श्रद्धालुओं की आवाजाही भी बढ़ जाती है। ऐसे में ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर को स्वच्छ रखना केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जिला सूचना कार्यालय की टीम ने सफाई अभियान के माध्यम से लोगों से अपील की कि पर्यटन स्थलों पर कचरा न फैलाएं, प्लास्टिक का उपयोग कम करें और कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें। स्वच्छ पारनेरा डूंगर के जरिए स्वच्छ वलसाड का संदेश भी दिया गया। अभियान में जिला सूचना कार्यालय के उप कार्यपालक अभियंता सुनील मेहता, सूचना सहायक जिग्नेश सोलंकी एवं सलोनी पटेल, टेक्निकल असिस्टेंट महेश पटेल, ऑपरेटर प्रफुल पटेल, फोटोग्राफर हिमेश पटेल, चालक योगेश पटेल एवं यश आहिर, सेवक नरेश आहिर, यामिनी पटेल, धर्मेश पटेल और कुणाल आहिर सहित कार्यालय के कर्मचारी शामिल हुए।

दमन में टूरिज्म की चमक, उमरगाम में 660 करोड़ की पाइपलाइन पर उठे सवाल

70 MLD औद्योगिक एफ़्लुएंट समुद्र में छोड़ने की योजना से मछुआरों और तटीय पर्यावरण पर चिंता; नदी से समुद्र तक प्रदूषण के स्थानांतरण पर मांगा गया जवाब

तरूण मित्र, कुमार कृष्ण "गौतम"

वापी/दमन। दमन को पर्यटन हब बनाने की तैयारियों के बीच गुजरात के उमरगाम तट पर प्रस्तावित करीब 660.36 करोड़ रुपये की औद्योगिक एफ़्लुएंट पाइपलाइन परियोजना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। योजना के तहत वापी के कॉमन एफ़्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (CETP) की क्षमता 55 MLD से बढ़ाकर 70 MLD करने और उपचारित औद्योगिक पानी को ऑनशोर-ऑफशोर पाइपलाइन के जरिए अरब सागर में डिस्चार्ज करने की तैयारी है।

वापी के औद्योगिक क्षेत्र की बड़ी संख्या में इकाइयों से निकलने वाला रासायनिक अपशिष्ट CETP तक पहुंचता है। अब तक इसके निपटान में दमणगंगा नदी की भूमिका रही है। प्रस्तावित समुद्री पाइपलाइन को नदी के प्रदूषण भार को कम करने के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या नदी से प्रदूषण हटाकर उसे समुद्र में स्थानांतरित करना ही स्थायी समाधान है? 70 MLD यानी प्रतिदिन करीब 7 करोड़ लीटर उपचारित औद्योगिक पानी। इसे समुद्र में छोड़ने से पहले डिस्चार्ज पॉइंट की दूरी, पाइपलाइन की लंबाई, समुद्र की गहराई, डिफ्यूजर डिजाइन और समुद्री धाराओं पर वैज्ञानिक अध्ययन बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। अरब सागर कोई स्थिर जलाशय नहीं है। ज्वार-भाटा, मानसूनी हवाएं और समुद्री धाराएं प्रदूषकों को तट की ओर वापस ला सकती हैं। उमरगाम, सरिगाम और आसपास के तटीय क्षेत्रों में पारंपरिक मछुआरों की आजीविका समुद्र पर निर्भर है। ऐसे में सवाल केवल पानी के डिस्चार्ज का नहीं, बल्कि मछलियों, समुद्री जैव-विविधता, तलछट और तटीय पारिस्थितिकी पर संभावित प्रभाव का भी है। यदि उपचारित एफ़्लुएंट में TDS, COD, अमोनिकल नाइट्रोजन, भारी धातुओं या अन्य रासायनिक अवशेष निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं रहे, तो इसका असर समुद्री पर्यावरण पर पड़ सकता है।

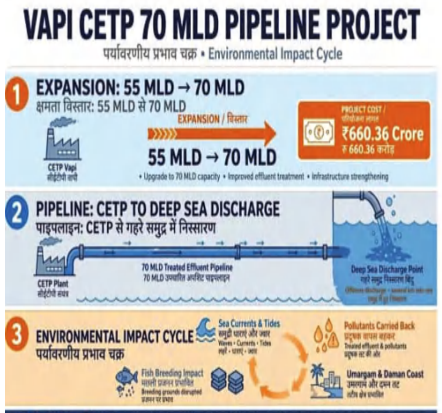

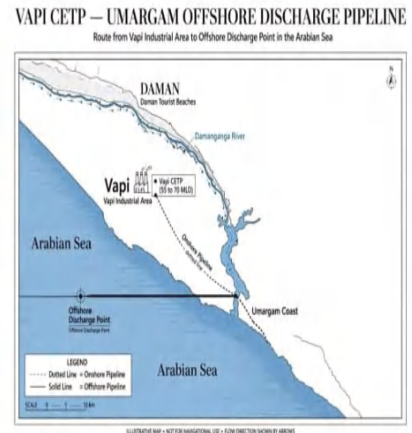

दमन का पर्यटन मॉडल बनाम उमरगाम की समुद्री चिंता

दमन में बीच टूरिज्म, वाटर स्पोर्ट्स और पर्यटन सुविधाओं को बढ़ावा देने की तैयारी है। दूसरी ओर, कुछ ही दूरी पर उमरगाम तट पर औद्योगिक एफ़्लुएंट के समुद्री डिस्चार्ज की योजना प्रस्तावित है। ऐसे में बड़ा सवाल है—क्या एक तट को पर्यटन से चमकाने की कोशिश दूसरे तट के पर्यावरणीय जोखिम की कीमत पर की जा सकती है? परियोजना का विरोध नहीं, बल्कि पारदर्शिता और वैज्ञानिक जवाबदेही जरूरी है। प्रशासन और परियोजना एजेंसी को सार्वजनिक करना चाहिए कि अंतिम डिस्चार्ज पॉइंट कहां होगा, पाइपलाइन समुद्र में कितनी दूर और कितनी गहराई तक जाएगी, हाइड्रोडायनामिक मॉडलिंग किस विशेषज्ञ संस्था से कराई गई है और 70 MLD एफ़्लुएंट की गुणवत्ता की रियल-टाइम निगरानी कैसे होगी। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि CRZ क्षेत्र में मछुआरा समुदायों और स्थानीय हितधारकों से क्या परामर्श हुआ है तथा दमणगंगा नदी में एफ़्लुएंट डिस्चार्ज पूरी तरह बंद होगा या समुद्री पाइपलाइन केवल अतिरिक्त विकल्प के रूप में इस्तेमाल होगी। विकास जरूरी है, लेकिन सवाल यह है कि विकास का लाभ किसे और उसकी पर्यावरणीय कीमत कौन चुकाएगा?

दस साल पुराने भूमि विवाद का समाधान, महिला को दिलाया वैकल्पिक भूखंड पर कब्जा

डीएम के निर्देश पर एसडीएम न्यायिक ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों की मौजूदगी में कराया समझौता

तरुणमित्र

कुशीनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देश पर प्रशासन ने दस वर्षों से चले आ रहे भूमि विवाद का समाधान कर एक महिला को राहत दिलाई। उपजिलाधिकारी न्यायिक पडरौना डॉ. संतराज सिंह बघेल ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों की बात सुनी और ग्रामीणों की मौजूदगी में आपसी सहमति से विवाद का निस्तारण कराया। प्रशासन की इस पहल के बाद पीड़िता संतरी देवी को अब लंबे समय से चल रही मुकदमेबाजी से राहत मिलने की उम्मीद है। नगर

पंचायत छितौनी, तहसील खड्डा और थाना हनुमानगंज क्षेत्र की निवासी संतरी देवी पत्नी स्वर्गीय सीताराम ने तीन अगस्त को जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्या रखी थी। उन्होंने बताया कि उनके नाम गाटा संख्या 85 मि. में कुल 1600 वर्गमीटर भूमि है। पति की मृत्यु के बाद उनके देवर रामेश्वर ने करीब 180 वर्गमीटर भूमि पर कब्जा कर पक्का मकान बना लिया था। महिला के अनुसार, वह वर्ष 2017 से अपने हक के लिए सिविल कोर्ट में पैरवी कर रही थीं और वर्ष 2019 में धारा 134 के तहत भी मुकदमा दाखिल किया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने एसडीएम न्यायिक पडरौना डॉ. संतराज सिंह बघेल को सात दिनों के भीतर नियमानुसार कार्रवाई कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही एसडीएम न्यायिक मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से बातचीत कर मामले की पड़ताल की। जांच के दौरान सामने आया कि विवादित 180 वर्गमीटर भूमि पर रामेश्वर ने पक्का मकान बना रखा है। मौके पर गांव के बुजुर्गों और संभ्रांत लोगों की मौजूदगी में चौपाल लगाकर दोनों पक्षों के बीच समाधान का रास्ता निकाला गया। समझौते के तहत महिला को विवादित भूमि के मूल्य के समतुल्य उनके देवर के गाटा संख्या 848 में वैकल्पिक भूमि दिलाई गई। विवादित जमीन की अपेक्षाकृत अधिक कीमत होने के कारण 180 वर्गमीटर के बदले संतरी देवी को 240 वर्गमीटर भूमि मिली। प्रशासन की मध्यस्थता और ग्रामीणों की मौजूदगी में हुए इस समझौते से दोनों पक्ष संतुष्ट हुए। करीब दस वर्षों से चले आ रहे विवाद का समाधान होने के बाद पीड़िता ने राहत जताई। इस समाधान से उन्हें लंबे समय से चल रही न्यायालयी पैरवी से भी निजात मिलने की उम्मीद है। एसडीएम न्यायिक डॉ. बघेल ने कहा कि आपसी सहमति और सुलह-समझौते के माध्यम से पुराने विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है। प्रशासन का प्रयास है कि ऐसे मामलों में सभी पक्षों की बात सुनकर नियमानुसार त्वरित और न्यायसंगत समाधान कराया जाए। मौके पर प्रभारी कानूनगो मधुकर श्रीवास्तव, लेखपाल धर्मेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

फर्जी कागजात बनवाकर 500 बीघा जमीन कब्जाने के आरोप में तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज

तरुणमित्र

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के दिल्ली रोड निवासी रविंद्र कुमार सागर ने सिविल लाइंस थाने में दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश 1 निवासी मो. अब्बास, मो. अब्दुल्ला, जफर नदीम और कुछ अज्ञात आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें आरोपितों पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर 500 बीघा जमीन कब्जाने और दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप है। रविंद्र कुमार सागर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश 1 निवासी मोहम्मद साजिद और उनकी पार्टनरशिप में मुरादाबाद थाना सिविल लाइन क्षेत्र में कोर्ट रोड पर 500 बीघा जमीन है। मो. साजिद अक्सर भारत से बाहर रहते हैं। साजिद के विदेश में रहने का फायदा उठाकर उनके भाई अब्बास, अब्दुल्ला और जफर नदीम ने उनकी और अपने भाई की जमीन हड़पने का प्रयास किया।

आरोपितों ने साजिद के फर्जी हस्ताक्षर कर दस्तावेज और एक फर्जी पारिवारिक समझौतानामा तैयार किया। इसके बाद आरोपितों ने जमीन का फर्जी दस्तावेज तैयार करा लिया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने उन्हें बीती 14 जुलाई को जमीन पर से अपना कब्जा छोड़ देने की धमकी दी और दो करोड़ रुपये की रंगदारी भी मांगी है। पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रविवार को मामले में तीन नामजद और कुछ अज्ञात आरोपितों के प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नम आंखों से जवान राजेंद्र यादव को अंतिम विदाई, तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर पहुंचते ही मचा कोहराम

सीआरपीएफ जवान राजेंद्र यादव पंचतत्व में विलीन, गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुआ अंतिम संस्कार

तरुणमित्र

बिंद्राबाजार/आजमगढ़। असम में तैनात सीआरपीएफ जवान राजेंद्र यादव का पार्थिव शरीर रविवार भोर करीब 4:30 बजे उनके पैतृक गांव कोनौली उत्तरगांवा पहुंचा। तिरंगे में लिपटा जवान का पार्थिव शरीर देखते ही परिजनों का धैर्य टूट गया। पत्नी उर्मिला देवी समेत परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। जवान के अंतिम दर्शन के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और क्षेत्रीय लोग उनके आवास पर जुटे रहे। राजेंद्र यादव वर्ष 1988 में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में भर्ती हुए थे। वर्तमान में उनकी तैनाती असम में थी। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार दोपहर अचानक हार्ट अटैक आने से उनकी तबीयत बिगड़ गई। कैंप में मौजूद साथी जवान उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी किए जाने के बाद पार्थिव शरीर को हवाई मार्ग से बाबतपुर लाया गया। वहां से रविवार भोर में पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव कोनौली उत्तरगांवा पहुंचाया गया। अंतिम दर्शन के बाद सुबह करीब नौ बजे पार्थिव शरीर को जौनपुर स्थित राजघाट ले जाया गया, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सीआरपीएफ जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम सलामी दी। राजेंद्र यादव तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो पुत्र और एक पुत्री हैं। उनके निधन की खबर से गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। मृतक जवान के बड़े पुत्र मनोज यादव ने उन्हें मुखाग्नि दी। जवान के अंतिम दर्शन और शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में भाजपा नेता डॉ. कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, सपा नेता रामनयन यादव, विनीत राय, इंजीनियर संजय यादव, शशिकांत उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग शामिल रहे। सभी ने दिवंगत जवान के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया।

श्रावण में सेवा की मिसाल बनी 'बृज की रसोई', जरूरतमंदों को कराया सम्मानपूर्वक भोजन

आशियाना में प्रत्येक रविवार जारी है निःशुल्क भोजन अभियान, संस्था ने सेवा के साथ सामाजिक समरसता का दिया संदेश

तरुणमित्र

लखनऊ। श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना के साथ मानव सेवा का संकल्प भी शहर में दिखाई दे रहा है। इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी द्वारा संचालित 'बृज की रसोई' की ओर से रविवार को आशियाना क्षेत्र में निःशुल्क भोजन सेवा का आयोजन किया गया। संस्था के स्वयंसेवकों ने निर्धन, निराश्रित, असहाय और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचकर उन्हें सम्मानपूर्वक भोजन कराया। पूज्य बाबा नीम करौली महाराज को प्रेरणास्रोत मानकर संचालित इस सेवा अभियान का उद्देश्य आर्थिक अभाव के कारण किसी जरूरतमंद को भूखा न रहने देना है। भोजन वितरण के दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न चिन्हित स्थानों पर पहुंचकर लोगों को भोजन उपलब्ध कराया। संस्था के सीएच तिवारी ने कहा कि भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा, समानता और सामाजिक संवेदना से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों तक

सम्मानपूर्वक भोजन पहुंचाना समाज के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जालिम सिंह ने कहा कि संविधान में निहित मानवीय गरिमा और सामाजिक समरसता की भावना को व्यवहार में उतारते हुए 'बृज की रसोई' लगातार यह प्रयास कर रही है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई व्यक्ति भूखा न सोए। बलवंत सिंह ने कहा कि किसी भूखे चेहरे पर भोजन के बाद दिखाई देने वाली संतुष्टि और मुस्कान ही इस सेवा अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि है। संस्था के संस्थापक विपिन कुमार शर्मा ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना और लोककल्याण की भावना का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि सेवा का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति को सम्मान, अपनत्व और विश्वास का एहसास कराना भी है। उन्होंने समाज के सक्षम वर्ग से आगे आकर ऐसी मानवीय सेवा में सहयोग करने की अपील की। अनुराग दुबे ने बताया कि समाज के सहयोग और स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता से यह अभियान लगातार जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। वहीं दीपक भुटियानी ने कहा कि बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद तक सम्मानपूर्वक सहायता पहुंचाना ही मानवता की सच्ची सेवा है। विकास पाण्डेय ने बताया कि स्वयंसेवकों की सामूहिक भागीदारी से विभिन्न स्थानों पर भोजन वितरण व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित की गई। रोहित साहू ने कहा कि भोजन के बाद किसी जरूरतमंद के चेहरे पर दिखाई देने वाली संतुष्टि ही अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है। अखिलेश सिंह ने बताया कि संस्था प्रत्येक रविवार इस सेवा अभियान को निरंतर जारी रखते हुए अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का प्रयास कर रही है। भोजन वितरण सेवा में सीएच तिवारी, जालिम सिंह, बलवंत सिंह, विकास पाण्डेय, दीपक भुटियानी, उमाशंकर यादव, रोहित साहू, अनुराग दुबे, मुकेश कनौजिया, अखिलेश सिंह, रामचंद्र यादव और गोविन्द सिंह समेत अनेक स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। 'हर निवाले में सेवा और हर चेहरे पर मुस्कान' के संकल्प के साथ चल रहा यह अभियान श्रावण मास में भक्ति के साथ सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश कर रहा है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर गुणवत्ता का सवाल, IIT-CRRI से फोरेंसिक जांच कराने की मांग

उद्घाटन के बाद लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता पर सवाल, 25 बिंदुओं पर NHAI से मांगी RTI सूचना

तरुणमित्र

गोरखपुर। करीब 4,700 करोड़ की लागत से निर्मित लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे परियोजना को लेकर उद्घाटन के बाद सामने आई कथित तकनीकी खामियों और सड़क धंसने संबंधी खबरों ने निर्माण गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए ऑल इंडिया ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन ने परियोजना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पन्नेलाल यादव ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व की इतनी बड़ी अवसंरचना परियोजना के उद्घाटन के तुरंत बाद यदि तकनीकी समस्याओं से संबंधित शिकायतें या खबरें सामने आती हैं, तो इसकी गहन तकनीकी जांच आवश्यक हो जाती है। उन्होंने कहा कि मामला केवल निर्माण गुणवत्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि

इसमें सार्वजनिक धन, नागरिकों की सुरक्षा, प्रशासनिक जवाबदेही और परियोजना की निगरानी व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण पहलू जुड़े हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत कई स्तरों पर भेजी शिकायत संगठन के मुताबिक, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 13 जुलाई 2026 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा किया गया था। उद्घाटन के बाद विभिन्न समाचार माध्यमों में एक्सप्रेसवे के कुछ हिस्सों में कथित तकनीकी समस्याओं और सड़क धंसने संबंधी खबरें सामने आईं। इन खबरों में संबंधित हिस्से के पूरी तरह सुरक्षित और निर्धारित मानकों के अनुरूप होने तक टोल वसूली स्थगित किए जाने का भी उल्लेख किया गया। पन्नेलाल यादव ने बताया कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, NHAI के अध्यक्ष तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) को विस्तृत शिकायत-पत्र स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा गया है। NHAI से RTI के तहत 25 बिंदुओं पर मांगी सूचना मामले में पारदर्शिता और तथ्यात्मक स्थिति सामने लाने के लिए संगठन ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत NHAI के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (CPIO), क्षेत्रीय कार्यालय उत्तर प्रदेश तथा परियोजना निदेशक, लखनऊ को आवेदन भेजकर 25 बिंदुओं पर विस्तृत सूचनाएं मांगी हैं। RTI में परियोजना की प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृतियों, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR), निर्माण एजेंसी के चयन, अनुबंध की शर्तों, गुणवत्ता परीक्षण, थर्ड पार्टी निरीक्षण, निर्माण सामग्री की जांच, भुगतान, तकनीकी निरीक्षण, दोष दायित्व अवधि (Defect Liability Period), उद्घाटन से पहले जारी सुरक्षा एवं गुणवत्ता प्रमाणन तथा सड़क धंसने अथवा अन्य तकनीकी खामियों से संबंधित निरीक्षण रिपोर्ट की जानकारी मांगी गई है। इसके अलावा संबंधित अधिकारियों और अभियंताओं की जिम्मेदारी, मरम्मत कार्य, टोल संचालन से जुड़े निर्णय तथा परियोजना की निगरानी एवं गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित अभिलेख भी मांगे गए हैं।

IIT या CRRI से फोरेंसिक जांच की मांग -ऑल इंडिया ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन ने परियोजना की स्वतंत्र तकनीकी जांच के लिए IIT, केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (CRRI) अथवा किसी अन्य राष्ट्रीय स्तर की विशेषज्ञ संस्था से फोरेंसिक गुणवत्ता परीक्षण कराने की मांग की है। संगठन ने निर्माण प्रक्रिया, गुणवत्ता परीक्षण, अनुबंध, भुगतान, निरीक्षण और परियोजना की स्वीकृति से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कराने के साथ विशेष वित्तीय एवं तकनीकी ऑडिट की मांग भी की है। संगठन का कहना है कि यदि जांच में किसी निर्माण एजेंसी, अधिकारी, अभियंता, सलाहकार अथवा अन्य संबंधित पक्ष की लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार विभागीय एवं वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही जांच के निष्कर्षों को सार्वजनिक किए जाने की मांग भी की गई है।

'बिना जांच किसी को दोषी ठहराना उद्देश्य नहीं' -पन्नेलाल यादव ने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसी व्यक्ति, अधिकारी, अभियंता या संस्था को बिना जांच दोषी ठहराना नहीं है। संगठन केवल यह चाहता है कि पूरे मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और विशेषज्ञों के माध्यम से जांच हो तथा वास्तविक तथ्य सामने आएं। उन्होंने कहा कि यदि जांच में कोई अनियमितता नहीं मिलती है तो इसकी जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए। वहीं, यदि लापरवाही, भ्रष्टाचार या निर्माण गुणवत्ता से समझौते की पुष्टि होती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के धन से तैयार होने वाली राष्ट्रीय अवसंरचना परियोजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच और तथ्यों का सार्वजनिक होना न केवल नागरिकों की सुरक्षा के लिए जरूरी है, बल्कि इससे सरकारी परियोजनाओं में जनता का विश्वास भी मजबूत होता है।

अयोध्या : श्रद्धालुओं को फिसलन से बचाने के लिए नागेश्वरनाथ में बिछाई गई मैट

तरुणमित्र

अयोध्या। सावन झूला मेला के दौरान अयोध्या आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए नगर निगम ने

तैयारियां पूरी कर ली है। नागेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक और दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं को फिसलन से बचाने के लिए मंदिर परिसर में मैट बिछाई गई है। सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए नगर निगम की टीम के साथ महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने नागेश्वरनाथ मंदिर और आसपास के मेला क्षेत्र का रविवार को भ्रमण किया। उन्होंने जलाभिषेक के मद्देनजर साफ-सफाई, पेयजल और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। महापौर ने निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जाए और सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने राम की पैड़ी और सरयू घाट पर बनाए गए चेंजिंग रूम की व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही मेला क्षेत्र में लगातार सफाई और निगरानी बनाए रखने को कहा।महापौर ने कहा कि सावन मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नगर निगम की टीमें लगातार सक्रिय रहें।इस दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ और सफाई निरीक्षक देवी प्रसाद शुक्ल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

हादसे में जान गंवाने वाले चौकीदार के परिवार के साथ खड़ी हुई गंभीरपुर पुलिस, दी 22,500 रुपये की आर्थिक मदद

थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने जुटाई सहयोग राशि, परिजनों को हरसंभव सहायता का भरोसा

तरुणमित्र

बिंद्राबाजार, आजमगढ़। सड़क हादसे में गंभीरपुर थाने में तैनात चौकीदार राम नगीना की मौत के बाद उनके परिवार की आर्थिक मदद के लिए गंभीरपुर पुलिस आगे आई। थाना प्रभारी अमित कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने आपसी सहयोग से 22,500 रुपये की राशि जुटाकर मृतक के परिजनों को सौंपते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के सद्दोपट्टी गांव निवासी चौकीदार राम नगीना की पांच अगस्त की शाम करीब पांच बजे सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। बताया गया कि पिकअप वाहन की टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए और

मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी अमित कुमार त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ मृतक के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए थाना परिसर में तैनात पुलिसकर्मियों ने स्वेच्छा से सहयोग राशि एकत्र करने का निर्णय लिया। पुलिसकर्मियों के योगदान से जुटाई गई 22,500 रुपये की नकद सहायता राशि मृतक के परिजनों को सौंपते हुए उन्हें इस कठिन समय में साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि विभागीय स्तर के साथ-साथ शासन से मिलने वाली नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी हरसंभव प्रयास किया जाएगा। पुलिस की इस पहल को महज आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि अपने ही विभाग के दिवंगत कर्मचारी के परिवार के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। गंभीरपुर पुलिस की इस मानवीय पहल की क्षेत्र में भी सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों ने कहा कि संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ा होना पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली का उदाहरण है। इस दौरान उपनिरीक्षक योगेश सरोज, हेड कांस्टेबल शाहिद कमल समेत थाना पुलिस के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

गाजियाबाद-हापुड़ में हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर हुई पुष्प वर्षा, जयकारों से गूंजा कांवड़ मार्ग

तरुणमित्र

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा की धूम है। प्रशासनिक मशीनरी कानून व्यवस्था बनाते हुए कांवड़ियों की सुरक्षित यात्रा के लिए प्रयासरत है। जगह-जगह स्वागत में भंडारे व स्वास्थ्य शिविर लगाए हुए हैं। रविवार को गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्ति और आस्था का नजारा दिखा जब गाजियाबाद प्रशासन ने कांवड़ मार्ग से गुजर रहे कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की। आसमान से फूल बरसते देख कांवड़ियों में उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई। सभी कांवड़ियों

ने जयकारा लगाकर माहौल को भक्तिभाव से भर दिया।पुष्पवर्षा के समय कांवड़ मार्ग हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। जिला प्रशासन की ओर से कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इंतजाम किए गए हैं। शासन स्तर से भी समय समय पर आदेश निर्देश जारी किए जा रहे हैं और लगातार समीक्षा बैठकें भी हो रही हैं। कांवड़ियों के समूह भी योगी सरकार द्वारा की जा रही व्यवस्था से पूरी तरह से संतुष्ट दिखे। इसी प्रकार आज हापुड़ जिले में भी अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा पर निकले कांवडियों के स्वागत में गढ़मुक्तेश्वर के बृजघाट और छपकौली मंदिर क्षेत्र में शिवभक्तों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की। पुष्पवर्षा से ब्रजघाट गंगा तट और बाबूगढ़ क्षेत्र 'बम-बम भोले' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंजा। हरिद्वार से गंगाजल लेकर आ रहे कांवड़ियों ने प्रशासन के पुष्पवर्षा को सराहा और खुशी जताई। जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक ज्ञानंजय सिंह ने कांवड़ियों का स्वागत किया। अधिकारियों ने कहा कि पुष्पवर्षा से कांवडियों का स्वागत किया गया है। अधिकारियों ने इस मौके पर कांवडियों से जुडी व्यवस्थाओं की भी पड़ताल की।गौरतलब है कि शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ के शिव चौक पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत सत्कार किया था।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
www.tarunmitra.in
श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

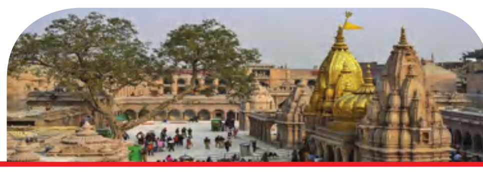

संक्षिप्त समाचार

महादेव मंदिर में आज सजेगा आस्था का भंडारा, मनीष सिंह के सहयोग से होगा आयोजन

▪ श्रद्धालुओं के लिए तैयार हुआ प्रसाद, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजेगा मंदिर परिसर

समाजसेवी मनीष सिंह

तरुणमित्र शाहगंज, जौनपुर। सावन की आस्था और सेवा भाव के बीच शाहगंज नगर स्थित महादेव मंदिर परिसर में रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समाजसेवी मनीष सिंह के सहयोग से आयोजित होने वाले इस भंडारे को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है। आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की टीम व्यवस्था संभालने में जुटी है। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए प्रसाद वितरण, भीड़ प्रबंधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को व्यवस्थित किया गया है। समाजसेवी मनीष सिंह ने नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं से भंडारे में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे आयोजन समाज में सेवा, सद्भाव और आपसी सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं। महादेव की कृपा से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।

सेवा और श्रद्धा का संगम -भंडारे को लेकर स्थानीय लोगों में भी खासा उत्साह है। मंदिर परिसर में रविवार को दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही रहने की संभावना है। भंडारे के दौरान 'हर-हर महादेव' के जयघोष से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर होने की उम्मीद है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण ढंग से पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने तथा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। आयोजन समिति का कहना है कि अधिक से अधिक लोगों तक प्रसाद पहुंचाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

महिला सुरक्षा और स्वावलंबन को लेकर महिलाओं को किया जागरूक

▪ कन्हईपुर में महिला थाना पुलिस ने लगाई चौपाल, हेल्पलाइन नंबरों और सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

तरुणमित्र जौनपुर। महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, अधिकारों तथा स्वावलंबन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को लाइन बाजार थाना क्षेत्र के कन्हईपुर मोहल्ले में महिला थाना पुलिस की ओर से जागरूकता चौपाल आयोजित की गई। महिला थाना प्रभारी श्यामा तिवारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लिया। मिशन अभियान समग्र के तहत आयोजित चौपाल में महिला थाना प्रभारी ने महिलाओं को उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और आत्मनिर्भरता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में चुप रहने के बजाय तत्काल पुलिस अथवा संबंधित विभाग को सूचना देनी चाहिए। जागरूकता और समय पर सहायता लेना ही सुरक्षित समाज की मजबूत आधारशिला है।

आपात स्थिति में इन नंबरों पर करें संपर्क -श्यामा तिवारी ने महिलाओं को विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने पुलिस सहायता के लिए 112, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 102 और 108, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 तथा साइबर अपराध की शिकायत के लिए 1930 नंबर की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि साइबर ठगी, ऑनलाइन धोखाधड़ी, महिला उत्पीड़न अथवा किसी अन्य आपात स्थिति में बिना देर किए संबंधित हेल्पलाइन पर संपर्क करें। साथ ही अनजान लोगों के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी अथवा अन्य व्यक्तिगत विवरण साझा न करने की सलाह दी गई।

सरकारी योजनाओं की भी दी जानकारी -चौपाल के दौरान महिलाओं को सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। इनमें विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, नशा मुक्ति भारत अभियान और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना प्रमुख रहीं। महिलाओं को योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्रता और आवश्यक प्रक्रिया के संबंध में भी जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में सभासद निशि सोनकर, राखी सिंह सहित महिला थाना पुलिस टीम और स्थानीय महिलाएं मौजूद रहीं। चौपाल के माध्यम से महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी विपरीत परिस्थिति में पुलिस एवं प्रशासन से सहायता लेने का संदेश दिया गया।

"75 कुंतल बर्फ से सजे बाबा बर्फानी, मड़ियाहूं में उमड़ा आस्था का सैलाब"

बर्फ में साकार हुए बाबा बर्फानी, मड़ियाहूं के मनकामेश्वर मंदिर में गूंजा हर-हर महादेव

तरुणमित्र

जौनपुर/मड़ियाहूं। सावन माह के पावन अवसर पर मड़ियाहूं नगर के मोहल्ला मिश्राना स्थित श्री मनकामेश्वर मंदिर परिसर में बाबा बर्फानी का भव्य श्रृंगार महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। महोत्सव के छठवें वर्ष श्रद्धालुओं के लिए बाबा बर्फानी का ऐसा मनोहारी स्वरूप तैयार किया गया, जो पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना रहा। प्रयागराज से आए कुशल कलाकारों ने करीब 75 कुंतल बर्फ से बाबा बर्फानी का भव्य एवं दिव्य स्वरूप तैयार किया। बर्फ से निर्मित शिवलिंग और आकर्षक सजावट ने मंदिर परिसर की आध्यात्मिक आभा को और बढ़ा दिया। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर तक जारी रहा। विधि-विधान से पूजा-अर्चना और बाबा के भव्य श्रृंगार के बाद श्रद्धालुओं ने दर्शन कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं में बाबा बर्फानी के दर्शन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। महोत्सव के दौरान आयोजित भव्य भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था को लेकर आयोजकों एवं सहयोगियों की ओर से विशेष प्रबंध किए गए थे। कार्यक्रम में मनीष मिश्रा, पवन विश्वकर्मा, दुर्गेश खरवार, विनोद शर्मा, मोहित जायसवाल, संदीप मौर्या, शिवम मौर्य, रवि सिन्हा, विधायक डॉ. आरके पटेल, विनोद जायसवाल, नागेश निगम (रामलीला अध्यक्ष), गुड्डु साहू, पत्रकार राहुल गुप्ता, अनिल गुप्ता समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। मड़ियाहूं में आयोजित बाबा बर्फानी का यह भव्य आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता का भी प्रतीक बना। बर्फ से निर्मित बाबा के दिव्य स्वरूप को देखने के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना की और इसे सावन माह का प्रमुख आकर्षण बताया।

शिव मंदिर में चला स्वच्छता अभियान, वनवासी बस्ती में बांटे गए तिरंगे

तरुणमित्र

▪ बीडीओ ने ग्रामीणों से की हर घर तिरंगा अभियान में भागीदारी की अपील, स्वच्छता और राष्ट्रभक्ति का दिया संदेश

चंदवक, जौनपुर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को विकासखंड डोभी के चंदवक स्थित शिव मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। खंड विकास अधिकारी अरविंद कुमार यादव के नेतृत्व में कर्मचारियों और ग्रामीणों ने मंदिर परिसर के अंदर और बाहर साफ-सफाई की। इस दौरान मंदिर के आसपास स्थित गांधी पार्क की भी सफाई कर परिसर को स्वच्छ बनाया गया। स्वच्छता अभियान के बाद बीडीओ अरविंद कुमार यादव चंदवक गांव की वनवासी बस्ती में पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को हर घर तिरंगा अभियान के उद्देश्य और महत्व की जानकारी देते हुए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों पर राष्ट्रध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान ग्रामीणों के बीच तिरंगे का वितरण भी किया गया। बीडीओ ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि अभियान के साथ लोगों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि स्वतंत्रता दिवस पर पूरे उत्साह के साथ घरों पर तिरंगा फहराएं और राष्ट्रध्वज की गरिमा एवं सम्मान का विशेष ध्यान रखें। इस अवसर पर लेखाकार लालजी, ग्राम पंचायत अधिकारी, पंचायत सहायक के पति आकाश यादव, दीनदयाल यादव, रोजगार सेवक अनिल सोनकर, जयप्रकाश समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

गैर-जमानती वारंट पर रामपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चार वारंटी गिरफ्तार

तरुणमित्र

▪ घरों पर दबिश देकर हुई गिरफ्तारी, न्यायालय में पेश किए गए सभी आरोपी

रामपुर (जौनपुर)। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुर थाना पुलिस ने रविवार को गैर-जमानती वारंटों के अनुपालन में बड़ी कार्रवाई की। पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर न्यायालय से जारी वारंट में वांछित चार वारंटी/अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं विजय चौधरी के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष रामपुर रमेश कुमार के नेतृत्व में की गई।

चार वारंटी गिरफ्तार:

रामपुर पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान इस प्रकार हुई :

रवि कुमार गौतम पुत्र शेषमदन गौतम, उम्र करीब 38 वर्ष, निवासी ग्राम सिधवन, थाना रामपुर, जौनपुर।

बोधे हरिजन पुत्र गरीब हरिजन, उम्र करीब 65 वर्ष, निवासी ग्राम रकबा गोपालापुर, थाना रामपुर, जौनपुर।

निरपत पाल पुत्र सोरही, उम्र करीब 80 वर्ष, निवासी ग्राम हाजीपुर फत्तनपुर, थाना रामपुर, जौनपुर। बिटना देवी पत्नी निरपत पाल, उम्र करीब 75 वर्ष, निवासी ग्राम हाजीपुर फत्तनपुर, थाना रामपुर, जौनपुर।

पुलिस टीम ने न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंटों के अनुपालन में आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी और चारों को गिरफ्तार किया। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर सभी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अभियान में शामिल रही पुलिस टीम :कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक देवकुमार चौबे, चौकी प्रभारी सिधवन, उपनिरीक्षक महंगू यादव, चौकी प्रभारी गोपालापुर, हेड कांस्टेबल बुल्लू सिंह, कांस्टेबल राजा कुमार, कांस्टेबल निर्भय निषाद तथा महिला कांस्टेबल रानी सिंह शामिल रहीं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंटों के प्रभावी अनुपालन और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस का कहना है कि वारंटियों की गिरफ्तारी में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और न्यायालय के आदेशों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

19,900 तिरंगों से सजेगा डोभी, महिलाओं ने संभाली राष्ट्रध्वज तैयार करने की जिम्मेदारी

तरुणमित्र

▪ 30 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं दिन-रात जुटीं, 9 अगस्त से घर-घर पहुंचेगा तिरंगा; 15 अगस्त तक हर घर पर ध्वजारोहण का लक्ष्य

डोभी (जौनपुर)। स्वतंत्रता दिवस को लेकर डोभी विकासखंड में 'हर घर तिरंगा' अभियान की तैयारियां जोर पकड़ चुकी हैं। विकासखंड के बोड़सर और कुसम्ही हरिहरपुर चंदवक गांव में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी करीब 30 महिलाएं 19,900 तिरंगे तैयार करने में जुटी हैं। महिलाओं के हाथों तैयार हो रहे ये तिरंगे स्वतंत्रता दिवस पर डोभी के गांवों में देशभक्ति का रंग बिखेरेंगे। 9 अगस्त से तिरंगों को घर-घर पहुंचाने का अभियान शुरू होगा। ग्राम पंचायत सचिवों और ग्राम प्रधानों के माध्यम से विकासखंड के विभिन्न गांवों में प्रत्येक परिवार तक राष्ट्रीय ध्वज पहुंचाने की योजना बनाई गई है। प्रशासन का लक्ष्य है कि 15 अगस्त तक विकासखंड के प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराया जाए। शनिवार को खंड विकास अधिकारी अरविंद कुमार यादव ने तिरंगा निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने समूह की महिलाओं से तैयार किए जा रहे झंडों की संख्या, गुणवत्ता और निर्माण की गति की जानकारी ली। इस दौरान महिलाएं पूरी सक्रियता के साथ तिरंगे तैयार करती मिलीं। बीडीओ ने निर्धारित लक्ष्य को समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

महिलाओं के हाथों में तिरंगे की कमान -तिरंगा तैयार करने में जुटी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की भूमिका अभियान में खास है। महिलाएं कपड़े की कटिंग से लेकर सिलाई और तिरंगे को अंतिम रूप देने तक का कार्य कर रही हैं। प्रशासन की ओर से उन्हें समयबद्ध तरीके से निर्धारित संख्या में झंडे तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। खंड विकास अधिकारी अरविंद कुमार यादव ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां समय से पूरी की जा रही हैं। समूह की महिलाओं को निर्धारित समय में झंडों का निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद ग्राम पंचायत स्तर पर उनका वितरण सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक घर तक तिरंगा पहुंचाने के साथ ही ग्रामीणों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना है।

गांव-गांव पहुंचेगा देशभक्ति का संदेश -विकासखंड में हजारों तिरंगे तैयार होने के बाद अब इनके वितरण की तैयारी शुरू हो गई है। 9 अगस्त से घर-घर तिरंगा पहुंचने के साथ ही गांवों में स्वतंत्रता दिवस को लेकर उत्साह और बढ़ने की उम्मीद है। प्रशासनिक अमला ग्राम पंचायतों के माध्यम से अभियान को व्यापक रूप देने में जुटा है।

भाजपा सरकार किसानों की सच्ची हितैषी : देवेंद्र सिंह

औरैया, 09 अगस्त (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी देवेंद्र सिंह का रविवार को लखनऊ से झांसी जाते समय औरैया जिला पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह भव्य स्वागत किया। जिले की सीमा पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सर्वेश कठेरिया, जिला महामंत्री विशाल शुक्ला, आलोक दुबे, सागर शुक्ला और संजू चौबे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इसके बाद दिबियापुर में किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष गिरीश तिवारी, अवधेश शुक्ला और गौरव श्रीवास्तव ने उनका स्वागत किया। औरैया के जालौन चौराहे पर जिला मीडिया प्रभारी भूरे चौबे, लल्ला शर्मा, मन्नू तोमर और विशाल दुबे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। जालौन चौराहे स्थित एक होटल में आयोजित परिचय एवं सम्मान समारोह में प्रदेश अध्यक्ष चौधरी देवेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की सच्ची हितैषी है। पूर्ववर्ती सरकारों में किसानों का काफी अहित हुआ और किसान अपने आपको असुरक्षित महसूस करता था। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार में किसान खुशहाल और सुरक्षित है। किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिल रहा है और किसान अपनी उपज बेचकर सुरक्षित अपने घर लौट रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्राकृतिक खेती, फसल बीमा योजना, स्वाइल हेल्थ कार्ड और 10 हजार किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के निर्माण जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने का काम किया है। डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में बिना किसी बिचौलिए के सीधे धनराशि पहुंचाई जा रही है। देवेंद्र सिंह ने कहा कि किसान मोर्चा केवल राजनीतिक मंच नहीं है, बल्कि अन्नदाताओं की आवाज को सरकार तक पहुंचाने और सरकार की नीतियों को किसान के खेत तक पहुंचाने के लिए एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य कर रहा है।

उमरी की अमृत वाटिका में हरियाली का महाअभियान, 22 सौ पौधों से संवरा पर्यावरण

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, पौधों के संरक्षण और देखभाल का भी लिया संकल्प

तरुणमित्र

चंदवक, जौनपुर। डोभी क्षेत्र के उमरी गांव स्थित अमृत वाटिका रविवार को हरियाली के संकल्प की साक्षी बनी। पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अमित कुमार पाल के नेतृत्व में करीब 22 सौ पौधे लगाए गए। इस दौरान ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनके संरक्षण और नियमित देखभाल के लिए जागरूक किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान अमित कुमार पाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा विषय है। वृक्ष जीवनदायिनी ऑक्सीजन के प्रमुख प्राकृतिक स्रोत होने के साथ वातावरण को शुद्ध रखने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ता प्रदूषण और घटता हरित क्षेत्र पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती है। ऐसे में बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर ही इस चुनौती का सामना किया जा सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में पौधे लगाने और उन्हें पेड़ बनने तक संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए। ग्राम प्रधान ने कहा कि पौधा लगाना अभियान का पहला चरण है, जबकि उसकी नियमित देखभाल और सुरक्षा वास्तविक पर्यावरण संरक्षण है। लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे पौधों की देखभाल को अपनी दैनिक जिम्मेदारी का हिस्सा बनाएं। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। अमृत वाटिका में लगाए गए पौधों के माध्यम से गांव को अधिक हरा-भरा बनाने और स्वच्छ वातावरण तैयार करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित न रखते हुए ग्रामीणों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करना रहा।

एनएच-233 पर जानलेवा गड्ढा, सावन में कांवरियों की राह बनी जोखिम भरी

▪ खुज्झी पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे बने गड्ढे से हादसे का खतरा, जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

तरुणमित्र

डोभी (जौनपुर)। चंदवक थाना क्षेत्र से गुजरने वाले वाराणसी-आजमगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग-233 पर खुज्झी पेट्रोल पंप के समीप सड़क किनारे बना विशालकाय गड्ढा सावन में कांवरियों और राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। सड़क के किनारे खुले पड़े इस गड्ढे के चलते कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसके बावजूद अब तक जिम्मेदार विभाग की ओर से इसे दुरुस्त कराने की प्रभावी पहल नहीं की गई है। सावन के महीने में इस मार्ग से बड़ी संख्या में कांवरिया पैदल और वाहनों से आवागमन कर रहे हैं। कांवरियों की सुरक्षा और सुगम यातायात को देखते हुए प्रशासन की ओर से कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। बड़े वाहनों के आवागमन पर रोक के साथ कुछ मार्गों पर वन-वे व्यवस्था भी लागू की गई है। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे मौजूद यह गहरा गड्ढा सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक दिन में तो किसी तरह लोग गड्ढे को देखकर बच निकलते हैं, लेकिन रात के समय स्थिति बेहद खतरनाक हो जाती है। पर्याप्त प्रकाश और सुरक्षा संकेतक नहीं होने के कारण पैदल चलने वाले कांवरियों तथा वाहन चालकों के गड्ढे में गिरने की आशंका बनी रहती है। बारिश होने पर गड्ढे में पानी भर जाने से इसकी गहराई का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि सावन में कांवरियों की संख्या बढ़ने के कारण इस स्थान पर विशेष सतर्कता की जरूरत है। यदि समय रहते गड्ढे को भरने के साथ सड़क किनारे बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए तो किसी गंभीर दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

तत्काल मरम्मत की मांग -स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित विभाग और प्रशासन से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। लोगों का कहना है कि गड्ढे को शीघ्र भरवाने के साथ सड़क किनारे सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि सावन के दौरान इस मार्ग से गुजरने वाले कांवरियों, राहगीरों और वाहन चालकों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति के संदेश से गूंजा कन्नौज

कन्नौज। आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार संचालित 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के अंतर्गत जनपद में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री एवं पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा रैली आयोजित की गई। देशभक्ति गीतों और राष्ट्रीय भावना से सराबोर इस यात्रा ने नगरवासियों में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और प्रबल किया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ अमर जवान ज्योति केंद्र से शुरू होकर लाखन तिराहा, कन्नौज पहुंचकर सम्पन्न हुई। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे प्रतिभागियों ने देशभक्ति के नारों एवं गीतों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को स्मरण किया। यात्रा के मार्ग में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' को जनभागीदारी के माध्यम से जनउत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान से जोड़ते हुए देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि 09 से 17 अगस्त तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता करें और अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करें। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्र का ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव, स्वतंत्रता और असंख्य वीरों के बलिदान का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग को एक सूत्र में पिरोते हुए नागरिकों में राष्ट्र के प्रति गौरव और कर्तव्यबोध की भावना को सुदृढ़ करता है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश देना है। उन्होंने सभी नागरिकों से अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने का आह्वान किया।

नाबार्ड की हथकरघा प्रदर्शनी में देश की 15 पारंपरिक बुनाई कलाओं का संगम

तरुणमित्र
अभिषेक पोद्दार

मुंबई, भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत के संरक्षण और पारंपरिक बुनकरों एवं कारीगरों की आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित अपने प्रधान कार्यालय में 5 से 7 अगस्त 2026 तक तीन दिवसीय प्रदर्शनी-सह-बिक्री का आयोजन किया। प्रदर्शनी में देश के विभिन्न हिस्सों की 15 प्रसिद्ध पारंपरिक हथकरघा परंपराओं के उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें महाराष्ट्र की पैठणी, तेलंगाना की पोचमपल्ली इकट, राजस्थान की कोटा डोरिया, ओडिशा की संबलपुरी, बिहार की भागलपुर सिल्क, पश्चिम बंगाल की कांथा स्टिच, गुजरात के कच्छ शॉल, आंध्र प्रदेश की वेंकटगिरि, तमिलनाडु की अरनी सिल्क, केरल की बलरामपुरम, उत्तर प्रदेश की मुबारकपुर, हरियाणा की अंबाला हैंडलूम्स, मध्य प्रदेश की बाघ, झारखंड की भगैया सिल्क और कर्नाटक की उत्तरिया शामिल रहीं। प्रदर्शनी की विशेषता यह रही कि आगंतुकों को उत्पादकों से सीधे जुड़कर प्रामाणिक हथकरघा उत्पादों को देखने और खरीदने का अवसर मिला, जिससे कारीगरों और बुनकरों को प्रत्यक्ष बाजार उपलब्ध कराने तथा उनके उत्पादों की बेहतर पहुंच बनाने में मदद मिली। इसी क्रम में 6 अगस्त को खरीदार-विक्रेता बैठक का भी आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य कारीगरों, उत्पादक समूहों, संस्थागत खरीदारों और बाजार से जुड़े हितधारकों के बीच संवाद बढ़ाना, नए व्यावसायिक अवसर पैदा करना तथा दीर्घकालिक बाजार संपर्कों को मजबूत करना रहा। हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड अपने प्रधान और क्षेत्रीय कार्यालयों में प्रदर्शनी, जन-जागरूकता कार्यक्रमों तथा बाजार संवर्धन गतिविधियों का आयोजन करता रहा है। बैंक ने पारंपरिक हथकरघा उत्पादों के भौगोलिक संकेतक (जीआई) पंजीकरण, आजीविका विकास एवं कौशल उन्नयन कार्यक्रमों तथा ग्रामीण उद्यम उत्पादक संगठनों (REPOs) के माध्यम से कारीगरों के सामूहिकीकरण को भी सहयोग दिया है। इन पहलों से हथकरघा उत्पादकों की बाजार तक पहुंच मजबूत होने, मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिलने और ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ आजीविका के अवसर बढ़ने के साथ भारत की सदियों पुरानी बुनाई परंपरा के संरक्षण को भी बल मिलता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस हर वर्ष 7 अगस्त को 1905 में शुरू हुए स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में मनाया जाता है। यह दिवस देश के हथकरघा बुनकरों और कारीगरों के उस महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करता है, जो वे भारत की सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में निरंतर दे रहे हैं।

अगस्त क्रांति दिवस पर ठाणे कांग्रेस ने संविधान बचाने का लिया संकल्प,

तरुणमित्र ठाणे सारा पुरी

ठाणे। देश के स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर ठाणे शहर कांग्रेस की ओर से स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा का संकल्प लेते हुए केंद्र सरकार की नीतियों पर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा कि 1942 में महात्मा गांधी ने अंग्रेजी हुकूमत को 'चले जाव' का संदेश दिया था, वहीं आज देश में लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए 'तानाशाही को चले जाव' कहने का समय आ गया है। कोर्ट नाका स्थित संविधान की प्रस्तावना के शिल्प के समक्ष आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के मूल्यों को घर-घर तक पहुंचाने की शपथ ली गई। कांग्रेस नेताओं ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें भी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर ठाणे कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष राहुल पिंगळे, सांसद कुमार केतकर, वरिष्ठ नेता सुभाष कानडे, प्रदेश पदाधिकारी डॉ. गजानन देसाई, राजेश जाधव, मोहन तिवारी, प्रदेश सदस्य भालचंद्र महाडिक, मिलिंद खराडे, निशिकांत कोळी, धर्मराज्याचे राजन राजे, एडवोकेट प्रभाकर थोरात, महेंद्र म्हात्रे, सेवादल के रवींद्र कोळी सहित ब्लॉक अध्यक्ष, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस तथा विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में कांग्रेस की ओर से कहा गया कि जिस पीढ़ी ने देश को आजादी दिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया, उसकी विरासत को आगे बढ़ाना आज की पीढ़ी की जिम्मेदारी है। लोकतंत्र और संविधान को मजबूत बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। ठाणे कांग्रेस अध्यक्ष राहुल पिंगळे ने देशहित और लोकतंत्र की रक्षा को केंद्र में रखते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 1942 में महात्मा गांधी ने अंग्रेजों को 'चले जाव' का संदेश दिया था। आज देश बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक द्वेष और लोकतांत्रिक मूल्यों के सामने खड़ी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे समय में संविधान, लोकतंत्र, समानता, बंधुता और न्याय के मूल्यों की रक्षा करना ही सच्ची क्रांति है। उन्होंने कहा कि अगस्त क्रांति दिवस केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपने दायित्व को दोहराने का दिन भी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसी उद्देश्य से संविधान बचाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का संकल्प लिया।

रईस हाईस्कूल में शब्दकोश से शब्दों के अर्थ खोजने की व्यावहारिक गतिविधि का आयोजन

तरुणमित्र

भिवंडीः रईस हाईस्कूल एंड जूनियर कॉलेज,भिवंडी में विद्यार्थियों की भाषाई दक्षता, शब्द-भंडार और स्व-अध्ययन की क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से कक्षा छठी के विद्यार्थियों के लिए शब्दकोश देखने और शब्दों के अर्थ खोजने की एक अनूठी एवं उपयोगी शैक्षणिक गतिविधि का आयोजन स्कूल की लाइब्रेरी में किया गया। यह गतिविधि कक्षा छठी की उर्दू भाषा पाठ्यपुस्तक "बाल भारती" के पाठ "आइए शब्दकोश देखें" पर आधारित थी, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह और रुचि के साथ भाग लिया। उर्दू विषय के शिक्षक फैज़ फक़ीह ने विद्यार्थियों को शब्दकोश के सही एवं प्रभावी उपयोग की व्यावहारिक जानकारी दी। विद्यार्थियों ने वर्णमाला के क्रम को ध्यान में रखते हुए विभिन्न शब्दों को शब्दकोश में खोजा, उनके अर्थ एवं सही उच्चारण की जानकारी प्राप्त की तथा प्राप्त जानकारी का उपयोग अपनी शैक्षणिक गतिविधि में किया। इस व्यावहारिक गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर मिला कि शब्दकोश केवल शब्दों के अर्थ जानने की पुस्तक नहीं है, बल्कि भाषा सीखने,सही उच्चारण समझने और अपने शब्द-भंडार को बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम भी है। इस गतिविधि से विद्यार्थियों में जिज्ञासा, निरीक्षण क्षमता और स्वयं सीखने की भावना विकसित हुई। फैज़ फक़ीह सर ने कहा कि इस प्रकार की व्यावहारिक एवं गतिविधि-आधारित शिक्षा से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, शोध की रुचि और स्वयं सीखने की आदत विकसित होती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को व्यावहारिक रूप से शब्दकोश का उपयोग करवाने का मुख्य उद्देश्य उन्हें इस योग्य बनाना है कि भविष्य में किसी नए या कठिन शब्द का अर्थ वे स्वयं खोज सकें और भाषा पर अपनी पकड़ मजबूत बना सकें। इस शैक्षणिक गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी,उत्साह और रुचि विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। स्कूल प्रशासन ने इस गतिविधि की सराहना करते हुए कहा कि पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव विद्यार्थियों की बौद्धिक, भाषाई एवं शैक्षणिक क्षमताओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भूख हड़ताल पर बैठे संगम डोंगरे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

आव्हाड और मनोज प्रधान की अपील पर आंदोलन समाप्त

तरुणमित्र ठाणे सारा पुरी

ठाणे। गडकरी रंगायतन के समीप छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा सहित अन्य स्मारकों के निर्माण की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता संगम डोंगरे की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। डोंगरे की तबीयत खराब होने की जानकारी मिलने पर राकांपा (शरदचंद्र पवार) के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. जितेंद्र आव्हाड और ठाणे जिला अध्यक्ष मनोज प्रधान आंदोलन स्थल पर पहुंचे और उनसे मुलाकात की। चिकित्सकों ने जांच के दौरान बताया कि लगातार भूख हड़ताल के कारण डोंगरे के शरीर में पानी और शुगर का स्तर काफी कम हो गया है। मेडिकल रिपोर्ट की जानकारी लेने के बाद डॉ. आव्हाड और मनोज प्रधान ने डोंगरे से स्वास्थ्य को देखते हुए भूख हड़ताल समाप्त करने की अपील की। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को पार्टी के माध्यम से संबंधित प्रशासन और सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा। नेताओं ने कहा कि किसी भी आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य का ठीक रहना जरूरी है। उनकी अपील और आश्वासन के बाद संगम डोंगरे ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। डोंगरे की प्रमुख मांगों में गडकरी रंगायतन के समीप छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही एक्वेरियम और कम्युनिटी हॉल का निर्माण शामिल है। इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था तथा यात्रियों की सुविधा से जुड़े विकास कार्यों की भी मांग की गई है। इस दौरान डॉ. जितेंद्र आव्हाड, मनोज प्रधान सहित पार्टी पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

सिरफिरे ने कोपरखैराने स्टेशन पर लड़की को डराया

वीडियो वायरल होने के बाद वाशी रेलवे पुलिस की कार्यवाई

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। नवी मुंबई के कोपरखैराने रेलवे स्टेशन पर एक युवती का पीछा कर उसे खौफजदा करने वाले मनोरोगी को वाशी रेलवे पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए हिरासत में लिया है. इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा था, जिससे मुसाफिरों में डर का माहौल बन गया था। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आते ही हरकत में आई वाशी रेलवे पुलिस ने आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू की. कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने इस व्यक्ति को सानपाडा रेलवे स्टेशन से धर दबोचा. पुलिस की पूछताछ और जांच में आरोपी की पहचान सुधीर चहादे के रूप में हुई है, जो दिमागी तौर पर अस्वस्थ बताया जा रहा है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत आरोपी को अपनी कस्टडी में लेकर उसका मेडिकल चेकअप कराया. इसके बाद मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम की धारा 23 के तहत उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है. पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से लोकल ट्रेनों में सफर करने वाली महिला यात्रियों ने राहत की सांस ली है।

वंदे मातरम की गूंज के साथ बनेगी भव्य मानव श्रृंखला

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। आजादी के पावन पर्व 15 अगस्त पर नवी मुंबई का खूबसूरत पाम बीच मार्ग देशभक्ति के एक अलौकिक रंग में रंगा नजर आएगा. इस स्वतंत्रता दिवस को खास और यादगार बनाने के लिए वंदे मातरम प्रतिष्ठान की ओर से एक भव्य और अनूठी पहल की जा रही है. संस्था के तत्वावधान में नवी मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय सीबीडी बेलापूर से लेकर मोराज सर्कल सानपाड़ा तक पाम बीच मार्ग पर विशाल मानव श्रृंखला का निर्माण किया जाएगा। सुबह 10 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सामूहिक वंदे मातरम का गायन होगा. जब हजारों कंठ एक साथ राष्ट्रगीत का समवेत स्वर गूंजाएंगे, तो पूरा क्षेत्र देशभक्ति के जज्बे से सराबोर हो उठेगा. इस आयोजन का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय अखंडता, सामाजिक सौहार्द और देशप्रेम का सशक्त संदेश देना है.

संस्था के पदाधिकारी राजाराम आचार्य ने सभी आम नागरिकों से दलगत राजनीति और मतभेदों से ऊपर उठकर इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने की भावुक अपील की है, ताकि सामूहिक राष्ट्रगान के जरिए राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव को और अधिक मजबूती दी जा सके।

"जेल की जिंदगी ने सिखाया बहुत कुछ, आधारवाड़ी-तलोजा से पीएचडी कर लौटा हूं" : खालिद गुड्डू

जेल से रिहाई के बाद शहर की समस्याओं को लेकर मुखर, बोले- सबूतों के साथ खोलूंगा राजनीतिक और अधिकारियों की पोल

तरुणमित्र, भिवंडी। अनिल वर्मा

भिवंडी की राजनीति से पिछले कई वर्षों से दूर रहे खालिद गुडडू जेल से रिहा होने के बाद एक बार फिर सक्रिय नजर आ रहे हैं। रिहाई के बाद उन्होंने शहर की विभिन्न समस्याओं और कथित अनियमितताओं को लेकर आवाज उठाना शुरू कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि अब वह पहले से अधिक सजग हैं और आने वाले दिनों में कई मामलों को सबूतों के साथ जनता के सामने लाएंगे। खालिद गुडडू ने कहा, "पहले हमें बहुत-सी चीजों की जानकारी नहीं थी। लेकिन साढ़े चार साल जेल में रहने के दौरान बहुत कुछ देखा और समझा। अब मैं आधारवाड़ी और तलोजा जेल से पीएचडी करके लौटा हूं। इसलिए अब चौकन्ना हो गया हूं।"उन्होंने आरोप लगाया कि शहर में राजनीतिक स्तर से लेकर अधिकारियों तक कई ऐसे मामले हैं, जिनका वह जल्द ही दस्तावेज और सबूतों के साथ खुलासा करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी को बदनाम करना नहीं, बल्कि शहर के लोगों के सामने सच्चाई लाना है। अपने खिलाफ दर्ज मामलों का जिक्र करते हुए गुडडू ने दावा किया कि एक सप्ताह के भीतर उनके खिलाफ कुल 10 मामले दर्ज किए गए थे। इनमें से एक मामले में उन्हें डिस्चार्ज किया गया, जबकि तीन मामलों में उन्हें बरी किए जाने की बात उन्होंने कही। उनका आरोप है कि उनके खिलाफ मामले एक सुनियोजित तरीके से दर्ज किए गए थे। खालिद गुडडू ने कहा कि जेल में बिताए समय ने उन्हें कई चीजों को करीब से समझने का मौका दिया है। अब वह भिवंडी की जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने के साथ-साथ कथित भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के खिलाफ भी आवाज उठाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में उनके कई खुलासे शहर की राजनीति और प्रशासन में हलचल पैदा कर सकते हैं। हालांकि, गुडडू द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों का पक्ष सामने आने के बाद तस्वीर और स्पष्ट होगी।

मुंबई घूमने गए 17 वर्षीय युवक की लोकल ट्रेन से गिरकर दर्दनाक मौत

तरुणमित्र / अनिल वर्मा

भिवंडी : मुंबई घूमने के लिए अपने दोस्त के साथ गए भिवंडी के बाला कंपाउंड निवासी 17 वर्षीय मोहम्मद फाजील शफीक अंसारी की लोकल ट्रेन से गिरने के कारण दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, फाजील अपने दोस्त के साथ भिवंडी से कल्याण और फिर कल्याण से मुंबई की ओर लोकल ट्रेन से सफर कर रहा था। कलवा रेलवे स्टेशन के पास फाजील ट्रेन के दरवाजे के करीब खड़ा था। अचानक हाथ छूट जाने से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। हादसे में उसके सिर पर गंभीर चोट आई। फाजील को ट्रेन से गिरता देख उसका दोस्त भी उसकी मदद के लिए नीचे उतर गया। आरपीएफ की मदद से फाजील को तत्काल घाटकोपर स्थित राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फाजील अपने माता-पिता का बड़ा बेटा था। उसके परिवार में माता-पिता और एक छोटा भाई है। जवान बेटे की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं बाला कंपाउंड इलाके में भी शोक की लहर है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। रेलवे पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने पुलिस का जागरूकता अभियान, कैंपस कनेक्ट कॉलेजों में पहुंचकर छात्रों को किया सचेत

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी : नशे के बढ़ते खतरे से युवाओं और विद्यार्थियों को बचाने के लिए भिवंडी पुलिस ने विशेष जनजागरूकता अभियान शुरू किया है। महाराष्ट्र सरकार के 'ड्रग फ्री महाराष्ट्र मिशन' के तहत ठाणे पुलिस आयुक्तालय के परिमंडल-2 भिवंडी की ओर से 'कैंपस कनेक्ट' अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 9 अगस्त से 20 अगस्त 2026 तक भिवंडी शहर में आयोजित किया गया है।

पुलिस उपायुक्त पवन बनसोड के अनुसार, ड्रग्स आज की युवा पीढ़ी के सामने बड़ी चुनौती बन चुका है। इससे निपटने के लिए केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि शिक्षक, अभिभावक और समाज के सभी वर्गों की भागीदारी जरूरी है। इसी उद्देश्य से भिवंडी पुलिस की ओर से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत भिवंडी पुलिस ने इंस्टाग्राम पर रील मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की है। प्रतियोगिता को दो वर्गों में रखा गया है, जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र और 18 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिक हिस्सा ले सकते हैं।प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागी को लैपटॉप, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को टैब और तृतीय स्थान पर रहने वाले को मोबाइल फोन पुरस्कार के रूप में दिया जाएगा। विजेताओं का सम्मान 20 अगस्त को ओसवाल स्कूल ऑडिटोरियम, भिवंडी में आयोजित कार्यक्रम में किया जाएगा। प्रतियोगिता में शामिल होने के इच्छुक प्रतिभागियों को नशा विरोधी जागरूकता पर बनाई गई रील 17 अगस्त तक व्हाट्सऐप नंबर 9371855100 पर भेजनी होगी। वीडियो की अधिकतम अवधि 120 सेकंड रखी गई है। 'कैंपस कनेक्ट' अभियान के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों पर पथनाट्य, स्कूल और कॉलेजों में मार्गदर्शन शिविर, जनजागरूकता रैली सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा पुणे स्थित मुक्तांगण पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञों के माध्यम से नशामुक्ति और पुनर्वास को लेकर भी जानकारी दी जाएगी।भिवंडी पुलिस ने शहर के विद्यार्थियों और नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में इस अभियान से जुड़ें और अपनी रचनात्मकता के माध्यम से 'Say No to Drugs' का संदेश समाज तक पहुंचाएं, ताकि नशामुक्त और सशक्त महाराष्ट्र के निर्माण में सभी का योगदान हो सके।

मंदिर की 10 हजार की चंदे की रकम को लेकर विवाद, युवक पर लोहे की रॉड से हमला

तरुणमित्र युसुफ पुरी : मुंब्रा। मुंब्रा के छत्रपति शिवाजीनगर इलाके में मंदिर की व्यवस्थापन समिति को दी गई 10 हजार रुपये की चंदे की रकम को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। रकम मंदिर की दानपेटी में जमा नहीं किए जाने पर सवाल पूछने से नाराज तीन लोगों ने एक व्यक्ति के घर पहुंचकर कथित तौर पर उसकी जमकर पिटाई की। इस दौरान लोहे की रॉड और कुर्सी से सिर पर हमला किए जाने का आरोप है। घायल व्यक्ति के सिर से खून निकलने के बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। मामले में मुंब्रा पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुंब्रा के छत्रपति शिवाजीनगर स्थित दुर्गा देवी मंदिर के प्रबंधन और नियोजन की जिम्मेदारी 13 सदस्यीय समिति के पास है। 7 अगस्त को मंदिर से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा के लिए समिति के चार सदस्य एक नगरसेवक के पास गए थे। इस दौरान नगरसेवक ने मंदिर के लिए 10 हजार रुपये की देणगी दी थी। यह रकम समिति के एक सदस्य को सौंपी गई थी। हालांकि, आरोप है कि उक्त रकम मंदिर की दानपेटी में जमा नहीं की गई। इसके बाद समिति के एक सदस्य ने संबंधित व्यक्ति से देणगी की रकम के बारे में पूछताछ की। इसे लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि उसी रात करीब नौ बजे संबंधित व्यक्ति अपने दो बेटों के साथ शिकायतकर्ता के घर पहुंचा और 'देणगी के पैसे लेने की बात सभी को क्यों बता रहे हो?' कहते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपियों ने कुर्सी और लोहे की रॉड से उसके सिर पर हमला किया। पति के साथ मारपीट होते देख उसकी पत्नी बीच-बचाव करने पहुंची तो उसके साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है। हमले में शिकायतकर्ता के सिर से खून निकलने लगा, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

स्वामी-स्व. कैलाशनाथ प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक स्वतंत्र कुमार द्वारा नवभारत प्रेस लिमिटेड, नवभारत भवन प्लाट नंबर-13 सेक्टर 8 सानपाडा (पूर्व) नवी मुंबई : 470709 से मुद्रित एवं पत्रकार सदन लोकमान्य नगर नं. 4 ठाणे- 400606 महाराष्ट्र से प्रकाशित।
RNI No. MAHHIN/2008/27046 संपादक- स्वतंत्र कुमार सिटी कार्यालय- गाला नं. 61 दादोजी कोंडदेव स्टेडियम खारटन रोड, ठाणे(वेस्ट) महाराष्ट्र, मोबा: 09415287970, 7400223777, 9892789606,
ईमेल tarun.thana@gmail.com, www.tarunmitra.in * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं उत्पन्न समस्त विवाद ठाणे न्यायालय के अधीन होंगे।

आदिवासी समाज की महिलाएं देश हितकारी कार्यों के लिए हमेशा समय-समय पर तत्पर रही

▪ आदिवासी समाज मे सांस्कृतिक धरोहर और अनूठी परंपराएँ रहीं है -डॉ आरती मीना

आदिवासी समाज के हजारों वीर योद्धाओं ने मातृभूमि को बचाने के लिए बलिदान देकर आदिकाल से लेकर आजादी संग्राम में समर्पित भावना के साथ अपना कर्तव्य निभाने में अहम भूमिका निभाई - डॉ आरती

स्थानीय संपादक
कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर। आदिवासी समाज की मजबूत महिला सामाजिक कार्यकर्ता डॉ आरती मीना ने विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष में सम्बोधित करते हुए कहा की राजस्थान की जनजातीय संस्कृति प्रदेश के पर्यटन और लोक कला की रीढ़ है, बेणेश्वर मेला डूंगरपुर में सोम, माही और जाखम नदियों के संगम पर आयोजित होने वाले इस मेले को 'आदिवासियों का कुंभ' कहा जाता है। यहाँ संस्कृति और परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। लोक नृत्यः भीलों का गौरी/राई और घूमर नृत्य, गरासियों का वालर नृत्य और सहरिया जनजाति के लोक गीत राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान हैं। प्रकृति से जुड़ावः 'खेजड़ी' और अन्य स्थानीय वृक्षों की पूजा करना तथा वनों को देवबनी' देवताओं का वन मानकर उनकी रक्षा करना इनकी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है। राजस्थान के संदर्भ में अन्तर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन और स्वदेशी संस्कृति के संरक्षण का संकल्प है। गोविंद गुरु और मोतीलाल तेजावत के आदर्शों पर चलते हुए, डॉ आरती मीना कहा कि आदिवासियों के पारंपरिक ज्ञान और संस्कृति को आगे बढ़ाकर ही हम राजस्थान की असली पहचान को जीवित रख सकते हैं। उन्होंने बतायाण आदिवासी महिला अपने समाज की सामाजिक-आर्थिक संरचना में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। आदिवासी का निवास स्थान, पहाड़ियों या जंगलों में निवास, श्रमिक वर्ग इत्यादि। आदिवासियों को भारत के संविधान में अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया गया है। वर्तमान में जनजातियों की पुरानी पहचान बदल रही है। आदिवासी मूल प्रकृति पूजक थे। स्वतंत्रता के बाद, देश के अनुसूचित जनजातियों के हितों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कई कदम उठाए गए हैं और विभिन्न अवधियों के दौरान आदिवासी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।आदिवासी महिलाओं मे आदिवासी अर्थव्यवस्था और राजनीतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण नेतृत्व के पदों की कमी है, भले ही उन्होंने आदिवासी आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई हो।सामाजिक स्तरीकरण ने भी आदिवासी समाज को प्रभावित किया है क्योंकि देश भर में संरचनात्मक और सांस्कृतिक परिवर्तन के कारण आदिवासी लोगों को तेजी से परिवर्तन की दिशा मे जोड़कर समायोजन के अधीन किया गया है। आदिवासी महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं की पहचान करने के लिए, हमें आदिवासी समाजों के सामाजिक-आर्थिक, धार्मिक और राजनीतिक ढांचे का अध्ययन करना अत्यंत जरूरी है। आदिवासी महिलाओ की विविध समस्याओ को यहा पर प्रस्तुत करने के प्रयाश किया गया है।

"नशा आग है, जिसकी आंच अपने घर तक भी पहुंच सकती है, यही बात ध्यान में रखते हुए करें जागरूकता" - राज्यपाल

ऋचा पानेरी

उदयपुर, 8 अगस्त। राज्यपाल श्री बागड़े ने शनिवार को उदयपुर में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में टीबी नियंत्रण, नशामुक्ति एवं स्कूली शिक्षा सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ ही आमजन में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने टीबी नियंत्रण को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र तथा सीमेंट फैक्ट्रियों में कार्यरत एवं इनसे जुड़े लोगों का सर्वे करवाकर टीबी नियंत्रण के प्रभावी उपाय किए जाएं। उन्होंने शहर की कच्ची बस्तियों में भी विशेष रूप से सर्वे करवाने तथा संभावित मरीजों की पहचान कर समय पर उपचार उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने नशामुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो लोग नशा छोड़ चुके हैं, उनका सम्मान किया जाए और उनसे लगातार संपर्क रखा जाए, ताकि वे दोबारा नशे की ओर नहीं लौटें। उन्होंने कहा कि "नशा आग है, जिसकी आंच अपने घर तक भी पहुंच सकती है।" इसी बात को ध्यान में रखते हुए व्यापक स्तर पर जागरूकता के कार्य किए जाएं तथा युवाओं और उनके परिवारों को नशे से होने वाले सामाजिक एवं पारिवारिक नुकसान के बारे में समझाया जाए। राज्यपाल ने राजकीय कार्यालयों में भी नशामुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी नशा नहीं करे और सरकारी कार्यालय स्वयं नशामुक्ति का संदेश देने वाले आदर्श केंद्र बनें। बैठक में राज्यपाल ने जिले में स्कूली शिक्षा की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा की नींव मजबूत होगी तो बड़ी कक्षाओं और कॉलेज स्तर पर अच्छी गुणवत्ता वाले विद्यार्थी तैयार होंगे। उन्होंने प्राथमिक स्तर पर बच्चों की बुनियादी समझ, सीखने की क्षमता और शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों का रिकॉर्ड संधारित करने तथा उनकी सफलता की जानकारी अन्य विद्यार्थियों तक पहुंचाकर उन्हें प्रेरित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यार्थियों की सफलता की कहानियां दूसरे बच्चों के लिए प्रेरणा का माध्यम बन सकती हैं। बैठक में जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन, एडीएम दीपेंद्र सिंह, एडीएम सिटी जितेंद्र रोज, नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना, महाराणा भूपाल चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. एल. सुमन, सीएमएचओ डॉ अशोक आदित्य सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं एवं प्रगति की जानकारी राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत की।

श्री गुरु रविदास संकल्प अभियान के तहत कलश वंदन यात्रा एवं पूजन कार्यक्रम आज रानीवाडा विधानसभा में

ब्यूरो चीफ प्रकाश कुमार परमार

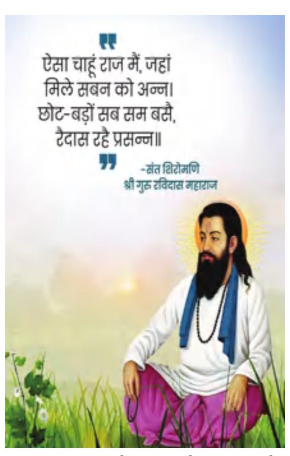

जालोर, रानीवाड़ा भारतीय जनता पार्टी विधानसभा रानीवाड़ा के तत्वावधान में श्री गुरु रविदास संकल्प अभियान के अंतर्गत रविवार, 9 अगस्त 2026 को विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक स्थलों पर कलश वंदन यात्रा एवं पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल है। अभियान के माध्यम से सामाजिक समरसता, धार्मिक आस्था एवं आपसी भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 9 बजे रामदेवजी मंदिर, मेघवालों का वास, जसवंतपुरा में कलश वंदन एवं पूजन कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके पश्चात प्रातः 11 बजे शनिदेवजी मंदिर, रानीवाड़ा में कार्यक्रम होगा। दोपहर 1 बजे सूरजकुंड मठ, बड़गांव में कलश वंदन एवं पूजन किया जाएगा। वहीं दोपहर 3 बजे सांकड़ एवं करड़ा का संयुक्त कार्यक्रम पातालेश्वर महादेवजी मंदिर, सेवाड़ा में आयोजित होगा। कार्यक्रम में लोकप्रिय पूर्व विधायक एवं पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण सिंह जी देवल की विशेष गरिमामय उपस्थिति रहेगी। उनके साथ भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर श्री गुरु रविदास जी के समता, सद्भाव, मानवता और सामाजिक एकता के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में आपसी भाईचारे एवं सहयोग की भावना को मजबूत करने तथा युवाओं और आमजन को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जाएगा। भाजपा विधानसभा रानीवाड़ा की ओर से सभी पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं से विनम्र अपील की गई है कि वे अपने-अपने क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम स्थलों पर पहुंचें और कलश वंदन यात्रा एवं पूजन कार्यक्रम में सहभागिता कर इसे सफल बनाएं।

पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि श्री गुरु रविदास संकल्प अभियान केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, समरसता, सेवा और सद्भाव के संकल्प को मजबूत करने का अवसर है। सभी समाजबंधुओं की सहभागिता से इस अभियान को व्यापक रूप प्रदान किया जाएगा।

आठ दिनों से वार्ड संख्या 1 में पानी की समस्या, टैंकरों से पानी मंगवाने को मजबूर ग्रामीण

ब्यूरो चीफ प्रकाश कुमार परमार

जालोर, मालवाड़ा कस्बे के वार्ड संख्या 1 स्थित मेघवालों के वास में पिछले करीब आठ दिनों पाईप नर्मदा का टूटा हुआ पड़ा है/ लेकिन अभी तक सही नई करवाया काफी पानी बह रहा हैं/ खेत में पेयजल आपूर्ति नहीं होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी की नियमित सप्लाई नहीं होने के कारण लोगों को रोजमर्रा के कामों के लिए भी पानी जुटाने में दिक्कत हो रही है।

ग्रामीण हरेश कुमार, गोदा राम भरत कुमार भवीश कुमार ने बताया कि वार्ड संख्या 1 में करीब आठ दिनों से पानी नहीं आ रहा है। इस संबंध में संबंधित अधिकारी फोन भी नहीं उठा रहे हैं/ नई नर्मदा के ठेकेदार फोन पर सही जवाब दे रहे मना कर रहे पाईप सही करना मेरा काम नई है/ लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल संकट के चलते उन्हें मजबूरन निजी टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है, जिससे अतिरिक्त आर्थिक भार भी उठाना पड़ रहा है। लंबे समय से पानी की आपूर्ति बाधित होने के कारण ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि वार्ड संख्या 1 में पेयजल आपूर्ति जल्द सुचारू करवाकर समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

इनका कहना है कि इस बारे में जानकारी लेकर जहां पर भी लीकेज है वो ठीक करवा दिया जाएगा दीपक कुमार कनिष्क अभियंता रानीवाड़ा।

पाली के बॉक्सर मोहित कुमावत का SAI हॉस्टल जोधपुर में चयन

तरुणमित्र

पाली। पाली के बांगड़ स्टेडियम बॉक्सिंग ग्राउंड के प्रतिभावान बॉक्सर मोहित कुमावत ने अपनी मेहनत और शानदार प्रदर्शन के दम पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मोहित का भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर, बरकतुल्ला खान स्टेडियम, जोधपुर में बॉक्सिंग खेल के माध्यम से प्रवेश के लिए चयन हुआ है। मोहित बॉक्सिंग कोच दिलीप गहलोत (NIS) के नियमित प्रशिक्षु हैं और बांगड़ स्टेडियम बॉक्सिंग ग्राउंड पर नियमित रूप से अभ्यास करते हैं। निरंतर मेहनत और अभ्यास के दम पर मोहित ने राजस्थान स्तर की विभिन्न बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है। मोहित सब-जूनियर स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप के रनर-अप तथा स्कूल स्टेट अंडर-14 बॉक्सिंग प्रतियोगिता के कांस्य पदक विजेता रह चुके हैं। इन उपलब्धियों के चलते मोहित ने अपनी प्रतिभा को साबित किया है और अब उन्हें SAI जोधपुर में प्रशिक्षण एवं हॉस्टल सुविधा के साथ उच्च स्तरीय बॉक्सिंग प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मोहित की इस उपलब्धि पर पाली बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा एवं मुख्य बॉक्सिंग प्रशिक्षक दिलीप गहलोत ने खुशी व्यक्त करते हुए मोहित एवं उनके परिवार को बधाई दी। इस अवसर पर बॉक्सिंग कोच गिरधर सिंह, शंकर पटेल, राकेश कुमावत, कैलाश सिंह, नरेश पांडे, नवीन, तेजस, मोनिका, पल्लवी सहित कई खेलप्रेमियों ने मोहित को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। बांगड़ स्टेडियम बॉक्सिंग ग्राउंड से SAI जोधपुर तक मोहित का सफर पाली में बॉक्सिंग की बढ़ती पहचान और यहां तैयार हो रही प्रतिभाओं का प्रमाण है। मोहित का चयन जिले के युवा बॉक्सरों के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि है।

बाली में मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर विशेष पहल, लोगों को मतदान के प्रति किया जागरूक

तरुणमित्र

फालना (रितेश अग्रवाल)। बाली मे आगामी पंचायतीराज संस्थाओं और शहरी निकाय चुनावों को लेकर निर्वाचन विभाग ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। कलेक्टर पाली के निर्देश पर राजकीय महाविद्यालय सहित शहरी और ग्रामीण विद्यालयों में विद्यार्थियों व अभिभावकों को मतदान के अधिकार की जानकारी दी। एसडीएम व निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी दिनेश बिश्नोई ने कहा कि हर मतदाता की भूमिका अहम है। उन्होंने मतदान को नागरिक का नैतिक कर्तव्य बताते हुए विद्यार्थियों से परिवार और आसपास के लोगों को जागरूक करने को कहा। विद्यार्थियों, अभिभावकों और कार्मिकों को मतदाता शपथ दिलाई। प्राचार्य आईदानसिंह राजपुरोहित और सहायक आचार्य मनीष भी मौजूद रहे।

भामाशाहों ने डेगाना स्कूल को भेंट किया डेढ़ लाख का फर्नीचर, खिले "विद्यार्थियों के चेहरे"

चीफ ब्यूरो किशन पालीवाल

आमेट। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय डेगाना में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भामाशाहों एवं ग्रामवासियों ने अनुकरणीय पहल की। दानदाताओं ने विद्यालय में अध्ययनरत बालक-बालिकाओं के लिए करीब डेढ़ लाख रुपये की लागत का गुणवत्तापूर्ण फर्नीचर भेंट किया। फर्नीचर विद्यालय में स्थापित होने के बाद विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। अब तक फर्श पर बैठकर अध्ययन करने वाले बालक-बालिकाएं टेबल-कुर्सियों पर बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। नई सुविधा मिलने से विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी नजर आई। कार्यक्रम में विद्यालय के संस्थाप्रधान मनोहर लाल कुमावत ने सभी भामाशाहों एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से सरकारी विद्यालयों में सुविधाओं का विस्तार होने के साथ विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलता है।

इस अवसर पर अतिथियों एवं दानदाताओं का पारंपरिक रूप से इकलाई (दुपट्टा) ओढ़ाकर स्वागत एवं बहुमान किया गया। इस अवसर पर भैरू सिंह, शैल सिंह, मोहन मेवाड़ा, धूकल सिंह, महेंद्र सिंह, बाबू लाल गर्ग, लालू राम सालवी, तेजा राम सालवी, नरपत सिंह, मथरा लाल गुर्जर, मीठा लाल गुर्जर, घासी राम सुथार, नाथू लाल गुर्जर, रोड़ सिंह, रतन सिंह, किशन लाल गुर्जर, मांगी लाल गुर्जर, पारस गुर्जर, उदय लाल मेवाड़ा, देवी सिंह बल्ला एवं रामेश्वर लाल पालीवाल सहित कई ग्रामीण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ से शिक्षक सुरेन्द्र, संदीप कुमार, पवन कुमार, कुलदीप खटीक, अंजुरानी, भगवान लाल खटीक एवं शंकर लाल की सहभागिता रही।

मंगल भावना एवं स्वागत-अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

चीफ ब्यूरो किशन पालीवाल

राजसमंद/आमेट। तेरापंथ सभा भवन,आमेट में उपासक का मंगल भावना व उपासिकाओं का स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मनोहर लाल पीतलिया द्वारा मंगलाचरण से हुआ।कार्यक्रम में तेरापंथ सभा अध्यक्ष यशवंत कुमार चोरड़िया, संरक्षण महेंद्र लाल बोहरा, कौशल मेहता एवं तेरापंथ महिला मंडल मंत्री संगीता चंडालिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुआ। उपासक-उपासिकाओं की धर्म आराधना एवं प्रवास के दौरान श्रावक समाज को दिए गए आध्यात्मिक मार्गदर्शन की सराहना की।इस अवसर पर उपासक चंद्र प्रकाश मेहता एवं कमल जैन ने आमेट में 13 दिवसीय प्रवास के दौरान श्रावक-श्राविकाओं को धर्म, साधना, त्याग एवं तपस्या के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने अपने प्रवास के अनुभव साझा करते हुए श्रावक समाज को आगामी एक वर्ष तक नियमित रूप से त्याग, तपस्या एवं धार्मिक आराधना से जुड़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने नियमित स्वाध्याय, सामायिक, जप, तप एवं त्याग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया तथा धर्म आराधना के माध्यम से आत्मिक शांति एवं संयम के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।उपासकों ने कहा कि धार्मिक जीवन केवल आयोजनों तक सीमित न रहकर दैनिक जीवन में भी दिखाई देना चाहिए। उन्होंने श्रावक समाज से अपनी दिनचर्या में धर्म एवं साधना को स्थान देकर आत्मकल्याण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उनके प्रेरणादायी उद्बोधन से उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं में उत्साह एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।कार्यक्रम में 25 वर्षों से उपासिका के रूप में धर्म साधना कर रहीं शांता देवी जैन तथा 6 वर्षों से उपासिका के रूप में सेवाएं दे रहीं चंचल देवी कोठारी का भी स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उपासिका चंचल कोठारी ने अपनी धर्म आराधना के अनुभव साझा किए।कार्यक्रम का कुशल संचालन तेरापंथ सभा मंत्री ज्ञानेश्वर मेहता ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही। संपूर्ण आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं मंगल भावना से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम की जानकारी JTN प्रतिनिधि पवन कच्छारा ने दी।

तेलगाना में शानदार प्रदर्शन करके हजारों युवाओं की प्रेरणा बनेंगे गोविंदसिंह

स्थानीय संपादक
कर्मपालसिंह सवाली

पाली। पाली जिले के होनहार खिलाड़ी गोविन्दसिंह, जो वर्तमान में दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं, का चयन 11वीं अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर चैंपियनशिप 2026-27 के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 23 से 30 जुलाई 2026 तक हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित की जा रही है। गोविन्दसिंह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में वुशु (सांडा) के 70 किलोग्राम भार वर्ग में दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व करेंगे। गोविन्द सिंह ने पाली के बांगड़ स्टेडियम बॉक्सिंग ग्राउंड पर पाली बॉक्सिंग एसोसिएशन के मुख्य प्रशिक्षक एवं एन.आई.एस. बॉक्सिंग कोच दिलीप गहलोत से मुक्केबाजी का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की मुक्केबाजी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। अब वे वुशु खेल में भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर पाली बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने गोविन्दसिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गोविन्दसिंह राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दिल्ली पुलिस, पाली और राजस्थान का नाम रोशन करेंगे। वहीं पाली बॉक्सिंग एसोसिएशन के मुख्य प्रशिक्षक एवं एन.आई.एस. बॉक्सिंग कोच दिलीप गहलोत ने कहा कि गोविन्दसिंह मेहनती, अनुशासित और समर्पित खिलाड़ी हैं। उनकी उपलब्धि पाली के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है तथा उन्हें विश्वास है कि गोविन्दसिंह इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतेंगे।

तिरंगे के सम्मान एवं गौरव की रक्षा करना हमारा दायित्व : केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा

हर घर तिरंगा अभियान

- हर घर लहराता तिरंगा देश के लिए प्रेम एवं समर्पण की अभिव्यक्ति : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा
- केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री ने किया तिरंगा रैली का शुभारंभ, अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक रैली में हुए शामिल

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर, 09 अगस्त। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अल्बर्ट हॉल से 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत राज्य स्तरीय तिरंगा रैली का शुभारंभ किया। अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक रिमझिम वर्षा के मध्य निकली इस रैली में केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री हाथ में तिरंगा थामे शामिल हुए। यात्रा के दौरान शहरवासियों ने कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने तिरंगा रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान, शान और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर वर्ष 2022 में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देशवासियों ने अपने घरों पर तिरंगा फहराकर विविधता में एकता और राष्ट्रीय अखंडता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हर भारतीय के दिल में बसना चाहिए और इसके सम्मान एवं गौरव की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को और मजबूत करने की दिशा में 'प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर्स

अमेंडमेंट एक्ट, 2026' महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान भारत की शान हैं तथा इनके अपमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने देशवासियों से वीर सपूतों की कुर्बानियों से प्राप्त आजादी और तिरंगे की गरिमा को सदैव बनाए रखने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तिरंगा हमारे स्वाभिमान, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव के तहत प्रारंभ की गई तिरंगा यात्रा जन-जन के अभियान के रूप में नई पीढ़ी में राष्ट्र भावना को सशक्त करने का माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान ने पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया है। हर घर लहराता हुआ तिरंगा राष्ट्र के प्रति हमारे प्रेम और समर्पण की अभिव्यक्ति है। लेकिन यह सम्मान हमारे घरों के साथ ही हमारे दिलों में भी होना चाहिए। इसकी सार्थकता इसी में है कि हम राष्ट्रीय चेतना के आदर्श और मूल्य को अपने जीवन में भी उतारें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष देश 15 अगस्त को स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह दिवस देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर है। उनके त्याग और तपस्या के फलस्वरूप ही आज हमारे हाथ में यह तिरंगा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा संविधान के आदर्श, एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि तिरंगे का राजस्थान से गहरा नाता रहा है। पहली बार 15 अगस्त को फहराया गया तिरंगा राजस्थान में बना था। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के क्षणों का स्मरण करते हुए कहा कि उस समय विद्यार्थियों की टोली हाथों में तिरंगा थामे 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' गीत के उद्घोष के साथ गलियों से गुजरती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने गरीब कल्याण की योजनाओं से लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद के खात्मे एवं दुनिया में भारत के बढ़ते गौरव तक अभूतपूर्व बदलाव देखा है। आज का नया भारत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने का काम करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछले ढाई वर्षों से सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है। राज्य सरकार का संकल्प है कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान हो। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अमर जवान ज्योति पहुंचकर शहीदों को नमन किया। उन्होंने पुष्पचक्र अर्पित कर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद मदन राठौड़ ने तिरंगा यात्रा में शामिल होने पर सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

अंबेडकर टाइगर फोर्स के नेतृत्व मे हरी झंडी दिखाकर सामाजिक जन जागरण रैली को किया रवाना

ब्यूरो चीफ प्रकाश कुमार परमार

जालोर, सरनाऊ सामाजिक एकता, जागरूकता एवं संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित सामाजिक जन जागरण रैली को अंबेडकर टाइगर फोर्स के जनप्रतिनिधियों ने चामुंडा माताजी मंदिर, सरनाऊ से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के रवाना होते ही बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं ग्रामीण उत्साह के साथ इसमें शामिल हुए। रैली के दौरान सरनाऊ पंचायत समिति क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूल-मालाओं एवं गुलाल से रैली का भव्य स्वागत किया। जगह-जगह ग्रामीणों एवं युवाओं में उत्साह देखने को मिला। रैली में शामिल कार्यकर्ताओं ने सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, एकता एवं संगठन की मजबूती का संदेश दिया। इस दौरान "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" के संदेश के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को शिक्षा के महत्व तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया गया। आयोजकों ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, संगठन और आपसी एकता महत्वपूर्ण आधार हैं। अंबेडकर टाइगर फोर्स के पदाधिकारियों ने कहा कि सामाजिक जन जागरण अभियान

का उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों, असमानता एवं अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों को लेकर आमजन में जागरूकता पैदा करना है। अभियान के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा में जोड़ने तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। अध्यक्ष दशरथ गुलसर ने बताया कि रैली के बाद अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए सरनाऊ पंचायत समिति क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रोजेक्टर के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में शिक्षा, सामाजिक एकता, संगठन, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन एवं नागरिक अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान का दूसरा चरण रानीवाड़ा क्षेत्र से शुरू किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन को जोड़कर सामाजिक जागरूकता का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा।

सादड़ा गांव के पास ट्रोले ने बाइक को मारी टक्कर, बाइक सवार महिला गंभीर घायल, प्राथमिक उपचार के बाद रेफर

तरुणमित्र

फालना (रितेश अग्रवाल)। सादड़ी थाना क्षेत्र के सादड़ा गांव के पास एक ट्रोले की टक्कर से बाइक सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के पायलट जितेंद्र सिंह राठौड़ मौके पर पहुंचे और घायल महिला को इलाज के लिए सादड़ी अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर को सादड़ी निवासी शांता पत्नी ओगड़ाम मेघवाल अपने रिश्तेदार से मुलाकात कर बाइक से वापस सादड़ी लौट रही थीं। इसी दौरान सादड़ा गांव के पास एक ट्रोले ने उनकी बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक चला रहे व्यक्ति को चोट नहीं लगी, जबकि पीछे बैठी शांता गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से घायल महिला को तत्काल सादड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। महिला की हालत गंभीर होने पर उसे आगे के उपचार के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना पर पुलिस ने घटना की जानकारी जटाते हुए जांच शरू कर दी है।

पिपलिया खुर्द में सामूहिक प्रयास से तैयार हुआ क्रिकेट पिच, अब स्थानीय खिलाड़ियों को मिलेगा खेल मैदान का लाभ

अमरपुरी गोस्वामी दादाई

पाली। पिपलिया खुर्द। जैतारण उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत पिपलिया खुर्द में पिछले कई वर्षों से खेल मैदान में क्रिकेट पिच की व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थानीय खिलाड़ियों को खेल गतिविधियों के लिए अन्य मैदानों का रुख करना पड़ता था। खिलाड़ियों की इस समस्या को लेकर पिछले सप्ताह युवाओं ने भाजपा नेता एवं समाजसेवक धर्मवीर कीर से मुलाकात कर खेल मैदान में क्रिकेट पिच निर्माण की मांग रखी। खिलाड़ियों की मांग पर धर्मवीर कीर ने युवाओं के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास और क्राउड फंडिंग के माध्यम से क्रिकेट पिच निर्माण की मुहिम शुरू की। इस पहल में कीर ने

एक डंपर ककरी/गिट्टी की व्यवस्था की गांव के युवाओं के साथ-साथ बाहर रहकर कार्य कर रहे प्रवासी कार्यकर्ताओं ने भी अपनी क्षमता के अनुसार आर्थिक सहयोग दिया। सभी के छोटे-छोटे सहयोग और युवाओं की मेहनत से खेल मैदान में क्रिकेट पिच का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। पिच तैयार होने से अब पिपलिया खुर्द के खिलाड़ियों को क्रिकेट खेलने के लिए दूसरे गांवों या अन्य मैदानों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। युवाओं ने इस सामूहिक पहल को गांव में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। स्थानीय खिलाड़ियों ने सहयोग करने वाले सभी युवाओं, प्रवासी कार्यकर्ताओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। भाजपा नेता धर्मवीर कीर ने कहा कि युवाओं की मांग और उनके उत्साह को देखते हुए यह पहल शुरू की गई थी। जब गांव के युवा एकजुट होकर किसी कार्य का संकल्प लेते हैं, तो सामूहिक सहयोग से बड़े कार्य भी पूरे किए जा सकते हैं। आने वाले समय में खेल मैदान को और बेहतर बनाने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान मीठालाल मिंडा , भंवरलाल कीर , भरत मेघवाल , महेंद्र मेघवाल , पुष्पेंद्र धानिया ,रमेश कीर , राजूराम कीर ,रामनिवास मिंडा , माणक चौकीदार ,चुन्नीलाल अकोदिया ,हीरा लाल , ललित मिंडा , कुलदीप रमेश भाटी , योगेश रवींद्र धनिया मौजूद रहे ।

कंकु विजय कॉलेज में सघन पौधारोपण, विद्यार्थियों ने लिया हरियाली का संकल्प

अमरपुरी गोस्वामी दादाई

पाली, 8 अगस्त। कंकु विजय कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को वृहद स्तर पर सघन पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने के साथ विद्यार्थियों एवं समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। यह हरित अभियान क्षेत्रीय कार्यालय, कॉलेज शिक्षा एवं जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की ओर से जारी विशेष निर्देशों की निर्धारित समय-सीमा में अनुपालना के तहत आयोजित किया गया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का नेतृत्व महाविद्यालय के निदेशक अभिषेक जैन, प्राचार्य डॉ. करण सैन एवं डॉ. अंजना अरोड़ा ने किया। इस अवसर पर संकाय व्याख्याता प्रवीण द्विवेदी,

दिनेश विश्नोई, नेमीचंद, गोविंद सेन, सूर्य प्रताप सिंह जोया, प्रीति परिहार एवं प्रदीप जोशी ने सक्रिय सहभागिता निभाई। पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए खेजड़ी, रोहिड़ा सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। विद्यार्थियों ने पौधारोपण के साथ ही लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प भी लिया।

अंबेडकर टाइगर फोर्स के नेतृत्व मे हरी झंडी दिखाकर सामाजिक जन जागरण रैली को किया रवाना

सामाजिक एकता, शिक्षा और संगठन का संदेश लेकर गांव-गांव पहुंची रैली, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

ब्यूरो चीफ प्रकाश कुमार परमार

जालोर, सरनाऊ सामाजिक एकता, जागरूकता एवं संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित सामाजिक जन जागरण रैली को अंबेडकर टाइगर फोर्स के जनप्रतिनिधियों ने चामुंडा माताजी मंदिर, सरनाऊ से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के रवाना होते ही बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं ग्रामीण उत्साह के साथ इसमें शामिल हुए। रैली के दौरान सरनाऊ पंचायत समिति क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूल-मालाओं एवं गुलाल से रैली का भव्य स्वागत किया।

जगह-जगह ग्रामीणों एवं युवाओं में उत्साह देखने को मिला। रैली में शामिल कार्यकर्ताओं ने सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, एकता एवं संगठन की मजबूती का संदेश दिया। इस दौरान "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" के संदेश के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को शिक्षा के महत्व तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया गया। आयोजकों ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, संगठन और आपसी एकता महत्वपूर्ण आधार हैं। अंबेडकर टाइगर फोर्स के पदाधिकारियों ने कहा कि सामाजिक जन जागरण अभियान का उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों, असमानता एवं अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों को लेकर आमजन में जागरूकता पैदा करना है। अभियान के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा में जोड़ने तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। अध्यक्ष दशरथ गुलसर ने बताया कि रैली के बाद अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए सरनाऊ पंचायत समिति क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रोजेक्टर के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में शिक्षा, सामाजिक एकता, संगठन, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन एवं नागरिक अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान का दूसरा चरण रानीवाड़ा क्षेत्र से शुरू किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन को जोड़कर सामाजिक जागरूकता का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। रैली के दौरान ललित बौद्ध, पूर्व सरपंच प्रकाश वानिका, प्रकाश मेघवाल मालवाडा, सरपंच प्रतिनिधि बुधाराम बिश्नोई बौद्ध महासभा अध्यक्ष घेवर बौद्ध,महेश गुलसर नेथीराम सोलंकी,सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

जिले में 'वन स्टॉप सेंटर' भवन का शिलान्यास, महिलाओं को एक छत के नीचे मिलेंगी सुविधाएं

ऋचा पानेरी

उदयपुर, 8 अगस्त। महिला सशक्तीकरण और सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए शनिवार को जिले में वन स्टॉप सेंटर (सखी केंद्र) के भवन निर्माण का शिलान्यास और भूमि पूजन राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया एवं ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने बताया कि केंद्र का निर्माण केंद्र सरकार के सहयोग से कराया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य संकट में फंसी महिलाओं को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने महिला हिंसा की प्रभावी रोकथाम के साथ महिलाओं को कानूनी जानकारी प्राप्त कर स्वयं जागरूक रहने का संदेश दिया। साथ ही केन्द्र व राज्य सरकार की महिला सुरक्षा की प्राथमिकता के उद्देय के लिए उठाये जा रहे कदमों से अवगत कराया। उन्होंने वन स्टॉप सेंटर के शिलान्यास को महिला सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए उपस्थित महिलाओं एवं क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। शिलान्यास समारोह के दौरान विधायक फूल सिंह मीणा महिलाओं को संबोधित करते हुए महिला हिंसा की रोकथाम एवं उनके कल्याणपरक योजनाओं के क्रियान्वयन को राज्य सरकार की प्राथमिकता में बताया। उन्होंने गरीब, पीडित महिलाओं को इस केन्द्र एवं

उसकी कार्यप्रणाली के प्रचार प्रसार व विशेषकर महिलाओं को जानकारी दिये जाने का आग्रह किया। उप निदेशक (महिला अधिकारिता) ने बताया कि नए भवन में पीड़ित महिलाओं और उनके बच्चों के लिए 10 दिनों तक के अस्थायी आश्रय की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही परिसर में ही मेडिकल सहायता, कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग और पुलिस सहायता कक्ष बनाए जाएंगे, ताकि पीड़ित महिला को अलग-अलग विभागों के चक्कर न काटने पड़ें। यह केंद्र पूरी तरह से आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें अदालती कार्यवाही के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा भी जोड़ी जाएगी। उप निदेशक बताया कि जिले में वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में यह केन्द्र सफलतापूर्वक संचालित हैं और अब तक 1250 से अधिक महिलाओं को मदद पहुंचा चुके हैं। नए केंद्र के बन जाने से स्थानीय स्तर पर महिलाओं को आपातकालीन स्थितियों में तुरंत और प्रभावी सहायता मिल सकेगी।

कार्यक्रम में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र के परामर्शदाताओं द्वारा घरेलु हिंसा से रोकथाम सम्बन्धी जीवन्त नाटिका का मंचन किया। साथ ही उपस्थित महिलाओं एवं द्वारा अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के उपरान्त वन स्टॉप सेन्टर व उसकी सेवाओं के साथ महिला सुरक्षा सलाह केन्द्र सम्बन्धी ब्रोशर का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर महेन्द्र सिंह देवडा एवं ओम प्रकाश आमेटा ने भी महिला सशक्तिकरण एवं संरक्षण पर विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में समाजसेवी मोहन लाल डांगी, दिनेश शर्मा, लोकेश व्यास, भूपेन्द्र श्रीमाली, कोमल वया, हरि प्रसाद आमेटा, अशोक वैष्णव, विमला वीरवाल, ओएससी प्रबन्धक किरण पटेल आदि की गरीमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सार्वजनिक निर्माण विभाग से निशा व्यास एवं अम्बर फातिमा एवं महिला अधिकारिता से सुपरवाईजर, वन स्टॉप सेन्टर की टीम एवं परामर्शदाता, महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, आंगनवाडी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सावन पर्व पर ब्रह्माकुमारीज केंद्र बाली में भक्ति की गूंज, महिलाओं ने गीतों से बांधा समां

तरुणमित्र

फालना (रितेश अग्रवाल)। सावन के पावन पर्व के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज बाली केंद्र में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वही बाली केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी स्नेहा दीदी ने बताया की कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सावन की महिमा से जुड़े गीतों एवं भक्ति गीतों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाओं ने सामूहिक रूप से सावन के पारंपरिक गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का संचार किया। गीतों की प्रस्तुतियों के दौरान उपस्थित महिलाओं ने भी सहभागिता निभाई और सावन पर्व की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम में सावन पर्व के आध्यात्मिक महत्व

पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों को आगे बढ़ाने के साथ समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज केंद्र से जुड़ी बहनों एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन आध्यात्मिक संदेश एवं मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

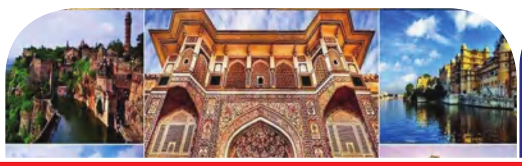

भाजपा आदिवासियों की पहले नंबर की दुश्मन, सबसे ज्यादा सावधान रहने की जरूरत : संयम लोढ़ा

▪ आदिवासी दिवस पर आलपा में भील समाज के कार्यक्रम को पूर्व मुख्यमंत्री सलाहकार ने किया संबोधित, छात्रावास की जमीन निरस्त करने सहित कई मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा

तरुणमित्र

सिरोही/शिवगंज। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आलपा में भील समाज की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री सलाहकार एवं पूर्व विधायक संयम लोढ़ा ने भारतीय जनता पार्टी पर आदिवासी समाज के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आदिवासियों की पहले नंबर की दुश्मन है और आदिवासी समाज को भाजपा से सबसे ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। लोढ़ा ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान सिरोही जिला मुख्यालय पर भील समाज छात्रावास तथा शिवगंज में मीणा समाज छात्रावास के लिए भूमि का आवंटन करवाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान में भाजपा की सरकार आने के बाद दोनों ही भूमि आवंटनों को निरस्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मीणा समाज के लोग अपने अधिकारों के प्रति सजग रहे और उन्होंने इस मामले में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर स्टे प्राप्त कर लिया, लेकिन भील समाज के छात्रावास की भूमि के मामले में जिस तरह से कार्रवाई की गई है, उसे भाजपा सरकार की क्रूरता के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भील समाज के बच्चों की शिक्षा और उनके भविष्य से जुड़े विषय पर भी राजनीति की जा रही है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। संयम लोढ़ा ने अपने संबोधन में रोवाड़ा गांव में भील समाज के परिवारों से जुड़ी भूमि के मामले को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि भील समाज के लोग जिस जमीन पर करीब 50 वर्षों से काबिज हैं और जिसका धारा 91 में प्रकरण लगातार दर्ज हुआ उस जमीन पर कथित रूप से मिलीभगत कर एक निजी व्यक्ति के नामांतरण का मामला सामने आया। लोढ़ा ने कहा कि जब भील समाज के लोग इस मामले को लेकर उनके पास आए तो उन्होंने संबंधित तहसीलदार से इस विषय में बातचीत की। उनके अनुसार, तहसीलदार ने भी यह स्वीकार किया था कि मामले में गलत हुआ है। उन्होंने कहा कि भील समाज के लोगों के साथ इस तरह के अत्याचार और अन्याय को गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर संगठित रहने की जरूरत है, ताकि कोई भी उनके अधिकारों का हनन नहीं कर सके। लोढ़ा ने भील समाज में शिक्षा की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जिले के विभिन्न स्थानों पर आदिवासी समाज की बालिकाओं के लिए छात्रावास और अध्ययन की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जहां बच्चियां सरकारी खर्चे पर शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि सिरोही, शिवगंज और कोलर में भील समाज की बच्चियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। समाज में जागरूकता की कमी के कारण इन तीनों स्थानों पर भील समाज की एक भी बच्ची अध्ययन नहीं कर रही है। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिसके जरिए समाज अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बन सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री सलाहकार लोढ़ा ने अपने संबोधन में आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास का भी उल्लेख किया। उन्होंने सबरी माता और वीर राणा पूंजा के उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय इतिहास में आदिवासी समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने देश और समाज के लिए हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाज के युवाओं को अपने इतिहास, महापुरुषों और गौरवशाली परंपराओं को जानने के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा से भी जुड़ना चाहिए। लोढ़ा ने कहा कि समाज को अपने अधिकारों के लिए जागरूक, संगठित और संघर्षशील रहना होगा। उन्होंने आदिवासी समाज से अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने तथा सामाजिक कुरीतियों को दूर कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भील समाज के बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। आदिवासी दिवस के अवसर पर समाजजनों ने एकजुटता के साथ अपने अधिकारों, शिक्षा और सामाजिक विकास के मुद्दों पर चर्चा की।

भारत माता के नारों से गूंजा आसमा....

▪ तिरंगा हमारे देश की शान -- विवेकानंद युवा मंडल केलवा के नेतृत्व में शानदार आयोजन किया गया

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली/ किशन पालीवाल

केलवा राजसमंद के निर्देशन में स्वच्छ केलवा हरित केलवा स्वामी विवेकानंद युवा मंडल की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत केलवा में 'सेल्फी विद तिरंगा' अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के माध्यम से आमजन, युवाओं एवं बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना से जोड़ने का संदेश दिया गया। अभियान के दौरान युवाओं एवं ग्रामीणों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक सेल्फी ली और अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर देशभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। इस दौरान लोगों में तिरंगे को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। अभियान का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, देशप्रेम और तिरंगे के सम्मान की भावना को मजबूत करना है। युवाओं ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन-बान-शान और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का प्रतीक है। कार्यक्रम संयोजक जीतेंद्र महात्मा ने अपील की कि 9 अगस्त से 17 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा अभियान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें तथा अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर देश के प्रति सम्मान और गौरव प्रकट करें। अभियान के दौरान युवाओं ने "हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा" और "तिरंगा हमारी शान है, भारत हमारी पहचान है" जैसे संदेशों के साथ लोगों को अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान युवा मंडल अध्यक्ष लालूराम सिंधल संरक्षक महेंद्र कोठारी अपेक्स कार्यक्रम संयोजक जीतेंद्र महात्मा सह संयोजक रेखा राठौड़ उपाध्यक्ष ज्योति महात्मा महिला प्रमुख लक्ष्मी मेहता मीना रजक शिवानी सोनी शिवानी वैष्णव हेमा मीणा निमिषा सिंधल आदि उपस्थित थे ।

अशोक राव हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

सीसीटीवी फुटेज और मनोवैज्ञानिक पूछताछ के बाद आरोपी ने कबूला जुर्म

कर्मपालसिंह सवाली/ सुरेश पुरोहित

सिरोही। पाड़ीव निवासी अशोक राव हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना सिरोही सदर की टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई 2026 को परिवादी भंवरलाल पुत्र शंकरलाल जाति राव, निवासी पाड़ीव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 27/28 जुलाई की रात उनके पुत्र अशोक राव की मुकेश उर्फ मोटू हरिजन ने पानी में डुबोकर हत्या कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी मुकेश कुमार उर्फ मोटू पुत्र कांतीलाल, उम्र 22 वर्ष, निवासी पाड़ीव पर संदेह हुआ। पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज एवं मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने घटना के बाद मृतक अशोक राव की बॉडी जगधणी मंदिर के पास रोड के साइड नाले में पड़ी होने की सूचना मृतक के फोन से उसके परिजनों को दी थी। इसके बाद आरोपी मृतक के घर आयोजित शोक कार्यक्रमों में भी शामिल होता रहा और परिजनों के बीच रहकर घटना की जानकारी रखता रहा, जिससे किसी को उस पर शक न हो। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में आगे की विस्तृत जांच जारी रखी है।

गिरफ्तार आरोपीः मुकेश कुमार उर्फ मोटू पुत्र कांतीलाल, जाति वाल्मीकि, उम्र 22 वर्ष, निवासी पाड़ीव, थाना सिरोही सदर, जिला सिरोही। पुलिस टीम में नारायण सिंह, एएसआई, कांस्टेबल प्रवीणसिंह (नं. 861) तथा कांस्टेबल अनिल कुमार (नं. 951) शामिल रहे।

भाजपा जैन प्रकोष्ठ के 5वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रभक्त जैन युवा सम्मेलन संपन्न

राष्ट्र निर्माण में जैन युवाओं की सक्रिय भागीदारी का लिया संकल्प

तरुणमित्र

मुंबई। भाजपा जैन प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र प्रदेश के 5वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रभक्त जैन युवा सम्मेलन रविवार को प्रभादेवी स्थित स्काय फॉरेस्ट में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन परम पूज्य आचार्य श्री नयपद्मसागर महाराज साहब के पावन सानिध्य में आयोजित किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में जैन समाज के युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र निर्माण में जैन समाज की सक्रिय भागीदारी, युवाओं को संगठन एवं सेवा से जोड़ने तथा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित विशेष सत्र सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण रहा। वक्ताओं ने कहा कि जैन समाज की सेवा, संस्कार, अहिंसा और राष्ट्रहित की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। युवाओं की ऊर्जा एवं प्रतिभा का उपयोग समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में किया जाना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने राष्ट्रहित, समाजसेवा और संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। सम्मेलन के समापन पर आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी संतों, अतिथियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समाज के युवाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा जैन प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष संदीप धरमचंद भंडारी, सी.वी. शहा (मुंबई अध्यक्ष), डॉ. योगेश पटनी, सीमा शाह, प्रीति पाटिल, अमित जवेरी, जश वीरा, भरत कोठारी, विनोद कोठारी, प्रीति शाह, दर्शना जैन, मंगलचंद सेठ, नरेश संघवी, आदिश जैन, हसमुख जैन, कनकराज जैन, जतीन गडा, बिंदू जैन, हिना देडिया, किरण मेहता सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। प्रदेश महामंत्री विकास लादूलाल आच्छा ने सम्मेलन की सफलता पर सभी का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन जैन समाज के युवाओं को सेवा, संगठन और राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आमेट में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा रैली निकाली

चीफ ब्यूरो किशन पालीवाल

राजसमंद/ आमेट=रविवार को नगर में हर घर तिरंगा यात्रा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा रैली निकाली। तिरंगा यात्रा में नगर के सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं जो करीब 1100 की संख्या में करीब आधा किलोमीटर लंबे करीब 500 मी का ध्वज हाथों में थमाये हुए रैली में चल रहे थे। यह यात्रा सुबह 9:00 बजे पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय स्कूल से शुरू हुई। तिरंगा यात्रा में सामाजिक राजनीतिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में आम जन भी हाथों में तिरंगा लेकर इसमें सम्मिलित हुए। यात्रा पन्नाधाय राजकीय बस स्टैंड, नगर पालिका, हॉस्पिटल रोड ,भीलवाड़ा रोड, सब्जी मंडी, गणेश चौक ,लक्ष्मी बाजार, गांधी सर्किल, होती हुई। पुनः पन्नाधाय बस स्टैंड पहुंची तिरंगा यात्रा की पूरी रैली में देश भक्ति के गीत व ढोल की थाप के बीच कार्यकर्ता, विद्यार्थी तिरंगा हाथ में लेकर चल रहे थे।

तिरंगा यात्रा अवसर पर कुंभलगढ़ विधायक पूर्व सिंचाई राज्य मंत्री सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में राष्ट्रभक्ति की भावना को नई मजबूती मिली है। उन्होंने सभी लोगों से आजादी के महापर्व पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराकर देश के प्रति सम्मान और गौरव प्रकट करने का आह्वान किया।

नगर पालिका आयुक्त सुदर्शन जांगू ने भी आमजन को अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए जागरूक किया। उन्हें उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहरा ने के सही तरीके की बारे में जानकारी देते हुए "हर घर तिरंगा'" अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।छ इस दौरान देश की आजादी के लिए सर्वस्व न्योछा हमवर करने वाले वीर बलिदानियों को श्रद्धा पूर्वक याद किया।

बाली विधानसभा मे संत गुरू रविदास जयन्ति पर समरसता संकल्प अभियान के सोनी बने विधानसभा संयोजक व गोस्वामी व माली बने सहसंयोजक

सरदार कर्मपालसिह सवाली पाली।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड के निर्देशानुसार आगामी गुरू संत रविदास जन्मजयन्ति पर समरसता संकल्प अभियान के रथ व कलश यात्रा के व्यापक जन भागीदारी के साथ सफल आयोजन बनाने के उद्देश्य से पाली जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्र मे संयोजक व सहसंयोजक की नियुक्त की गई है। जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी द्वारा जारी सुची के अनुसार बाली विधानसभा के लिए पुर्व न पा सादडी अध्यक्ष दिलीप सोनी को अभियान का संयोजक नियुक्त किया गया।वही अमरपुरी गोस्वामी दादाई व कानाराम माली को विधानसभा का सहसंयोजक नियुक्त किया गया। व्यापक जनभागीदारी के साथ चलेगा अभियान नियुक्त की घोषणा के बाद भाजपा कार्यकर्ताओ ने नव नियुक्त पदाधिकारीयो का स्वागत एव अभिनंदन करते हुए उन्हे बधाई दी।कार्यकर्ताओ ने विश्वास व्यक्त किया की उनके नेतृत्व मे समरसता संकल्प अभियान विधानसभा क्षेत्र मे व्यापक जनसहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संचालित होगा ।

जयपुर शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना हुईं 30 छात्राएं, विधायक फूलसिंह मीणा ने दिखाई हरी झंडी

संवाददाता - टीलाराम सिंधल
बिबलसर, जालौर

जालोर, 9 अगस्त। IIFL Foundation की पहल के तहत उदयपुर एवं सलूम्बर जिले के दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों की *30 छात्राओं* का तीन दिवसीय जयपुर शैक्षणिक भ्रमण (Exposure Visit) रविवार को शुरू हुआ। *उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूलसिंह मीणा* ने IIFL Training Center, शिकारबाड़ी से छात्राओं की बसों को हरी झंडी दिखाकर जयपुर के लिए रवाना किया। इस अवसर पर *CDEO श्री वीरेंद्र सिंह यादव* भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर *IIFL Foundation की निदेशक श्रीमती मधु जैन* ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के Exposure Visit छात्राओं को नए अनुभव प्राप्त करने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा अपने भविष्य के लिए व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। तीन दिवसीय भ्रमण के दौरान छात्राओं को *राजस्थान विधानसभा का भ्रमण तथा माननीय शिक्षा मंत्री महोदय से मुलाकात* का अवसर मिलेगा। *10 अगस्त* को प्रस्तावित विधानसभा भ्रमण के दौरान छात्राएं लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली, सुशासन एवं संवैधानिक मूल्यों को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकेंगी। यह पहल IIFL Foundation के *Holistic Development Program* के अंतर्गत आयोजित की गई है। *Rising Rajasthan* पहल के तहत राजस्थान सरकार के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत IIFL Foundation द्वारा उदयपुर एवं सलूम्बर जिले के *102 राजकीय बालिका विद्यालयों* में छात्राओं के शैक्षिक, व्यक्तित्व, नेतृत्व एवं जीवन कौशल विकास हेतु विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

श्रावण मास में सत्संग-प्रवचन से गूंजा प्रेमपुरी आश्रम

तरुणमित्र

मुंबई। श्रावण मास के पावन अवसर पर भारतमाता संस्कार सेवा ट्रस्ट एवं भक्त मंडल, मुंबई के तत्वावधान में रविवार को गिरगांव स्थित प्रेमपुरी आश्रम, बाबुलनाथ मंदिर के सामने एक दिवसीय सत्संग एवं आध्यात्मिक प्रवचन का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर संत सानिध्य एवं आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर ऋषि ज्ञानआत्मानंद महाराज ने परमात्मा, परमात्मा के पुत्र एवं गुरु के संबंध को आध्यात्मिक दृष्टि से स्पष्ट करते हुए कहा कि परमात्मा की अनुभूति केवल बाहरी आडंबरों से नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, सद्विचार, भक्ति और गुरु के मार्गदर्शन से संभव है। उन्होंने कहा कि परमात्मा जीवन का मूल आधार हैं, जबकि गुरु मनुष्य को परम सत्य की ओर ले जाने वाले प्रकाशस्तंभ के समान हैं। महाराज ने कहा कि गुरु के मार्गदर्शन से मनुष्य अपने भीतर विद्यमान चेतना को पहचानने और जीवन को सही दिशा देने का प्रयास करता है। धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों का उद्देश्य केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इनके माध्यम से व्यक्ति के विचार, व्यवहार और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि सच्ची भक्ति वही है, जो मनुष्य को अहंकार से दूर कर सेवा, सदाचार, करुणा और मानवता के मार्ग पर आगे बढ़ाए। उन्होंने आध्यात्मिक जीवन में गुरु के महत्व और उनके बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान परम पूज्य सद्गुरुदेव ब्रह्मलीन श्री श्री योगीराज स्वामी स्वयं आत्मानंद गिरिजी महाराज तथा परम पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर निर्वृत जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सत्यमित्रानंद गिरिजी महाराज की कृपा एवं आशीर्वाद का स्मरण किया गया। प्रवचन के दौरान श्रद्धालु आध्यात्मिक संदेशों से भावविभोर नजर आए। सत्संग के समापन पर श्रद्धालुओं ने संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन स्थल पर पूरे समय भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

रंगों, संस्कृति और परंपरा का अनूठा संगम बना 'म्हारो राजस्थान' सीजन-2

तरुणमित्र

भायंदर। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं और रंग-बिरंगी विरासत को समर्पित 'म्हारो राजस्थान' सीजन-2 का भव्य आयोजन शनिवार, 8 अगस्त 2026 को कमोल वाड़ी, गीता नगर, भायंदर (पश्चिम) में उत्साह और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में राजस्थान की लोक संस्कृति और परंपराओं की शानदार झलक देखने को मिली। राजस्थानी एवं गुजराती लहरिया पहनावा प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, डांस, म्यूजिकल गेम्स सहित विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों ने उपस्थित लोगों का खूब मनोरंजन किया। आयोजकों द्वारा कार्यक्रम में 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश रखा गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में परिवारों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और राजस्थान की संस्कृति से जुड़ी यादों को संजोया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राजस्थानी संस्कृति, वेशभूषा, लोक परंपराओं और कला को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा। रंग-बिरंगे परिधानों और राजस्थानी अंदाज ने पूरे आयोजन को आकर्षक बना दिया। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों, अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। 'म्हारो राजस्थान' सीजन-2 ने एक बार फिर प्रवासी राजस्थानियों को अपनी मिट्टी, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का संदेश दिया।

खेल मंत्री मांडविया ने 'नशामुक्त भारत' संदेश के साथ फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 85वें संस्करण का किया नेतृत्व

एजेंसी, हणोल (गुजरात)

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात के हणोल से फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 85वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस अवसर पर युवाओं, माय भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से जुड़े प्रतिभागियों ने 'नशामुक्त भारत' का सामूहिक संकल्प लिया। अभियान का संदेश रहा- 'फिटनेस को हां कहें, ड्रग्स को ना कहें।' युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से फिट इंडिया अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए फिटनेस को स्वस्थ जीवनशैली के सकारात्मक विकल्प के रूप में बढ़ावा देना था। डॉ. मांडविया ने संडे ऑन साइकिल को जन आंदोलन बताते हुए कहा, "मुझे खुशी है कि यह पहल प्रधानमंत्री के फिट इंडिया आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए एक बड़े आंदोलन के रूप में विकसित हुई है। देशभर में 10,000 से अधिक स्थानों पर युवाओं ने साइकिलिंग के माध्यम से यह संदेश दिया है।" डॉ. मांडविया ने दिसंबर 2024 में संडे ऑन साइकिल की शुरुआत की थी। इसके बाद से पूरे देश में 30 लाख से अधिक लोग इस अभियान में भाग ले चुके हैं। दिल्ली में इसका मुख्य कार्यक्रम मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण सामूहिक 'नशामुक्त भारत' संकल्प रहा, जिसमें 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने नशे से मुक्त जीवन जीने और अपने परिवार, दोस्तों तथा समुदाय को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। रविवार सुबह 5:30 बजे तक 1000 से अधिक लोग स्टेडियम पहुंच गए थे। प्रतिभागियों ने योग और जुंबा जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके बाद इंडिया गेट और कर्तव्य पथ के आसपास पांच किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में कैरम, शतरंज, लूडो और बैडमिंटन के लिए गेम जोन भी बनाया गया। इसके अलावा रस्साकशी और बाधा दौड़ जैसी फिटनेस गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम में अभिनेता एवं मॉडल सिद्धार्थ निगम, अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन गुरवीर सिंह, फिट इंडिया एंबेसडर नरेंद्र कुमार और फिट इंडिया चैंपियन एवं प्रसिद्ध जुंबा प्रशिक्षक मीनल पाठक ने भी हिस्सा लिया। साइकिल यात्रा पूरी करने के बाद अभिनेता और जिम्नास्ट सिद्धार्थ निगम ने कहा, "सुबह पांच बजे बाहर निकलना और दिल्लीभर के लोगों को इतनी ऊर्जा और उत्साह के साथ साइकिल चलाते देखना शानदार अनुभव था। 'नशा मुक्त भारत' की थीम के साथ फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम यह मजबूत संदेश देता है कि हमें हानिकारक नशे की जगह फिटनेस, कड़ी मेहनत और अपने लक्ष्य हासिल करने की आदत अपनानी चाहिए।

भारत का श्रीलंका दौरा : शुभमन गिल ने नेट्स पर की वापसी

एजेंसी, कोलंबो

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने रविवार को श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच से बाहर रहने के बाद नेट्स पर वापसी की। कोलंबो के एनसीसी मैदान पर खेले जा रहे अभ्यास मैच के तीसरे और अंतिम दिन गिल को साइड नेट्स में बल्लेबाजी करते देखा गया।

गिल अभ्यास मैच से पहले दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगने के कारण मुकाबले से बाहर हो गए थे। अभ्यास के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली पर गेंद लगी थी। टॉस के समय केएल राहुल को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया था कि गिल अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई ने बयान में कहा था, "कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार को भारत के अभ्यास सत्र के दौरान दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी। एहतियाती कदम के तौर पर वह श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।" हालांकि, मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी के दौरान भी गिल बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। उनकी नियमित बल्लेबाजी क्रम की चौथी पारी पर रविंद्र जडेजा बल्लेबाजी करने आए। गिल का नेट्स पर लौटना भारत के लिए राहत की खबर है क्योंकि भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में खेला जाएगा।

अश्मिता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स अपने नाम किया, पहली बार जीता बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब

एजेंसी, सियोल

भारत की अश्मिता चालीहा ने रविवार को शानदार वापसी करते हुए चीन की हान कियान शी को हराकर बीडब्ल्यूएफ कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया है। यह अश्मिता का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। 26 वर्षीय गुवाहाटी की अश्मिता ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम 14-21 से गंवाने के बाद जोरदार वापसी की और अगले दोनों गेम 21-14, 21-14 से जीतकर 53 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। निर्णायक गेम में अश्मिता एक समय 9-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन कोर्ट के दूसरे छोर से मिल रही अनुकूल ड्रिफ्ट का उन्होंने शानदार फायदा उठाया। उन्होंने इसके बाद बचे 15 में से 12 अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मई में तीन महीने की चोट के बाद वापसी करने वाली विश्व की 50वें नंबर की अश्मिता ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। वापसी के बाद अपने पहले दो टूर्नामेंटों में उन्होंने चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था। इस खिताबी जीत से पहले उनके लिए इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून में मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचना था, जहां उन्हें दक्षिण कोरिया की उपविजेता पार्क गा-उन से हार मिली थी। राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, गुवाहाटी में पार्क ताए-सांग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेने वाली अश्मिता ने कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान की हिना अकेची को हराया था।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिपः शाहनवाज खान ने लंबी कूद में जीता कांस्य

एजेंसी, यूजीन। भारत के शाहनवाज खान ने शनिवार को विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 की पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक है। इससे पहले आशीष यादव ने भाला फेंक में और बसंत कुमार मेघवाल ने ऊंची कूद में रजत पदक जीता था। शाहनवाज ने फाइनल में 7.84 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। वह विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए हैं। इससे पहले शाइली सिंह ने 2021 में महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक जीता था। हालांकि, शाहनवाज के लिए यह पदक कुछ मायनों में निराशाजनक भी रहा होगा, क्योंकि उनकी सर्वश्रेष्ठ छलांग उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.30 मीटर से काफी कम रही। दूसरे भारतीय फाइनलिस्ट आर.सी. जितिन अर्जुनन भी अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 8.12 मीटर के करीब नहीं पहुंच सके। उन्होंने 7.59 मीटर की छलांग के साथ आठवां स्थान हासिल किया। इटली के डेनियल लियोनार्डो इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आगाज सोमवार से, डुप्लांटिस और इंगब्रिग्त्सेन पर रहेंगी नजरें

एजेंसी, बर्मिंघम

विश्व रिकॉर्डधारी और ओलंपिक चैंपियन अर्मांड 'मोंडो' डुप्लांटिस समेत दुनिया के 10 मौजूदा चैंपियन सोमवार से शुरू हो रही यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में पदक के लिए उतरेंगे। ब्रिटेन में पहली बार आयोजित हो रही इस चैंपियनशिप में 49 देशों के एथलीट हिस्सा लेंगे और 50 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा। डुप्लांटिस पुरुषों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके अलावा आइजैक नाडेर (1500 मीटर), जिमी ग्रेसियर (5000 और 10,000 मीटर), मैटिया फुरलानी (लंबी कूद), पेड्रो पिचार्डो (त्रिकूद), डेनियल स्टाहल (चक्का फेंक) और लियो न्यूगेबॉयर (डेकाथलॉन) मौजूदा विश्व चैंपियन हैं। महिलाओं में फेमके बोल (400 मीटर बाधा दौड़), दिताजी कांबुंडी (100 मीटर बाधा दौड़) और मारिया पेरेज प्रमुख विश्व चैंपियन हैं। डुप्लांटिस, जैकब इंगब्रिग्त्सेन, मिल्टियादिस टेंटोग्लू और नॉर्वे के 400 मीटर बाधा धावक कार्स्टेन वारहोम लगातार चौथा यूरोपीय खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। वहीं यारोस्लावा माहुचिख और कीली हॉगिन्सन लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने की कोशिश करेंगी। डुप्लांटिस लंदन डायमंड लीग में बायीं जांघ की समस्या के कारण हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्होंने वहां 5.95 मीटर की छलांग लगाने के बाद प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया था। हालांकि जांच में कोई चोट नहीं मिली और अब वह बर्मिंघम में वापसी के लिए तैयार हैं। डुप्लांटिस अब तक 15 बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। उन्होंने 2020 में 6.17 मीटर के साथ पहली बार विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जबकि उनका मौजूदा विश्व रिकॉर्ड 6.31 मीटर है, जो उन्होंने मार्च में स्वीडन में बनाया था।

बिजनेस

अगले सप्ताह गुलजार रहेगा प्राइमरी मार्केट, 8 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 8 कंपनियों के शेयर भी स्टॉक मार्केट में होंगे लिस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

सोमवार यानी 10 अगस्त से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में अच्छी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह आठ कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें पांच कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह छह और सात अगस्त को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले चार आईपीओ में भी इस सप्ताह 10 और 11 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इनमें दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के और दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह आठ कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की जबकि शेष पांच कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 10 अगस्त को धूत ट्रांसमिशन का 3,066.89 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 829 रुपये प्रति शेयर से लेकर 871 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 17 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 10 अगस्त को ही मोलबियो डायग्नोस्टिक्स का 939.70 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 768 रुपये प्रति शेयर से लेकर 807 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 18 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 11 अगस्त को मिल्की मिस्ट डेयरी फूड का 1553 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 133 रुपये प्रति शेयर से लेकर 140 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 107 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन शाम फोम का 40.48 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 130 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 11 अगस्त को ही एक और फैसिनेट टेक्सटाइल्स का 66.98 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च होगा। इस इश्यू में भी 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 148 रुपये प्रति शेयर से लेकर 156 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 अगस्त को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 12 अगस्त को बिहारी लाल इंजीनियरिंग का 302 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा।

यूपीआई लेनदेन पर उपयोगकर्ताओं से कोई चार्ज नहीं लिया जाएगाः वित्त मंत्रालय

- **आम यूपीआई यूजर्स के लिए कोई शुल्क नहीं, व्यापारियों के लिए भी अधिकांश ट्रांजेक्शन रहेंगे मुफ्त**

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को यूपीआई से पेमेंट करने वाले करोड़ों यूजर्स के बीच शुल्क को लेकर जारी भ्रम को दूर करते हुए सफाई दी है। सरकार ने यूपीआई ट्रांजेक्शन पर शुल्क लगाए जाने की चर्चाओं के बीच स्पष्ट किया है कि यूपीआई से भुगतान करने वाले आम उपभोक्ताओं से किसी भी तरह का ट्रांजेक्शन शुल्क नहीं लिया जाएगा। साथ ही व्यापारियों के लिए भी यूपीआई के अधिकांश लेन-देन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने जारी एक आधिकारिक बयान में कहा है कि आम यूपीआई यूजर्स के लिए लेन-देन पूरी तरह से निशुल्क रहेगा। ग्राहकों से किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। भविष्य में यदि मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू भी होता है, तो उसका भार केवल चुनिंदा बड़े व्यापारियों पर होगा, आम उपभोक्ताओं पर नहीं। मंत्रालय ने बतााया कि व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले सभी यूपीआई ट्रांजेक्शन भी पूरी तरह निःशुल्क बने रहेंगे। साथ ही, व्यापारियों के लिए भी यूपीआई के अधिकांश ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। मंत्रालय ने कहा है कि भविष्य में यदि व्यापारी छूट दर (एमडीआर) लागू की जाती है, तो ये केवल कुछ सीमित प्रकार के व्यापारी ट्रांजेक्शन पर, एक निश्चित सीमा से अधिक राशि होने की स्थिति में और बेहद मामूली दर पर लागू होगी। यह दर डेबिट या क्रेडिट कार्ड से लिए जाने वाले शुल्क की तुलना में काफी कम होगी।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

- **साप्ताहिक आधार पर 8,180 रुपये तक महंगा हुआ सोना**

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में आज सोने के भाव में 1,510 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है। इसी तरह हाजिर चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार के दौरान 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक का उछाल आ गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में उछाल आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार तेजी का रुख बनने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में तेजी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 8,180 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 7,600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी भी मजबूत ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। कीमत में आई तेजी के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर दस हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,52,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,51,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मैटेल मोशन एंड एनर्जी सॉल्यूशंस ने जुटाए 130 करोड़ रुपये, यूसी इम्पावर के नेतृत्व में सीरीज बी फंडिंग

» **कैटामारन नया प्रमुख निवेशक बना, ट्रांजिशन वीसी ने भी जारी रखा निवेश**

बेंगलुरु : पुणे स्थित मेकाट्रॉनिक्स कंपनी मैटेल मोशन एंड एनर्जी सॉल्यूशंस ने सीरीज बी फंडिंग राउंड में 130 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इस राउंड का नेतृत्व क्लाइमेट सॉल्यूशंस और वित्तीय सेवाओं में निवेश करने वाले अर्ली-ग्रोथ फंड यूसी इम्पावर ने किया। कैटामारन नए प्रमुख निवेशक के रूप में शामिल हुआ, जबकि मौजूदा निवेशक ट्रांजिशन वीसी ने भी इस राउंड में निवेश जारी रखा। 2017 में स्थापित मैटेल ऊर्जा-कुशल मोटर्स, मोटर कंट्रोलर्स और इंटीग्रेटेड पॉवरट्रेन विकसित और निर्मित करती है। कंपनी के उत्पाद इलेक्ट्रिक वाहनों, पंपिंग और कूलिंग सिस्टम सहित ऑटोमोबाइल और औद्योगिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाते हैं। कंपनी ने मैग्नेट-फ्री मोटर तकनीक विकसित करने में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। मैटेल भारत की शुरुआती कंपनियों में शामिल है जो PMSM आधारित IE5 अल्ट्रा-हाई एफिशिएंसी इंडस्ट्रियल मोटर्स पेश कर रही है, जबकि IE6 उत्पाद पर भी विकास कार्य जारी है। कंपनी दोपहिया, तिपहिया और औद्योगिक क्षेत्रों में कई OEM ग्राहकों के लिए सीरीज प्रोडक्शन कर रही है। नई पूंजी का इस्तेमाल विनिर्माण क्षमता बढ़ाने, आरएंडडी इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने, नए उत्पादों के विकास और इंजीनियरिंग व उत्पादन क्षेत्र में नियुक्तियां बढ़ाने के लिए किया जाएगा। कंपनी इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में प्रवेश करने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की भी योजना बना रही है। मैटेल के संस्थापक एवं सीईओ सुनील पटेल ने कहा कि यह निवेश कंपनी की तकनीक, टीम और शुरुआती ग्राहकों के भरोसे का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पूंजी का प्रमुख उपयोग उन्नत आरएंडडी और अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं के विस्तार के साथ उत्पाद विकास को गति देने में किया जाएगा। सह-संस्थापक एवं सीएमओ नेताजी पात्रो ने कहा कि फंडिंग से कंपनी को उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने, इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल बाजार में प्रवेश करने और वैश्विक स्तर पर नए ग्राहकों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी।यूसी इम्पावर की सह-संस्थापक एवं पार्टनर रिचा नटराजन ने मैटेल की मोटर तकनीक, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर को एकीकृत करने की क्षमता को कंपनी की प्रमुख ताकत बताया। वहीं ट्रांजिशन वीसी के पार्टनर शांतनु चतुर्वेदी ने मैटेल को केवल मोटर निर्माता के बजाय एकीकृत ड्राइव सॉल्यूशंस प्लेटफॉर्म के रूप में उभरती कंपनी बताया। कैटामारन के प्रेसिडेंट दीपक पदाकी ने कहा कि निवेश भारत के प्रिसिजन इंजीनियरिंग और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में कंपनी के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने मैटेल की इंजीनियरिंग क्षमता, इन-हाउस आरएंडडी और OEM साझेदारियों को उसके विस्तार की मजबूत नींव बताया।मैटेल का लक्ष्य भारत से ऊर्जा-कुशल मेकाट्रॉनिक्स तकनीक विकसित कर इलेक्ट्रिफिकेशन और एडवांस्ड मोबिलिटी के वैश्विक बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करना है।